



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २४] नई दिल्ली, शनिवार, जून १४, १९८० (ज्येष्ठ २४, १९०२)

No. 24] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 14, 1980 (JYAISTHA 24, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-११००११, दिनांक १३ मई, १९८०

सं० ए० ३५०१४/१/७९-प्रशा० —संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के निम्नलिखित दो अधिकारी अनुभाग अधिकारियों को सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ५-५-१९८० से ४-८-१९८० तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, प्रयेक के सामने निर्दिष्ट पदों पर तदर्थं आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

१. श्री योगिन्द्र नाथ—अनु० अधिकारी (विशेष-परीक्षा)
२. श्री डी० आर० मदान—अनु० अधिकारी (विशेष-सेवा)

२. अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप सर्वश्री योगिन्द्र नाथ और डी० आर० मदान का वेतन वित्त मंत्रालय (व्यवहार) के समय समय पर यथासंशोधित का० ज्ञा० सं० एफ० १०(२४)/ई० III/६०, दिनांक ४-५-१९६१ में उल्लिखित शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

दिनांक, १४ मई १९८०

सं० ए० ३५०१४/१/७९-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के० स० से०

१—१०६ GI/८०

संबंध के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जी० पी० सक्सेना को १३-५-८० से १२-८-८० तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष गोपनीय) के पद पर तदर्थं आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

२. अनुभाग अधिकारी (विशेष गोपनीय) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप श्री जी० पी० सक्सेना का वेतन वित्त मंत्रालय (व्यवहार) के समय समय पर यथासंशोधित का० ज्ञा० सं० एफ० १०(२४)-ई० III/६०, दिनांक ४-५-१९६१ की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

एम० बालचन्द्रन, अव० सचिव,
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-११००११, दिनांक २० मार्च १९८०

सं० पी० १८३७-भाग II-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में इस समय उप सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में रीडर डा० वी० एस० मिश्र के गोरखपुर विश्वविद्यालय में

शिक्षा के प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने वे परिणामस्वरूप 20 मार्च, 1980 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से उन्हें कार्यभार मुक्त किया गया है।

दिनांक: 1 मई 1980

सं० ए० ३२०१४/३/७९-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक: महायज्ञ (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ब्यू) श्री जोगिन्द्र सिंह को, राष्ट्रपति द्वारा 26-४-१९८० से २५-६-१९८० तक दो भास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के० स० स्ट० से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

निजी सचिव (के० स० स्ट० से० का ग्रेड क) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर श्री जोगिन्द्र सिंह मूल नियम २२-ग के अधीन रु० ७७५-३५-८८०-४०-१०००-८० ४०-१२०० के वेतनमान में २६-४-१९८० से रु० १०४०/- प्र० मा० की दर से वेतन प्राप्त करने के हकदार होंगे।

एस० बालबन्दन,
अव० सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1980

सं० १० आर० सी० टी० ४—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री के० आर० चूग, महायक अभियन्ता (सिविल) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में दिनांक २-५-८० (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से महायक तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल भल्होत्रा,
अव० सचिव,
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

का० ए० प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1980

सं० ए०-१९०२१/२/८०-प्रशा०-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी० सी० डोगरा, भारतीय पुलिस द्वेषा (१९६४-पंजाब) को दिनांक २७ अप्रैल, १९८० के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 23 मई 1980

सं० ए०-१९०३५/३/८०-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री टी० सुदर्शना राव, अपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक १९ मई, १९८० के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय इजरायल पुलिस बल

नई दिल्ली-११०००१-दिनांक 23 मई 1980

सं० ओ० दो० ११००/७८-स्थापना—इस महानिदेशालय की अधिसूचना दिनांक ५-११-७९ के सन्दर्भ में, [महानिदेशक केन्द्रीय इजरायल पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) मंगला राजन को दिनांक १८-१०-७९ के पूर्वाह्न से १६-१-८० (पूर्वाह्न) तक केन्द्रीय इजरायल पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

के० आर० के० प्रसाद,
सहायक निदेशक। (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रीदोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-११००१९, दिनांक 19 मई 1980

सं० ई०-३८०१३(३)/२१/७९-कार्मिक—विशाखापटनम से स्थानांतरित होने पर श्री एस० एन० पी० मिन्हा ने १७ अप्रैल, १९८० के पूर्वाह्न से के० श्री० मु० ब० यूनिट एच० ई० सी० रांची के महायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-३८०१३(३)/२४/७९—कार्मिक—भिलाई से स्थानांतरित होने पर श्री सी० रामस्वामी ने २९ अप्रैल, १९८० के पूर्वाह्न से के० श्री० मु० ब० यूनिट बी० एस० एन० बोकारो के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-१६०१३(२)/१/८०-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री एस० श्राई० जफरमली, श्राई० पी० एस० (टी० एन० : एस० पी० एस०) ने २८ अप्रैल, १९८० के पूर्वाह्न से के० श्री० मु० ब० यूनिट एम० पी० टी० मद्रास के कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ह० (अपठनीय)
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-११००११, दिनांक 23 मई 1980

सं० ११/१०२/७९-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशालय में, सहायक निदेशक

जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एस० एल० बहल को हरियाणा, चण्डीगढ़ जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 24 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री बहल का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री बहल को उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए किसी भी समय रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निवेशालय में सहायक निवेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत डा० के० एस० डे० को उसी कार्यालय में तारीख 31 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर, उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. डा० डे का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति डा० डे को उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को सक्षम-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए किसी भी समय रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निवेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एम० के० आहूजा को उसी कार्यालय में तारीख 2 मई, 1980 के पूर्वाह्न से, एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री आहूजा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री आहूजा को उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रशान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को सक्षम-प्राधिकारी के

विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए किसी भी समय रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, कर्णाटक, बंगलौर में जनगणना कार्य निवेशालय में सहायक निवेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री वाई० जी० कृष्णमूर्ति को प्रान्ध प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 28 अप्रैल, 1980 के प्रपराह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री कृष्णमूर्ति का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री कृष्णमूर्ति को उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए र, किया जा सकता है।

सं० 11/29/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, उड़ीसा सिविल सेवा के अधिकारी श्री बालुकेश्वर साहू को उड़ीसा, कटक में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 7 मई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री साहू का मुख्यालय कटक में होगा।

[दिनांक 24 मई] 1980

सं० 11/32/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, तमिलनाडु सिविल सेवा के अधिकारी श्री एम० सत्यमूर्ति को तमिलनाडु, मद्रास में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 9 मई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सत्यमूर्ति का मुख्यालय तिरुनलवेली में होगा।

सं० 5/3/76-म० प० (प्रशा०-I)—इस कार्यालय की तारीख 23 जनवरी, 1979 की समस्यावाचक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित दो अधिकारियों की उनके समक्ष दर्शित पदों पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को नई दिल्ली में मुख्यालय सहित और आगे सहर्ष बढ़ाते हैं :

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	पद नाम	तदर्थ नियुक्ति को बढ़ाए जाने की अवधि
1	2	3	4
1.	डा० आर० आर० त्रिपाठी	मानचित्र अधिकारी	1-7-79 ; से 24-9-79 तक

1	2	3	4
2 श्री एस० डी० ल्यागी	अनुसंधान आधिकारी (मानचित्र)	1-7-79 से 11-7-79 तक	

दिनांक 27 मई 1980

सं० 11/125/79-प्रश्ना० I—राष्ट्रपति, राजस्थान सिविल सेवा के अधिकारी श्री एन० के० भार्गव को राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 15 मई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री भार्गव का मुख्यालय जयपुर में होगा।

पी० पव० नामा॒
भारत के महापंजीकार

सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 26 मई 1980

सं० 15015/77-स्थापना—केन्द्र में अपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर श्री एस० कृष्णमूर्ति, भा० पु० से० (कर्णटक 1967) ने दिनांक 22-5-80 के अपराह्न से सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद के सहायक निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० के० राय,
निदेशक

अम मंत्रालय

(अम व्यूरो)

फिल्मा-171004, दिनांक 7 जून 1980

सं० 23/3/80 सी० पी० आई०—अप्रैल, 1980 में औद्योगिक अमिकों का अधिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आषार वर्ष 1980=100) मार्च, 1980 के स्तर से 2 अंक बढ़ कर 375 (तीन सौ पचहत्तर) रहा है। अप्रैल 1980 माह का सूचकांक आषार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 456 (चार सौ छप्पन) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज,
संयुक्त निदेशक

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बीमा प्रभाग

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1980

सं० 304-आई० पी० (1)/48—चूंकि मैं, भार० के० महाजन, बीमा नियंत्रक पूर्ण रूप से संतुष्ट हूं कि एन्कर प्रावीडं इंशोरंस कम्पनी लिमिटेड नामक समिति के कार्यों का पूर्णतः परिसमाप्त हो गया है।

इसलिए अब मैं इस अधिसूचना द्वारा बीमा अधिनियम 1938 (1938 का 4) की धारा 93 की उपधारा (5)

के उपबंधों के अनुसार उपर्युक्त समिति के भंग होने की घोषणा करता हूं।

सं० 132 आई० डी० (1)/50—चूंकि मैं, भार० के० महाजन, बीमा नियंत्रक पूर्ण रूप से संतुष्ट हूं कि एन्कर प्रावीडं इंशोरंस (प्रावीडं) लिमिटेड नामक समिति के कार्यों का पूर्णतः परिसमाप्त हो गया है।

इसलिए, अब मैं इस अधिसूचना द्वारा बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 93 की उपधारा (5) के उपबंधों के अनुसार उपर्युक्त समिति के भंग होने की घोषणा करता हूं।

भार० के० महाजन,
बीमा नियंत्रक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 मई 1980

सं० प्रश्ना० सत् 1/33—इस संगठन के अस्थाई लेखापरीक्षा अधिकारी श्री एस० नरायणन्, को 1-3-1980 से लेखा-परीक्षा अधिकारी को स्थाई रूप में नियुक्त किया जाता है।

महिन्दर सिंह सरना,
निदेशक लेखापरीक्षा

महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक

बैंगलूर, दिनांक 8 मई 1980

सं० स्था०-I/ए० 4/80-81/37—महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटक, बैंगलूर, के निम्नलिखित स्थानापश्च लेखा अधिकारियों के रूप में, उनके नाम के सामने जो दिनांक बताया गया है, उस दिन से, इसी कार्यालय में स्थायी रूप में लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नत करते हैं।

क्रमांक अधिकारी के नाम	दिनांक जब से कन्फर्म हुआ
------------------------	--------------------------

सर्वश्री

- | | |
|--------------------------|-----------|
| 1. आर० श्रीनिवासन् (1) | 1-1-1979 |
| 2. एन० चक्रवर्ती | 1-4-1979 |
| 3. के० एन० नरसिंहमृति | 12-5-1979 |
| 4. के० जगन्नाथन् | 1-11-1979 |
| 5. एम० आर० वेंकटरामन् | 1-11-1979 |
| 6. एस० अनन्त राव | 1-12-1979 |
| 7. बी० हनुमन्ताचार | 1-12-1979 |
| 8. एच० एस० रामचन्द्र (1) | 1-1-1980 |
| 9. एच० एस० विश्वनाथ | 1-2-1980 |
| 10. बी० के० नंजुण्डय्या | 1-2-1980 |
| 11. के० एस० वरदराज | 1-2-1980 |

यह आदेश भारत के सर्वोच्च न्यायालय के लेखा याचिका न० 4367 के अंतिम नतीजों के अधीन रहते हैं।

सं० स्था०-I/ए० 4/80-81/148—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को उसके

वरिष्ठों के बिना प्रतिकल प्रभाव डाले अगले आदेश जारी होने तक, लेखा अधिकारी पद में उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से केवल अस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

1. श्री सी० नारायणमूर्ति

2. श्री एस० नरसिंहन् (2)

ये पदोन्नत सर्वोच्च न्यायालय के लेखा याचिका नं० 4367 के अंतिम नतीजों के अधीन रहते हैं।

एम० ए० सौन्दरराजन्,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार द्वितीय, पश्चिम बंगाल

स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग
कलकत्ता-1, दिनांक 21 अप्रैल 1980

सं० एल० ए०/प्रशासन 9—महालेखाकार द्वितीय, पं० बंगाल एक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री निखिल चन्द्र सेनगुप्त को तत्वर्त्य तथा अनन्तिम रूप से सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा, प० बंगाल के पूर्णतया स्थानापन्न पद पर 18-4-80 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

यह साफतोंर पर समझ लेनी चाहिए कि यह प्रोन्नति कलकत्ता उच्चन्यायालय के एक मुकदमे में विनिर्णय की समाप्ति होने तक पूर्णतया अस्थायी रूप में है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के विद्वान दायर किए गए 1979 के सी० आर० केस नं० 14818 (डब्ल्य०) के अंतिम फैसले के आधीन है।

बी० एन० दत्तचौधरी,
परीक्षक, स्थानीय लेखा,
प० बंगाल

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 15 मई 1980

सं० 18421/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा से श्री कवल मंजीत अंग्रेजी का स्थाग पत्र 11 फरवरी 1980 (पूर्वाह्न) से महर्ष स्वीकार करते हैं।

के० पी० राज,
रक्षा लेखा अपर महानियन्त्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

आईनैन्स फैक्टरी बोर्ड

भारतीय आईनैन्स फैक्टरिंग सेवा

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1980

सं० 22/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधिकारियों को, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक। डी० ए० टी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

(1) श्री के० पी० पण्डा, सहायक प्रबन्धक—31, जनवरी 1980 (परखावधि)

(2) श्री राजेश कुमार जैन, सहायक प्रबन्धक 1 सी मार्च, 1980 (परखावधि)

(3) श्री ए० के० चट्टोपाध्याय, सहायक प्रबन्धक—1 ली मार्च, 1980। (परखावधि)

सं० 23/जी०/80—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक/टी० ए० ओ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

(1) श्री जे० एन० वर्मा, स्थानापन्न स्टोर होल्डर—पहली जनवरी, 1980।

(2) श्री पी० एस० वेण्टोप्रवर्तन्, फोरमैन—28 जनवरी, 1980।

सं० 24/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अफसर को स्थानापन्न अपर महानिवेशक, आईनैन्स फैक्टरिंग/सवस्य उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

श्री एम० पी० वैद्य, स्थानापन्न जी० एम० (सेलेक्शन प्रेष्ठ)
स्टर-1—31 मार्च, 1980

दिनांक 19 मई 1980

सं० 27/80/जी०—राष्ट्रपति, श्री रामस्वामी रमेश को सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) के पद पर दिनांक 29-11-79 से नियुक्त करते हैं।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिवेशक, आईनैन्स फैक्टरिंग

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1980

आयात एवं नियर्ति व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 1/2/80-प्रशा० (राज०)/3155—राष्ट्रपति, श्री
एम० एस० हल्दर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग

अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी और नियंत्रक, आयात-नियंत्रित को मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय, नई दिल्ली में 18-2-1980 (दोपहर पूर्व) से तीन माह की अधिक के लिए, उसी सेवा के वर्ग "1" में और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग "1" में और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के रूप में श्री एम० एम० हल्दर की उपर्युक्त नियुक्ति श्री एस० एस० शर्मा एवं अन्य बनाम भारत सघ द्वारा उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत की गई 1979 की रिट याचिका न० 626-630 के अतिम निर्णय के अधीन है।

सौ० वेकटरामन,
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनाक 20 मई 1980

सं० ए०-३२०१३/१/८०-व्यवस्था II—राष्ट्रपति श्री डॉ० बालासुब्रामनियन, उप निदेशक (बुनाई) को ३ अप्रैल, ८० से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, वाराणसी में निदेशक (बुनाई) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

डॉ० एन० पी० शेपाद्री,
मपुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

श्रीदैगिक विकास विभाग

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनाक 7 भर्त 1980

सं० जूट (ए)/१४७/६५—पटसन आयुक्त एतद्वारा श्री के० के० बनर्जी, प्रशासनिक अधिकारी, ग्रुप "बी" को इस कार्यालय में ५-५-८० (पूर्वाह्न) से ४-११-८० (अपराह्न) अथवा स्थायी तौर पर रिक्त पद की पूर्ति जो भी पहले हो तक कार्यकारी अधिकारी, ग्रुप "ए" तदर्थ स्थानापन्न हैसियत में ह० ७००-४०-९००-८० रो०-४०-११००-५०-१३००/- की वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

दिनाक, 9 भर्त 1980

स० जूट (ए)/१४७/६५—पटसन आयुक्त एतद्वारा श्री जी० बी० दास, स्थायी अधीक्षक को श्री के० के० बनर्जी के कार्यकारी अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के फल-स्वरूप दिनांक ५ मई, 1980 (पूर्वाह्न) से पुनः आदेश न होने तक इस कार्यालय में तबर्थ स्थानापन्न हैसियत में प्रशासनिक अधिकारी, ग्रुप "बी" राजपत्रित के तौर पर ह०

६५०-३०-७४०-३५-८८० द० रो०-४०-९६०/- की वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

आर० एन० चक्रवर्ती
पटसन उपायुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनाक 13 मई 1980

सं० प्र० १/१ (११५६) ८०—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, बम्बई में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री टी० वी० पोते की अधीक्षक (स्तर II) के पद पर अवनति होने पर उन्होंने दिनांक १-५-८० के पूर्वाह्न से अपना पदभार छोड़ दिया।

दिनाक 26 मई 1980

सं० प्र०-१/२ (३६०) राष्ट्रपति—श्री आर० टी० पट्टाभिरामन जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में १३-६-७९ में तदर्थ आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे थे को दिनाक ३-४-८० से उसी निदेशालय नई दिल्ली में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड १ में) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री आर० वी० पट्टाभिरामन को पूर्ति निदेशक के रूप में नियमित पदोन्नति पर दिनांक ३-४-८० से २ वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रखा गया है।

सं० प्र०-१/१ (३६०)—राष्ट्रपति, श्री ओ० पी० श्रीवास्तव जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में १४-६-७९ से तदर्थ आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड १) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे थे को दिनांक ३-४-८० से उसी निदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड १ में) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री ओ० पी० श्रीवास्तव को पूर्ति निदेशक के रूप में नियमित पदोन्नति पर दिनांक ३-४-८० से २ वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रखा गया है।

सं० ए०-१५/२८ (६२६) ७७—राष्ट्रपति केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड १ के अधिकारी श्री आर० एन० सरकार की विशेष कार्याधिकारी (प्रशिक्षण) के रूप में प्रतिनियुक्ति की अवधि ३०-७-८० से ३०-१-८१ तक छः माह के लिए बढ़ाते हैं।

कृष्ण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)
कूटे महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1980

सं प्र० 6/247 (332)/74—राष्ट्रपति, जमशेदपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री बी० श्रीनिवासुल् को दिनांक 10-4-1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा युप ए, धातु शाखा के ग्रेड-III) के रूप में उसी कार्यालय में तदर्थं आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री श्रीनिवासुल् ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) का पदभार छोड़ दिया और 10-4-80 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण निदेशक (धातु), जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का पद भार संभाल लिया।

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)

दस्यात और खान मंत्रालय

(चान्त विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 20 मई 1980

सं 3636 एन०/ए०-32013(ए० आ०)-78-80/19ए—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अधीक्षकों को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति-तिथि
1.	श्री बी० के० चटर्जी	. . 26-3-1980 (पूर्वाह्न)
2.	श्री जे० के० शर्मा	. . 26-3-1980 (पूर्वाह्न)
3.	श्री आर० पलानीस्वामी	. . 27-3-1980 (पूर्वाह्न)

सं 3830 बी० ए०-32014 (1-सहायक भूवैज्ञानिक)/78-19 ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री डी० बी० शर्मा, जो अब नागालैण्ड सरकार में प्रतिनियुक्त पर हैं, को सहायक भूवैज्ञानिक पद के लिए प्रोफर्मी पदोन्नति उसी विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, आगामी आदेश होने तक, अगले निचले नियमों के अन्तर्गत स्वीकृत की जाती है।

दिनांक 23 मई 1980

सं 3947 बी०-19012 (1-आर० बी० जी० एन०)/79-19 ए०—इस कार्यालय की निम्नलिखित अधिसूचनाओं के आंशिक मंशोधन में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त सहायक भूवैज्ञानिकों का वेतन बजाए न्यूनतम वेतनमान पर रखने के जैसा अधिसूचनाओं में उल्लिखित विधा गया था, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में निर्धारित किया जायेगा :—

नाम	अधिसूचना सं०	दिनांक
1. श्री शंकर भट्टाचार्य	7616 बी०/2222 10/11-10-1978 (एस०बी०)/19 ए०	
2. श्री अवध नारायण मिह	7695/2222 (ए० एन० एम)/ 19 ए०	10/11-10-78
3. श्री प्रणय कुमार विश्वास	7590 बी०/2222 (पी० के० एस०)/ 19 ए०	10/11-10-78
4. श्री रथीन्द्र नाथ घोष	8470 बी०/2222 (आर० एन० जी०)/ 19 ए०	1-12-78
5. श्री आर० बेन्गोपालन नायर	8490 बी०/2222 (आर० बी० एन०)/19 ए०	1-12-78
6. श्री बी० बी० श्री- निवासन	8737 बी०/2222 (बी० बी० एम)/ 19 ए०	6-12-78
7. श्री मुहू० कमाल काजिम	8749 बी०/2222 (एम० के० के०)/ 19 ए०	6-12-78

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1980

सं ए० 19-2/75-प्रशासन-1—जवाहर लाल स्नात-कोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में जैव-भौतिक विज्ञान के सहायक प्रोफेसर का पद समाप्त हो जाने के फलस्वरूप श्री बी० कृष्णन ने 31 मार्च, 1978 अप्रैल को जैव भौतिक विज्ञान के सहायक प्रोफेसर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा उन्होंने उसी दिन तथा उसी संस्थान में भौतिक विज्ञान के लेक्चरर के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं ए० 12025/11/79—(आ० भा० वि० तथा ज० स्वा०
म०)/प्रशासन-1—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने श्री ए० के०

चक्रवर्ती को 17 अप्रैल, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अधिकारीय स्वास्थ्य विज्ञान तथा जन स्वास्थ्य संस्थान, कलात्ता में सहायक अनुसंधान अधिकारी (मनप्रिच्छिक्तमक) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 21 मई 1980

सं० ए० 32014/2/79-(न० आई० पी०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में जूनियर आकृपेशनल थैरापिस्ट श्री एस० के० कुलकर्णी को 17 अप्रैल, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में सीनियर आकृपेशनल थैरापिस्ट के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त किया है।

आमलाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन।

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1980

सं० ए० 19012/11/79-स्टार-I—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक को यह धोखित करते हुए खेद है कि सरकारी चिकित्सा सामग्री भंडार, बम्बई के सहायक डिपो मैनेजर श्री एस० जी० कुलकर्णी का 30 मार्च, 1980 को निधन हो गया है।

शिव दयाल
उप निदेशक प्रशासन।

कृषि मंत्रालय
कृषि और सहकारिता विभाग
विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1980

सं० 3-48/79-स्था० (1)—अधीक्षक (कोटि प्रथम) के पदों पर सर्वश्री एस० एल० धीर०, के० आर० विज और श्रो० पी० भसीन की तदर्थे नियुक्ति 1-5-80 से आगे 31-8-80 तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहुँचे हो, बनी रहीं।

बद्रीनाथ चड्हा
निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग
नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना
नरौरा, दिनांक 14 मई 1980

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1 (132)/80-एस०/5979—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके सामने दी गई तिथियों से अग्रिम आदेशों तक के लिए नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

क्रम नाम (श्री) सं०	वर्तमान पद	किस पद पर स्थायी/अवृत्तस्थायी है	चार्ज लेने की तिथि
1 एम० ए० रशीद	वै० स० "सी०"	अद्वृत्तस्थायी वै० स० "बी०"	1-2-80
2 भुपीन्द्र पिंह	नक्षानवीस "सी०"	नक्षानवीस "ए०"	1-2-80
3 जे० एम० दत्ता	फोरमैन	अद्वृत्तस्थायी सहा० फोरमैन	1-2-80
4 बी० एच० नरुला	वै० स० "सी०"	—	1-2-80
5 के० पी० अग्रवाल	वै० स० "सी०"	—	1-2-80

प्रकाश्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना

देहरादून, दिनांक 21 मई 1980

सं० 6-177/75-प्र० नि० प्र० के०—श्री अनन्त राम ढाकालिया, एम० पी० एफ० एस०-पू, जो कि प्रकाश्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र में प्रकाश्ठ निष्कासन अनुदेशक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर थे, की सेवाएँ दिनांक 1-5-80 की पूर्वाह्न से हिमाचल प्रदेश मरकार को पुनः सौंप दी गई।

हरि कान्,
मुख्य कार्यपालक अधिकारी।

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 मई 1980

सं० ए० 19025/41/79-प्र० तू०—खाद्य विभाग में कनिष्ठ निरीक्षण अधिकारी (फल तथा मट्ठी परिवर्कण) के पद में नियुक्त होने पर श्री बिश्मभर दयाल बजाज, सहायक विषयन अधिकारी ने इस निवेशालय के आधीन नई दिल्ली में दिनांक 1 मई 1980 से अपने पद का कार्यभार सौंपा।

सं० ए० 19025/21/80 प्र० तू०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्कृतियों के आधार पर श्री कुंवर पाल सिंह को उस निवेशालय के आधीन अहमदाबाद में दिनांक 9 मई 1980 (प्रपराह) से अगले आदेशों तक सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

दिनांक, 26 मई 1980

कं० ए० 19025/32/79 प्र० तू०—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्कृतियों के अनुसार, श्री के० सम्पत्त कुमार को इस निवेशालय के आधीन गन्टूर में दिनांक 12-5-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार
प्रशासन मिनिशन

दिनांक, 17 मई 1980

सं० न० प० वि० प०/प्रशास०/1 (92)/80 एस०/6085—
श्री एस० कृष्णन, स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी तथा
इम परियोजना मे राजनापन प्रशासन अधिकारी-II
स्थानान्तरण तारापुर परमाणु विद्युत स्टेशन को हो जाने
पर, उन्होंने दिनांक 3 मई 1980 के अपराह्न में उपरोक्त
प्रशासन अधिकारी-II के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

ए० ई० भाटिया
प्रशासन अधिकारी।

नाभिकीय इंधन समिक्षा

हैदराबाद-500762, दिनांक 19 मई 1980

सं० नाईस/पी० ए० आर०/0705/2636—नाभिकीय
इंधन समिक्षा के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाधिकारी
श्री वी० वेंकटेश्वर राव को नाभिकीय इंधन समिक्षा मे
दिनांक 9/5/1980 से दिनांक 16-6-1980 पर्यन्त स्था-
नापन लेखाधिकारी II के पद पर तदर्थ आधार पर एक
अवकाश जन्य रिक्त स्थान पर नियुक्त किया है।

सं० नाईस/पी० ए० आर०/0705/2637—नाभिकीय इंधन
समिक्षा के मुख्य कार्यपालक ने लेखासहायक श्री सी० आर०
प्रभाकरण को नाभिकीय इंधन समिक्षा मे दिनांक 2-5-
1980 से 16-6-1980 पर्यन्त स्थानापन सहायक लेखा-
धिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर एक अवकाश जन्य
रिक्त स्थान पर नियुक्त किया है।

यू० बासुवेंद्र राव
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी।

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 27 मई 1980

सं० प ख प्र० 8 (6)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के
परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज
प्रभाग के हिन्दी अनुवादक श्री सोमनाथ सच्चदेव को उसी प्रभाग मे
श्री मुकुंद सिंह, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हे छुट्टी
प्रदान की गई है, के स्थान पर 12-5-1980 के पूर्वाल्प
से लेकर 13-6-1980 तक पूर्णतया अस्थायी तौर पर सहायक
लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी।

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कनपाटकम, दिनांक 16 मई 1980

सं० ए० 32023/1/77/प्रार०/6156—रिएक्टर अनुसंधान
केन्द्र के परियोजना निदेशक ने भाभा परमाणु अनुसंधान
केन्द्र के स्थायी आशुलिपिक और इस केन्द्र के स्थानापन
लिपिक ग्रेड III श्री मुकुंदा कृष्णमूर्ति को एतद्वारा
12-5-80 से 13-6-80 तक की अवधि के लिए तदर्थ
आधार पर स्थानापन रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी
2-106 GI/80

नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री आर० नारायण, सहायक
प्रशासन अधिकारी के स्थान पर की गई है, जो छुट्टी पर
गए है।

ए० प्र० पद्मताभन,
प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग
गार केन्द्र

श्रीहरिकोटा-524124 दिनांक 9 मई, 1980

श्रीहरिकोटा सामान्य सुविधाएं/कार्मिक और सामान्य प्रशासन/
स्थापना / 1.72—अंतरिक्ष विभाग द्वारा जारी की गई
कार्यालय ज्ञापन संख्या 2/2(19)/77-1, तारीख 13 दिसम्बर,
1979 के अनुसार और गार केन्द्र के निम्नांकित सहायक
प्रशासन अधिकारियों के पंसद के जरिए उनके वेतनमात्र
1 अप्रैल, 1980 से ₹ 550-25-750.द०-रो०-30-900 के
बदले ₹ 650-740-35-880-द० रो०-40-960/- में रखा
जाता है।

(1) श्री एन० सुन्दरराजन, सहायक प्रशासन अधिकारी।

(2) श्री दी० सी० कुरियन, सहायक प्रशासन अधिकारी।

रा० गोपालरत्नम
प्रधान, कार्मिक और सामान्य
प्रशासन प्रभाग।

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र
तिरुवनंतपुरम-695 022, दिनांक 15 मई, 1980

स्थापना अनुभाग

मं० वी० एस० एस० सी०/स्थापना/एफ०/1(17)—विक्रम,
वी० एस० एस० सी०, अंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई
अंतरिक्ष केन्द्र मे श्री ओ० एस० नारायण कुरुप को सहायक
प्रशासन अधिकारी के पद पर ₹ 650-30-740-35-880-
द० रो०-40-960 के ग्रेड मे 19 अप्रैल 1980 पूर्वाल्प से
स्थानापन रूप मे आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

पी० ए० कुरियन,
प्रशासन अधिकारी-II स्थापना।
कृते नियंत्रक, वी० एस० एस० सी०

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1980

सं० ए० 35018/4/79-ई०-I—प्रतिनियुक्ति की अवधि
समाप्त होने पर श्री पी० आर० लरोह्या को अपने मूल
कार्यालय मे परावर्तित किए जाने पर, उन्होंने दिनांक 1 मई,
1980 (पूर्वाल्प) को नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली के
कार्यालय मे लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया
है।

चितरंजन कुमार वत्स
सहायक निदेशक प्रशासन।

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1980

सं. ए०-32014/2/80-ई० सी०—महानिवेशक नामार विभाग ने निम्नलिखित सचार सहायकों को प्रत्येक के नाम

के सामने दी गई तारीख से सहायक सचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है।—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वथी				
1.	पी० जे० वर्मा	वै० सं० स्टेशन, हैदराबाद	वै० सं० स्टेशन, हैदराबाद	28-4-80 (पूर्वाह्न)
2.	टी० एम० जी० मैनन	—वही—	—वही—	28-4-80,,
3.	सी० माधवन	वै० सं० स्टेशन, राजकोट	वै० सं० स्टेशन, अहमदाबाद	26-4-80,,
4.	एम० डी० कतीरा	वै० सं० स्टेशन बम्बई	वै० सं० स्टेशन, अहमदाबाद	29-4-80,,
5.	टी० एन० राय शीधरी	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	10-4-80,,
6.	एन० एन० डे० सरकार	—वही—	—वही—	11-4-80,,
7.	एम० वारियर	—वही—	—वही—	11-4-80,,
8.	एच० पी० सन्दी	—वही—	—वही—	11-4-80,,
9.	एस० एन० सैन	—वही—	—वही—	14-4-80,,
10.	ए० के० बैनर्जी	वै० सं० स्टेशन, गोहाटी	वै० सं० स्टेशन, गोहाटी	27-4-80,,

दिनांक 24 मई, 1980

सं. 31011/1/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 1-4-80 की अधिसूचना संख्या ए० 31011/1/77-ई० सी० की क्रम संख्या 2 और 16 को प्रतिस्थापित करते हुए निम्न प्रकार से पढ़ा जाए :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1	2	3
2.	श्री वी० के० खंडेलवाल	नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, कलकत्ता एयरपोर्ट दमदाम कल- कत्ता।

16. श्री ए० जगदीशन . नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण,
हैदराबाद।

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
1	2	3		
9.	श्री ई० कृष्णामूर्ति	वै० संचार स्टेशन, बम्बई	वै० संचार स्टेशन बम्बई	19-4-80 (पूर्वाह्न)

सं. ए० 32014/3/79-ई० सी० (पार्ट III)—महानिवेशक नामार विभाग ने निम्नलिखित दो लकड़ीकी सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से, सहायक लकड़ीकी

अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। और उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है।—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
1	2	3		
1.	श्री एस० के० गुहा	वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता	वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता	16-4-80 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एस० आर० डी० बर्मन	वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता	वै० संचार स्टेशन कलकत्ता	17-4-80 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32014/2/80-ई० सी०—महानिदेशक नामर विमानन ने निम्नलिखित दो संचार सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड

में तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

क्रम सं०	नाम	बर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री एस० बी० चोपकर	वै० संचार स्टेशन, भोपाल	वै० संचार स्टेशन, ग्रहमदाबाद	30-4-80 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एस० डी० सिलवा	वै० संचार स्टेशन, बंगलौर	वै० संचार स्टेशन, हैदराबाद	6-5-80 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 38013/1/80-ई० सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो अधिकारियों ने निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-4-80 (अपराह्न) से, अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

रोध पर 5 मार्च, 1980 के अपराह्न को विदेश संचार सेवा से मुक्त कर दिया गया।

पा० कि० गोविन्द नायर,
निदेशक (प्रशासन)
कूने महानिदेशक

क्रम सं०	नाम व पदनाम	स्टेशन
1.	श्री ग्रार० के० सच्चदेव, सहायक तकनीकी अधि- कारी।	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली।
2.	श्री श्रो० पी० तिवारी सहायक तकनीकी अधि- कारी।	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।

(इस विभाग की दिनांक 13-5-80 की अधिसूचना सं० ए० 38013/1/80-ई० सी० रद्द की जाती है।)

आर एन० दास
सहायक निदेशक, प्रशासन।

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक मई, 1980

सं० 2/455/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा देहरादून के तकनीकी सहायक, श्री एस० डी० गर्ग को अल्पकालिक खाली जगह पर 8-5-78 से 1-7-78 तक की अवधि के लिए एकदम तदर्थं आधार पर उसी शाखा में स्थानापन रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 21 मई, 1980

सं० 1/95/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री जे० जी० होनाकाम्बले को 15 फरवरी, 1980 अल्पकालिक के पूर्वाह्न से और श्रावामी आवेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में स्थानापन रूप से महायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

2. अपने मूल विभाग (बम्बई टेलीफोन्स) में लौट जाने पर श्री होनाकाम्बले को उनके स्वयं के लिखित अनु-

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 27 मई, 1980

सं० 16/203/71-स्थापना-I—श्री मनोहर लाल भेहरा, अनुसंधान अधिकारी के दिए गए तीन महीने के नोटिस की अवधि की समाप्ति पर, अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून ने उन्हें दिनांक 8-4-80 के अपराह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छिक निवृत्ति की अनुमति दे दी है।

रविन्द्र नाथ महान्ती,
कुन सचिव,
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय

इन्दौर, दिनांक 20 मई, 1980

म० 7/80—संघ लोक सेवा आयोग की [अनुशंसा पर उनके प० सं० एफ० 1/12/79/शार० जी० दिनांक 15-9-1979 तथा हमारे स्थापना आदेश सं० 3/80 [प० सं० II (31) 6-गोप/79 दिनांक 19-1-1980] के प्रनुसार श्री ए० श्रार० जोस ने दिनांक 21-4-1980 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुद्रायालय कार्यालय इन्दौर में अधीक्षक (यात्रिक अभियांत्रिकी) के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

एस० के० धर
समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

मीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क
नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1980

सं० 11/80—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित किए जाने पर, श्री धरम् गुरनानी को, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा

निवेशालय के (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रुप 'ख' (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने दिनांक 11-4-80 (पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 12/80—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित किए जाने पर, श्री अंजनी कुमार कौशल को, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, प्रुप 'ख' (विशेषज्ञ, कैमिकल इंजीनियरिंग) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने दिनांक 15-4-80 (पूर्वाह्न) से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 13/80—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित किए जाने पर, श्री सत्य प्रकाश पालीबाल को निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, प्रुप 'ख' (विशेषज्ञ, कैमिकल इंजीनियरिंग) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने दिनांक 22-4-1980 के (पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 14/80—श्री एच० के० रंगास्वामी ने, जो पहले सांख्यिकी एवं आसूचना निवेशालय (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) नई दिल्ली में कनिष्ठ विशेषज्ञ के पद पर कार्य कर रहे थे, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली के दिनांक 20-2-80 के आदेश सी० सं० 1041/41/79 द्वारा स्थानान्तरित होने पर निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के, हैदराबाद स्थित, केन्द्रीय प्रादेशिक यूनिट में दिनांक 1-5-1980 के (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) प्रुप 'ख' का कार्यभार संभाल लिया।

कृष्ण लाल रेखी,
निरीक्षण निवेशक

निर्माण महानिवेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1980

सं० 12/7/74-ई० सी०-१०(भाग-2)—राष्ट्रपति, सहर्ष के० लो० नि० वि० के निम्नलिखित अधिकारियों की वरिष्ठ वास्तु विदों के घेड़ में उनके नामोंके आगे लिखित तिथियों से तत्काल पुष्टिकरण करते हैं—

1. श्री ए० ए० घारे, 20-3-1976

- | | | |
|--------------------------|-----------|-----------|
| 2. श्री एम० के० झूषि | | 13-6-1976 |
| 3. श्री जोगिन्द्र बहादुर | | 1-11-1976 |

सं० 33/11/78-ई० सी०-१०—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री सतपाल को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रुपए 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में रुपए 700/- प्रतिमाह वेतन (तथा सामान्य भत्ते) पर सामान्य शर्तों पर 29-4-80 (पूर्वाह्न) में उपवास्तुविद् के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए) नियुक्त करते हैं। उनका वेतन शीघ्र ही नियमानुसार निर्धारित किया जाएगा।

2. श्री सत पाल 29-4-80 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षीया पर रखे जाते हैं।

के० ए० अनंथनारायणन्,
प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

मैसर्स प्रिटर्स कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1980

क० स० 5371—4739—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 27-4-1978 के आदेश से मैसर्स प्रिटर्स कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्ति होना, आदेशित हुआ है।

सु० पा० वशिष्ठ,
महायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और “ए० के० वी० चिट फंड एण्ड फैनान्स प्राइवेट लिमिटेड” के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० 85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा मूचना दी जानी है कि “ए० के० वी० चिट फंड एण्ड फैनान्स प्राइवेट लिमिटेड” का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
पांडिचेरी

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चन्तेरा
योलकठिरिक एण्ड मोनजिनरि कम्पनी प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 24 मई 1980

सं० 1097/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चन्तेरा योलकठिरिक एण्ड मोनजिनरि कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पानटवपूरा
चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।
बंगलौर, दिनांक 24 मई 1980

सं० 2815/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पानटवपूरा चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ईकान्न होटल
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
पटना, दिनांक 24 मई 1980

सं० (1210) 560/80-81/1862—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ईकान्न होटल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० के० चटर्जी,
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स आम्बेर
होटल्स एण्ड रेस्टोरेंट प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में

जयपुर, दिनांक 22 मई 1980

सं० सांख्यकी/1493—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स आम्बेर होटल्स एण्ड रेस्टोरेंट प्राइवेट लिमिटेड का

नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जी०सी० गुप्ता,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दी
पायोनियर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 26 मई 1980

सं० 994/यादव/2144—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत, एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि मैसर्स दी पायोनियर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, रायगढ़ का नाम इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक तीन माह के अन्दर यदि उसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कायरिय आयकर आयकृत

नई दिल्ली, दिनांक, 23 अप्रैल 1980

आयकर

फा० सं० जुरि-दिल्ली/1/80-81/3279—इस विषय पर पहले जारी किए गए सभी स्तरों का अधिकमण करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई विल्सन निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उसी अनुसूची के कालम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के बर्गों, आय या आय के बर्गों, मामलों या मामलों के बर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे। किन्तु इनमें उन व्यक्तियों के मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

यह अधिसूचना 1-5-80 से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम आयकर अधिकारी

अधिकार-क्षेत्र

सं० का पद नाम

1 2

3

- | | | |
|----|---|---|
| 1. | आयकर अधिकारी, सभी विश्वविद्यालयों तथा शिक्षा-प्राइवेट सेलरी संस्थाओं के सभी भारतीय कर्मचारी संकाल, दिल्ली | संस्थाओं के सभी भारतीय कर्मचारी किन्तु इनमें विल्सन नगर निगम और |
|----|---|---|

1	2	3	1	2	3
		के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाट मौंपे जाने वाले सभी मामले।			
9.	आयकर अधिकारी, प्राइवेट सेलरी सर्किल-8 नई दिल्ली	निम्नलिखित नियोक्ताओं के सभी भार- तीय कर्मचारी :— 1. दिल्ली नगर निगम 2. नई दिल्ली नगर पालिका 3. दिल्ली नगर निगम तथा नई दिल्ली नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे सभी स्कूल, अस्पताल तथा अन्य संस्थाएं। 4. दिल्ली विशुद्ध प्रदाय संस्थान 5. दिल्ली परिवहन निगम 6. एस्कार्ट्स लिमिटेड	सर्किल-10 नई दिल्ली	नई “जे” तथा “के” अक्षर से आरंभ होते हों, केरा भी भारतीय कर्मचारी। भारतीय स्टेट बैंक तथा इसके सहायक बैंक। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अंतर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले।	
10.	आयकर अधिकारी प्राइवेट सेलरी सर्किल-9 नई दिल्ली	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अंतर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले। दिल्ली में सभी नियोक्ताओं के सभी विवेशी कर्मचारी :— आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अंतर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले।	सर्किल-11 नई दिल्ली	गैर-सरकारी नियोक्ताओं, जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के “एन” तथा “ओ” अक्षर से आरंभ होते हों, के सभी भारतीय कर्मचारी निम्नलिखित के सभी भारतीय कर्म- चारी :— 1. इंजिनियर्स इण्डिया लिमिटेड 2. भारतीय खाद्य निगम 3. दिल्ली विकास प्राधिकरण	गैर-सरकारी नियोक्ताओं, जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के “एन” तथा “ओ” अक्षर से आरंभ होते हों, के सभी भारतीय कर्मचारी बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले।
11.	आयकर अधिकारी प्राइवेट सेलरी	आयकर अधिकारी नियोक्ताओं, जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के “एच” “आई”			एम० उन्न्य० ए० खान, आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं. आई.ए. सी.०/एस्यू.३/गम० आर०-II/
9-79/2839—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जे०-5/101 वी है तथा जो राजौरी गाड़न
नई दिल्ली में स्थित है (अर्ति इसमें उपायद अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरारी अधिनारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वांकित संवत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संवत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय याता गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्त:—

1. श्रीमति गुनावती विधवा दीना नाथ खुरु निवासी
जे०-5/101-वी राजौरी गाड़न नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्रीमति जनक रामी सुर धर्म पति श्री प्रेम नाथ
मुरी और श्री अश्वनी सुरी पुत्र श्री प्रेम नाथ सुरी निवासी 16/
103 गली नं. 4 जोधपुर रोड करोल बाग नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, एवं भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताक्षरी के
पास लिखित में विद्या जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनभूतो

मकान नं. जे-5/101-वी, राजौरी गाड़न नई दिल्ली
में स्थित है जिसका थेक्सफल 160 वर्ग गज है।

आर०बी०एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II नई दिल्ली
दिनांक 26 मई, 1980
मोहर:

प्राप्त आई० टी० ए८० एस०—
ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर प्रापुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/
9-79/2826—ग्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 41 बीघा, 6 विस्वा है तथा जो ग्राम
हमीदपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बदले में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) एसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिनाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपग्राम
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—
3—106 GI/80

1. श्री श्याम दास पुत्र श्री धीरुराम निवासी-8808
मिठिपुरा दिल्ली और जनरल अटरीनी श्री प्रसोद दास
पुत्र श्री हीरा नन्द
(अन्तरक)
2. श्री दया नन्द (2) घर्मपाल (3) श्री कृष्ण, पुत्र
श्री सुवेंसिह निवासी डल्लू० जैड-37 नांगलोह जलाष, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामकर :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिकत द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्यात्र 20-क में परिभाषित हैं, वही
मर्य होता, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 41 बीघा 8
विस्वा जो कि खंभरा नं 9/15, 9/16, 9/20, 9/21,
9/22 गांव हमीदपुर दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्रधिकारी
सहायक ग्रामकर प्रापुक्त (निकारीण)
अर्जन रेंज II दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 26-5-80

मोहर :

प्रस्तुप स्थाई० टी० एन० एस०-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ष(1) के पश्चीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/
9-79/2831—अत मुझे आर बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ष
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि यह स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपये से अधिक है

और जिसकी सख्ता 37 बीघा, 6 विश्वा कृषि योग्य भूमि
हमीदपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायकर अनु-
सूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1808 (1908
का 16) के अधीन सितम्बर 1979
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों)
और अनुरिती (अनुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तापाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उससे अधिनियम, बा-
धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ष के अनुसरण
में, भौमि अधिनियम की घारा 269-ष की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अवताः:—

1 श्री यशस दास, पुत्र श्री धौलू राम निवासी-8808,
मिथिपुरा दिल्ली और जनरल अटारनी श्री प्रोमोत्स दास पुत्र
श्री हीरा नन्द।
(अन्तरक)

2 श्रीमति भगवानी देवी विधवा श्री मुवीमिह निवासी
उम्मू-जैड-37 नागलोड जलावा, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अवैत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रथमाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रथमाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 37 बीघा
6 विश्वा जो कि खमरा नं. 29/11, 39/20, 29/21,
गाव हमीदपुरा दिल्ली में स्थित।

आर बी० एल० अग्रवाल
सभी प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

तारीख: 26-5-1980

मोहर:

प्रह्लप खाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-I/
9-79/5751—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5215, 6216, 5267 और 5240 प्लाट
नं० 12 ब्लाक एन बार्ड नं० XII कमला नगर दिल्ली, में
स्थित है (और इसमें उत्तरांचल अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन सित-
म्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पश्चात प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर प्रबिनियम, 1957 (1957 का 37) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रबिनियम की आरा 269-व की उपलब्धा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षित :—

1. श्री राम किशन दास, पुन लाला कांशी राम निवासी-
5216 कोल्हापुर रोड कमला नगर दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री सुमती प्रकाश जैन पुन श्री पौरी लाल जैन
निवासी 89 जैन कालोनी छीर नगर) जी टी० रोड दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के
लिए कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोदृश्याकारी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्टि
है, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदादा नं० 5515, 6216, 5217 और 5240
प्लाट नं० 12, ब्लाक एन बार्ड नं० XII कमला नगर दिल्ली
में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 216 वर्ग गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

तारीख : 26 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एम० आर०-I/
9-79/5810—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
कीर जिसकी सं० मकान नं० डब्ल्यू० जैड 3 है तथा जो
असौका पार्क एकमेंशन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपरबढ़ अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित थिया है) रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतः :—

1. श्री करतार चन्द शर्मा, पुत्र श्री हरनाम दास शर्मा
और श्रीमति दीपति कुमारी शर्मा, धर्म पति श्री करतार
चन्द शर्मा निवासी डब्ल्यू० जैड-3, अशोका पार्क एम्सटेशन नई
दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री आनन्दपुर द्रेस्ट, श्री अनन्दपुर तहसील अशोक
नगर जिला गौना मध्य प्रदेश ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी
अर्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० डब्ल्यू० जैड-3, अशोका पार्क स्टेशन, इलाके के
ग्राम बसई धारापुर दिल्ली में स्थित है ।

श्राव बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली ।

तारीख : 26 मई, 1980 ।

मोहर :

प्रधान प्राईंटी एन० एस०—————
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 26 मई, 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-१/९-७९/५७७६—ग्रतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्राईंटेशन' कहा गया है), की घारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जी/५० है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रभरण के लिए
तथा पात्र गत प्रतिफल तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(३) अन्तरण से तुम्हें किसी प्राय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(४) ऐसो किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनावर्त्त प्रत्यारिती घाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

1. श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री प्रेम मिहनिवासी, एच/31,
बाली नगर, नई दिल्ली।
(अन्तर्क)

2. श्रीमति गुरमीत गुलाटी धर्म पत्नी श्री एन० एस०
गुलाटी निवासी-8/30, वेस्ट पेटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप:—

(४) इन सूचना के राजाव में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामीन के 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(५) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोद्दृस्नाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अवधियम ने प्रद्याय 20-व में परिभाषित
है, उन्होंने दी गयी हैं, जो उन प्रद्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका प्लाट नं० जी/५०, क्षेत्रफल
200 वर्ग गज बाली नगर इलाके के भिलेज बस्ट धारापुर
दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है।

श्रार० बी० एल० अग्रवाल,
मध्यम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

तारीख 26 मई, 1980।

गोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एम० आर०-1/
9-79/5799—ग्रातः मुझे आर० बी० ए८० अग्रवाल
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मंदिरा ए-2/80 है, तथा जो राजौरी गाँड़न,
नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन मितम्बर 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की भावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के [लिए;
ग्राम्य

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्राम्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

ग्रातः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लाजवती देवी, विधवा श्री भगतराम बम्बा
ए-2/80 राजौरी गाँड़न, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री इन्द्रजीत ओवराई और सरीता ओवराई 17/1
एवं 17/2 मुम्बाषनगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी
प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकाना नं० ए०-2/80 राजौरी गाँड़न नई दिल्ली
में स्थित है।

आर० बी० ए८० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

तारीख 26-5-1980।
मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/ए० आर०-II/
9-79/2818—प्रतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
दुकान जो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी संख्या डबल्यू० जड-214 (एफ-71) है
तथा जो शिव नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़
अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मितम्बर 1979

को पूर्णोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिये प्रमाणित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (प्रमाणितों)
(प्रमाणितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमाणण लिखित में
वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के शायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

अनुसूची

मकान नं० डबल्यू० जड-214 (एफ 71) शिव नगर
नई दिल्ली ।

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को
जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाब्द अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, लिपाने में सुविधा के लिए;

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्रधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

प्रतः शब्द, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत् ।—

1, वेद दत विद्युता, श्री प्रसाद भगत दत निवासी
21, अमर शालोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)
2, प्रमवीर कोर मच्छेवा धर्म पत्नीश्री उपदीशसिंह सच्चदेवा
जे-II 124, रजोरी गाँड़न, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोत्तम सम्पत्ति के प्रज्ञन के मिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 10 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोत्तम व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितवद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्राप्तिहस्ताकरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

दिनांक : 26-5-1980

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० ए० ए० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/ए० आर०-।/
9-79/5758—प्रतः मुझे आर० बी० ए८० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात 'उत्ति अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या XII/8068 है तथा जो मोहल्ला खरी-
यान रोशनआरा रोड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीर्ड अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रथाः—

1 श्री प्रम० आर० कोहली XII/8068 मोहल्ला खरी-
यान रोशन आरा रोड, दिल्ली । (अन्तरक)

2 श्रीमति निशन कुमार एंड श्रीमति लीलावती डी-
13 सी०मी० कालीनी, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रन्ध में कोई भी ग्राहणः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी द्वारा, अव्योहस्ताशरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाहीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक समान नं० XII/8068 मोहल्ला खरीयान रोशन आरा
रोड दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० ए८० अग्रवाल
संकाम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 26-5-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/प्र० आर०-II/
9—79/2824—अत मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संलग्न 3 बीघा है तथा जो खसरा नं० 83/10
गांव पालम नई दिल्ली 45 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख भित्तिर
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(a) अन्तरण ने ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ढारा प्रहट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

4—106 GI/80

1, बिमल वायला नमंपत्ती श्री एन डॉ बाबला
त कु जे-33 माउथ एक्सटेंगन पार्ट नं० 1 नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री एच० मरकार पुत्र श्री विपन बिहारी सरकार
(2) श्री मन्दीप दत्ता श्री बी० के० दत्ता (3) श्री ए० के०
चक्रवर्ती पुत्र श्री अनुकूल चंद्रा चक्रवर्ती (4) श्रीमति
चंद्रांगोल्वामी पति श्रीपी० के० गोम्बामी (5) श्रीमति सनता
राय पति श्री रोबिन चंद्रा राय (5) श्री मनिका विश्वास
पति श्री एम० के० विश्वास (7) श्री मलीय मार सरकार
पुत्र श्री एच० मरकार (7) श्रीमति प्रतीका० मंडन पति श्री एम०
गी० मंडन (9) श्री प्रशांश मंजी और (10) श्री निरमलाया
मंजी दो पुत्र तथा जी (11) श्री नरेंद्र चंद्रा लकुरता स्वर्गीय श्री
प्रलग चंद्रा ठाकुररा (12) श्रीमति परीतमा मंजी धर्मपति श्री
एच० मो० मंजी निवामी सैकटर 4/597, आर० के० पुरम नई
दिल्ली। (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्यों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि योग्य भूमि जिसका क्षत्रफल 3 बीघा खसरा नं०
83/10 गांव पालम, नई दिल्ली में स्थित है।

तारीख 26-5-1980।

मोहर :

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II नई दिल्ली

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 80-81/
1552—अतः, मुझे, विजय भाषुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो बालाघाट
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बालाघाट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 28-9-1979.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए।

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की
झपड़ारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गोवर्धन दास पुत्र श्री छगन मल चितरका
(अग्रवाल) निवासी वार्ड नं० 19, बाला घाट। (अन्तरक)

2. श्री हरी राम पुत्र श्री गेही मल बाधवानी, निवासी
वार्ड नं० 7, बालाघाट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तक्समन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंध बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट पर स्थित मकान का भाग, खसरा नं० 351/10-बी
का भाग, वार्ड नं० 19 स्टेशन रोड, बालाघाट।

विजय भाषुर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 7-5-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं प्राई० ऐ० [सी०/एक्सी०/भोपाल-80-81/

1553—ग्रन्तःमुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं मकान (भाग) है तथा जो बालाघाट में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय बालाघाट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 27 सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
रान्तरित रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवितर्यों, अर्थात्:—

1. श्री गोवर्धन दास पुत्र श्री छग्नलाल चिरलक
(ग्रन्तरक) निवासी बांड नं० 19, बालाघाट (अन्तरक)
2. श्री कल्हेया लाल पुत्र श्री गेहीमल वाधवानी निवासी
बांड नं० 7, बालाघाट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त अन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्यदी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृश्यकारी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षर हरण:——इसमें प्रयुक्त ग्रन्तों और पश्चें नां, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रत्येक होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट पर स्थित मकान का भाग द्वितीय नं० 351/10
बी का भाग बांड दं 19, स्टेशन रोड, बालाघाट।

विजय माथुर
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 7-5-1980
मोहर :

प्रकृष्ट पाई• टी• एवं• एस•----

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-प (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीकण)

अर्जन रेज, भोपल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्वी०/सोपाल ८०-८१/१५५४—
अतः, मुझे विजय माथुर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-वां के अधीन सकाम प्राधिकारी को पह विवाह करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खुली भूमि है, तथा जो भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
12-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, देखे दृश्यमान प्रतिकल का परम्परागत अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण भिन्नित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रश्नरूप से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रश्नरूप के विवर में कभी करने या उससे वचन में सुविधा के लिए; प्रोट/या

(अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के ग्रन्तसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोगन्दर सिंह व श्री किलोचन सिंह चावला ,
द्वारा मैसर्स पापूलर इंडस्ट्रीज, छोला रोड, भोपाल। (अन्तरक)
 2. (1) श्री ग्रोम प्रकाश सिंहल (2) श्री गोपाल कुण्डल
अग्रवाल (3) श्री राकेश कुमार सिंह सभी पुत्र श्री सांवल
दास जी सिंहल (4) श्रीमति रमभा देवी पत्नी स्व० श्री
सांवल दास जी हिंह सभी निवासी 59, लखेरा पुरा, भोपाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोंपर सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्बंडवाहिनी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरेषी अवधियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः अविस्तयों वें से किसी अविस्तय द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संरक्षि में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताकारी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रश्नाविधि के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

३८५

भूमि क्षेत्रफल 23,436 वर्गफुट स्थित चिकलोद रोड,
जिन्सी, जहांगीराबाद, भोपाल ।

विजय माथुर सम्बन्ध प्राधिकारी

तारीख : 7-5-1980

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंटी फॉर्म एस०————

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्वी०/भोपाल 80—81/
1555—अतः; मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित
है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 12-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पाछहूँ प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों)
और प्रस्तुति (प्रस्तुतियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के निए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष
तिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
विविध में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उसमें में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्यक्षरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की वजहां (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती राम किशोरी टंडन पति स्व० श्री गौरी-
शंकर टंडन पड़ाव, लक्ष्मण पुरा ग्वालियर वर्तमान निवासी
24/6 तिलसी कोठी, माल रोड, कानपुर (2) सुशीला देवी
महरोद्धा पति श्री जगत नारायण जी महरोद्धा, निवासी
107/234, नेहरू नगर, कानपुर। (प्रत्यक्ष)

2. श्री लक्ष्मण दास अग्रवाल पुत्र श्री फूलचन्द्र अग्रवाल,
निवासी शिरौली साहब का बाड़ा, जयन्द्र गंज, लक्ष्मण, ग्वालियर।
(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना आरो इके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवेश के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के मध्यमें कोई भी आक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजांश में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अप्रित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
हिसी प्रत्यक्ष द्वारा, अंत्रोदाताशीरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही
पर्याय होता है जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 16/816 पड़ाव लक्ष्मणपुरा, ग्वालियर।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II भोपाल

तारीख : 7-5-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्वी०/भोपाल 80—81/

1556—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरित से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
ग्रीष्मा

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी छन या अन्य प्रासितया को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यविधियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री प्रकाश चन्द (2) श्री विमल चन्द्र व (3) श्री सुभाष चन्द्र सभी निवासी, देवास रोड, उज्जैन (अन्तरक)

2. श्री गोरद्धन दास व श्री कमलकिशोर द्वारा मेसर्स अजवासी एंड को० देवास गढ, उज्जैन (अन्तरती) ;

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यशाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताकरी के पास लिखित ने किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही ग्रंथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 79/1, पूनिवर्सिटी रोड, उज्जैन।

विजय माथुर
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज भोपाल,

तारीख 7-5-1980।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

प्रावक्तव्य प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रावक्तव्य (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81/1557—

अतः, मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन नकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-9-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रमाण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) केवी हिसी ग्राह या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के प्रनुसारण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रमाणित :—

1 श्रीमती जसवंत कौर, पत्नि श्री जसवंत सिंह
निवासी नमक मण्डी, उज्जैन।

(प्रत्नरक)

2 (1) श्री मोह० हुसैन पुत्र श्री कीका भाई

(2) इनायत हुसैन

(3) मोहासेन अली

(4) जकीउद्दीन

(5) सफदर हुसैन

सभी पुत्र श्री मोह० हुसैन भाई

निवासी खारा कुंआ, बहादुर पुरा, बाखल,
उज्जैन।

(प्रत्नरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अधिकारी की नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संवत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य अधिकत द्वारा अनुहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्होंने प्रयुक्त ग्राहीं और पत्रों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अवं द्वेष जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/173 का भाग स्थित इन्दीर देवास दूध तलाई, स्टेशन रोड, उज्जैन।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 7 मई, 1980

मोहर:

प्रैरूप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81/1558—
अतः, मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-9-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

1. श्रीमती जसवंत कौर पत्नि श्री जसवंत सिंह निवासी नमक मण्डी, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्री अली हुसैन पुत्र श्री हाजी हुसैन भाई निवासी मोहल्ला खारा कुंग्रा, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवैधताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/173, का भाग हंडीर, देवाम, दूध तलाई, स्टेशन रोड, उज्जैन।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7 मई, 1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 80-81/1559—
अतः, मुझे, विजय माथुर,

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो बुरहानपुर में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-11-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यद्यु विश्वास करने का कारण
है कि वृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृ विश्वास करने से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
भी ऐसे अव्यरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश से उक्त अव्यरण लिखित घे वास्तविक
रूप से कृपित नहीं किया गया है।—

(क) अव्यरण से दुई किसी आम की बाबत उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षमित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए, और/या

(ल) एसी किसी आम याकिसी ज्ञान या धर्य अस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
या या या किया जाना चाहिए था, लिखान
में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की द्रष्टव्यारा, (1)
के अधीन निम्नलिखित अविनयों अवैतु :—
5-106GI/80

सर्वं श्री :

1. (1) बाल कृष्ण राव शंकर राव
(2) प्रदीप कुमार बाल कृष्ण राव
(3) प्रकाश बाल कृष्ण राव
सभी निवासी मकान नं० 145, वार्ड नं० 6,
शाह बाजार, बुरहानपुर ।
(अन्तरक)

2. (1) खेम चन्द्र पुत्र श्री बुली चन्द्र भगत व
(2) श्री नरेन्द्र कुमार (प्रवयस्क) पुत्र श्री बुलीचन्द्र
निवासी मकान नं० 1, वार्ड नं० 4, प्रतापपुरा,
बुरहानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास
लिखित में किए जा सकते ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 145, वार्ड नं० 6, शाह बाजार, बुरहानपुर ।

विजय माथुर
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-5-1980

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई, 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/80-81/1560—
प्रतः, मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वां के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि इवाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्वीर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-10-79
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याथ गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं हिया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं हिया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवतः।—

सर्वेश्वी :

- 1 (1) श्याम लाल पुत्र जगलमल
- (2) हुकमचन्द्र पुत्र श्री कीमत मल
- (3) कीमत मल व
- (4) श्रीमती मैना बाहे पति श्री जगल मल
सभी निवासी 141/2, बैराठी कालोनी,
नं० 2, इन्वीर।

(अन्तरक)

- 2 श्री दिल नागराय, पुत्र श्री प्रीतम लाल
निवासी 3 ए, आदर्श नगर, इन्वीर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मानी अवित्यों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मकान नं० 3 ए, का भाग स्थित आदर्श नगर, इन्वीर।

अनुसूची

सतीश चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 13 मई, 1980

मोहर :

प्रकल्प आई०टी०एन०प८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारत
269-व (1) के पश्चीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/80-81/1561—
अत, मुझे, सतीश चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को
भारत 269-व के पश्चीम संकाय प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-11-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धत प्रतिकृत से अधिक है और प्रस्तरक
(प्रस्तरकों) और प्रस्तरिति (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वादत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के प्रमाणक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी घन या ऊप्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन्द-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ प्रस्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की भारत 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारत 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, मिम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्तः—

संबंधी :

1. (1) इयामलाल पुत्र श्री जगलमल
(2) कीमत मल पुत्र श्री हजारी मल
(3) दुकुम चन्द्र पुत्र श्री कीमत मल व
(4) श्रीमती मैना आई पत्नि श्री जगलमल
सभी निवासी 141/2, बैराठी कालोनी, नं० 2,
इन्दौर ।

(प्रत्यक्ष)

2. श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री प्रीतमलाल जी
निवासी 3-ए, आदर्श नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि,
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद किसी घम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3-ए, का भाग स्थित आदर्श नगर, इन्दौर।

सतीश चन्द्र
संकाय प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी० भोपाल/80-81/1562—
अतः मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सभी अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(श्रीरामदेव उपाख्यान सुनूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीड ग्राम्प्रकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
16-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे
दूर्घमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यक्ष (प्रत्यक्ष) श्रीरामरितो (प्रत्यक्षियों) के बीच
ऐसे प्रत्यक्ष नहीं दिया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके के वायिक्ष
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात्:—

सर्वश्री :

1. (1) श्याम लाल पुत्र श्री जगलमल
- (2) कीमत मल पुत्र श्री हजारी मल
- (3) हुकुम चन्द्र पुत्र श्री कीमत मल व
- (4) श्रीमती मैना बाई पति श्री जगल मल
सभी निवासी 141/2, बैराठी कालोनी, नं० 2
इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री सोमनाथ पुत्र श्री प्रीतमल जी,
निवासी 3-ए, आदर्श नगर, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तर्संबंधी अवक्षियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से
किसी अवक्षिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितबद्ध किसी
अन्य अवक्षिय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3-ए, का भाग स्थित आदर्श नगर, इन्दौर ।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 13 मई, 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 13 मई 1980 .

सर्वश्री :

1. (1) श्याम लाल पुत्र श्री जगल मल
- (2) कीमत मल पुत्र श्री हजारी मल
- (3) हुकम चन्द्र पुत्र श्री कीमत मल व
- (4) श्रीमती मैना बाई, पत्नि श्री जगल मल
ममी निवासी 141/2, बैराठी कालोनी, नं. 2,
इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री जय किशन पुत्र श्री प्रीतमला मल
निवासी 3ए, आदर्श नगर, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एकटोकरण :—इसमें ब्रियुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभ्रषित हैं, वही ग्रंथ होगा, जो उस प्राक्षाय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अमृसची

मकान नं. 3ए, का भाग स्थित आदर्श नगर, इन्दौर ।

सर्वीण चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13 मई 1980

मोहर :

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जात ।—

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 80-81/1564—
अतः, मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-
से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिमकी सं० मकान है, तथा जो सागर में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-11-1979
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तातः:—

1. (1) श्री शम्भू प्रसाद वा
(2) श्री विश्वनाथ दोनों पुत्र श्री परमानन्द पटेलिया
निवासी कटरा बाजार, सागर।

(अन्तरक)

2. श्री दुक्म चन्द्र पुत्र श्री मगनमल सिंधी
निवासी सिविल लाइन, सागर।

(अम्बरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्थानकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 83 का भाग स्थित मैन रोड, कटरा बाजार,
सागर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13 मई 1980
मोहर :

प्रकाप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 80-81/1565

—प्रतःमुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन प्रश्न प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संति जिम्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है।

और जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 18-10-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बावजूद उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन्दकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन के विम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

1. श्रीमती मान कुंवर बाई पत्नि श्री राम निवास जी भाया निवासी 2/5, एम० जी० रोड, इन्दौर।
(अन्तरक)
2. श्री श्रीचन्द्र पुत्र श्री नारायण दास निवासी 161, पालसी कट, कालोनी, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूतल की बुकान क्रमांक 1 म्युनिसिपल मकान नं० 2/5, एम० जी० रोड, (कोठारी बाजारके पास), इन्दौर।

सतीश चन्द्र
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 13 मई, 1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्वेण सं० आई० ए० सी०/अधी०भोपाल/80-81/
1566—अतःमुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग है, तथा जो जबलपुर में स्थित है)
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-10-79
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की दावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. डा० जयश्री चौबे, पुढ़ी श्री महेश चन्द्र चौबे,
निवासी गोल बाजार, जबल पुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुधा चौबे पत्नि श्री राजीव रहन चौबे
निवासी गोल बाजार, जबल पुर।

(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयित्वां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित भैं किए जा सकेंगे।

एव्वलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला बिल्डिंग कारपोरेशन नं० 287, 287/1 से
287/3 स्थित विकटोरिया रोड, साउथ सिविल लाइन्स,
जबल पुर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13 मई, 1980

मंदिर:

प्रकाश प्राईंटी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/80-८१/१५६७—यह:
मुझे सतीश चन्द्र

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-९-१९७९ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़ैद्दूर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय पा हिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिाते में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10661/80

संबंधी :

1. (1) महादेव पुत्र श्री बैजू लाल व
(2) श्री सत्यनारायण पुत्र श्री महादेव
निवासी 46, बाम्बे बाजार, महा

(अन्तरक)

2. (1) श्री बाबूलाल पुत्र श्री मुरलीधर
(2) श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री बाबू लाल
(3) श्री राधे श्याम पुत्र श्री बाबू लाल
सभी निवासी 62, मौलाना आजाद मार्ग,
(लोहार पथ), इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्टेटीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्राप्त्याप 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

शीन मंजिला मकान, विधिरिंग नं० 42, मौलाना आजाद मार्ग इन्दौर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
महायकर प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 13 मई 1980
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/80-८१/1568—यतः
मही सतीश चन्द्र

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन संवाद प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-९-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राम्यियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, प्रार्थतः—

1. मैमर्स विवेकानन्द गृह निर्माण सहकारी संस्थ मर्यादित । 3, नन्दन ब कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. प्रवीप कुमार, कृष्ण राव हवलदार,
द्वारा बैंक श्राफ इंडिया, गौतम पुरा बांध, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू किसी व्यक्ति द्वारा अधीक्षनाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पेस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथे होंगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान विवरिंग नं० 41, नन्दन बन, कालोनी, इन्दौर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 13 मई 1980
मोहरः

प्ररूप माई. टी. एन. पस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/८०-८१/१५७०—
अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-9-79

को पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आर्थ की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्सियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोग्नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. एयाम सुन्दर पुत्र श्री किशन लाल गोयल
निवासी 13, नार्थ हाथी पाला, इन्दौर।
(अन्तरक)

2 (1) श्रीमती नर्वदा बाई पत्नि श्री किशन लाल गोयल
(2) श्रीमती सावित्री बाई पत्नि श्री बनवारी लाल व
(3) श्रीमती कुमुलता, पत्नि श्री धन्ना लाल गोयल
सभी निवासी 49, जानकीनगर, कालोनी, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

खुला प्लाट नं० 36, स्थित स्नेहनगर, इन्दौर।

सतीश चन्द्र

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13 मई, 1980

मोहर:

प्रधान आई० ई० एन० एस०-----
 आयकर प्रबिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
 269-ए (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
 अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81-/1570—
 अतः मुझे, सतीश चन्द्र।

आयकर प्रबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ए के अधीन सकाम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी स० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपानुक्रम अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण भवित्वनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और भी यह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से ही किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्र आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भवित्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया थाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए की उपलापा (1) के अधीन, निम्ननिवित अवित्यों, अवाहि :—

1. श्री भगवान दाम पुत्र श्री गोकुल जी नागर निवासी बास्बे, आगरा रोड, पलासिया, इन्दौर। (अन्तरक)
2. श्री सुरेश कुमार व श्री नरेन्द्र कुमार दोनों पुत्र श्री किशन दास अग्रवाल, निवासी 3, हुकुम चन्द मार्ग, इन्दौर। (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारबाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेः ।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में जो किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अग्र अवित्त द्वारा, यद्योहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

टप्पीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अड्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा जो उम अड्याय में दिया गया है।

अनुसूची
 एक मंजिला दिन शीँड, मकान स्थित 19-20/2, भहिल्या पुरा, इन्दौर।

सतीश चन्द्र
 सक्षम प्राधिकार
 सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
 अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13 मई, 1980

मोहर :

प्रकाश शाई० टी० एम० एस०—
आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंत रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 14 मई, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्वी०/भीपाल- 80-81/

1571—अतः मझे सतीत चन्द्र

आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० गोदाम है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाहुद्ध अन्नसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्त अन्तरण के लिए वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पा नस्ते बचने में मुविधा के लिए; भीर/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी बात पा प्रम्य घासितियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, पा छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षितियों, अर्थात् :—

1 श्री भारती पब्लिकेशन्स निं० द्वारा डायरेक्टर श्री निर्बीलिश पुत्र श्री सुरेन्द्र नाथ शास्त्री 151/10 ईमली बाजार, पीरगली, इन्दौर। (अन्तरक)

2 श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री छोटेलाल पोखरेना निवासी 19, बड़ा सरफा, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत कार्यालयी छरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में जोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तस्वीरी अक्षितियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभासित है, वही पर्व होगा, जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला गोदाम नं० 151/11 किलत ईमली बाजार, पीरगली, इन्दौर।

तारीख: 14-5-1980

मोहर :

सतीत चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजंत रेंज, भोपाल

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ऐ० सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81/

1572—अतः मुझे, सतीश चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-प
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास छरने का कारण है
कि स्थावर संरक्षित विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अन्धूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीफर्टी अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख 13-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राह्य की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राह्य या किसी धन या वस्तु प्राप्तियों
को जिसमें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती
बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आयकर अधिनियम, की बारा 269-प के मनुसंरण
में, भौत अधिनियम की बारा 269-प की उपबारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवधियों, प्रवर्त्ति:—

1 डा० राम कृष्ण पुत्र श्री शंकर लाल शुक्ला निवासी
ग्राम पथराड खुदं तह० महेश्वर जिला झगान। (अन्तरक)

2 श्रीमती सुमित्रा कौर पत्नी श्री दशन सिंह सलूजा
निवासी ग्राम मानपुर तह० मह०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधि यों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रधिकारी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधित हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्राह्य अवधि द्वारा, प्रधीनताकारी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त मर्दों और पर्वों का, जो सक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमापित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 47, बिश्नूपुरी, कालोनी,
इन्दौर।

सतीश चन्द्र
सक्तम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
मर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-5-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंत रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई, 1980

निदेश सं० आई० ऐ० सी०/एक्वि०/भोपाल/80-81/
1573—अतः भझै, सतीश चट्टूद्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
26-9-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भझै यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती अमृत कोर परिम गुरुश्चन मिह निवासी 46/4,
नयापुरा, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती रुक्मनी वाई पत्नि श्री मदन लाल मिहल,
436, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 3 स्थित रामनाथ गली नम्बर 2, इन्दौर।

सतीश चट्टूद्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अजंत रेंज, भोपाल

तारीख: 14-5-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई, 1980

निदेश सं० आई० ऐ० सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81/

1574—अतः मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो मीरार, ग्वालियर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मितम्बर, 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिवर्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरति
(अन्तरिरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ये हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गुरुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भूमि, उव्वश अधिनियम की धारा 269-घ की उपायग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 वि रोमन कौथोलिक द्वारा डायरेक्टर आफ आर०
जी० ई० केनेट निवासी भगवान कालोनी, ठाटीपुर, मुरार।
(अन्तरक)

2 श्री सोवनं सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह निवासी ग्राम
भाई० जिला आगर (वर्तमान निवासी भगवान कालोनी,
ठाटीपुर, मुरार)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
विधी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

प्रज्ञाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान स्थित भगवान कालोनी, ठाटीपुर,
मोरार, ग्वालियर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-5-1980

मंदिर:

प्रसूप शाहौं दी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० शाहौं ऐ० सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81/

1575—प्रतः मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित
है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 15-9-1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गयी है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का
वन्देश प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैरू किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
आय किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

7-106GI/80

1 श्रीमती कपूरी देवी पत्नी स्व० श्री नारायण प्रसाद
सिंहल निवासी हीग की मण्डी, ग्रामरा। (अन्तरक)

2 श्री रमेश चन्द्र व श्री विश्वनू झुमार दोनों पुत्र श्री
जमुनादास रेनवाल, निवासी सरांका बाजार, लक्ष्मणपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

सम्बोधकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
रखा है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान स्थित 7, तानसेन रोड, (गोसपुरा),
ग्वालियर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत, (निरीक्षण)
अर्जन रज, भोपाल

तारीख : 14-5-1980

मोहर:

प्रकल्प आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वि०/ भोपाल/80-81/
1576—अतः मुझे, सतीश चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन नक्षम प्राप्ति द्वारा को पूर्व विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से
अधिक है।

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो लक्षकर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में घण्टित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-9-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के वृद्धमान
प्रतिफल के निए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का सचित बाजार
मूल्य, इन दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रहृ
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिती
(प्रत्यरितीयों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तथा पाया जाया प्रति-
क्षल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण निवित में बाहतविक
रूप से नवित नहीं किया जाया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आवश्यक वापत उक्त प्रति-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रतिनियम, या उक्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के
द्वारीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1 श्री शरद राव पुत्र श्री भास्कर राव मुख्यी राजा
मिवासी चावडी बाजार, लक्षकर। (प्रत्यरक)

2 श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री श्यामा लाल कुकरेजा,
पिढाडी देवडी, लक्षकर। (प्रत्यरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्यंत के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्यंत के मध्यवर्ती में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविष्ट बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
द्वारा किसी अन्य अवित्य द्वारा अवौद्धस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचारीकरण:—इसमें प्रमुखत लक्ष्य भी और पलों का, जो उक्त
प्रतिनियम के अध्याय 26-क में परिवर्तित
है, वही अर्थ होगा, जो उस सम्पत्ति में
दिया गया है।

अनुमोदी

दो मंजिले मकान का भाग स्थित 693/9, चावडी
बाजार, लक्षकर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-5-1980

मोहर।

प्रश्न आई० टीका एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, विनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एवि०/भोपाल/80-81/
1577—भतः सुन्न, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थाकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी स० मकान है, तथा जो लक्ष्य में स्थित है
(और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, खालियर में
रजिस्ट्रीरेण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रवीन तारीख 28-9-1979

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके अध्यमान प्रतिफल से ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिष्ठत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) ओर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरक से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का सिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवी
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
पया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के सिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

1 श्री शरद रव पुत्र श्री भास्कर राव मुन्हीराजा
1-निवासी चावडी बाजर लक्ष्यर। (अन्तर्द)

2 श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री श्याम लाल कुवरेजा
निवासी पिलाडी देवडी, लक्ष्यर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
विए कार्यवाहीहै करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मन्त्री

दो मंजिले मकान का भाग स्थित 639/6, चावडी
बाजार, लक्ष्य।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीखः 14-5-1980
मोहरः :

प्रस्तुत प्राईंटी १० एन० एड०---

मायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) से प्रश्नों में सुना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन्त रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० प्राईंटी १० सी०/एक्वी०/भोपाल/८०-८१/
१५७८—ग्रन्त, मुक्त, सतीश चन्द्र,
मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व
के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर प्रभाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी स० महान है, तथा जो खालियर में स्थित
है (और इसे उत्तर बद्द ग्रुप्पों में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर में
रजिस्ट्री.एण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-९-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित को गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है
कि व्यापारी अधिकारी के उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान
प्रतिफल में, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का अन्वेषण किया गया है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए नन्हे पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिंगित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उत्तरो बदने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों
को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव
प्रभातित द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण में,
मायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की आय 269-व
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवलियों अधारतः—

1. श्री शहद राव पुत्र श्री भास्कर राव मुम्ही राजा
मिशनों व दृष्टि इन्डिया, लखनऊ। (प्रत्यक्ष)

2. श्री प्रतीक दुर्गा पुत्र श्री राम लाल कुहरेजा
मिशनों विभागों दृष्टि इन्डिया, लखनऊ। (प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त उपति के घर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त उपति के प्रत्येक के उपनिषद में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना
की तभीन ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में
से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर प्रभाति में दृष्टिकोण किसी
अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20व में संरक्षित हैं, वही
प्रयोग होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसुन्धी

मकान न० ६९३/६ का भाग स्थित चौकी बाजार,
लखनऊ।

सतीश चन्द्र
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन्त रेज, भोपाल
तारीख : 14-५-1980
मोहर :

प्रकरण नं. ८० ई० एन० एस०--

ग्रामकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की बारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अजैन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश स० अ.ई० ई० सी०/एक्विड०/भोपाल/80-81/
1579—अतः, मुझे, सतीश चन्द्र,
ग्रामकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के
अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
प्रधिक है

और जिसकी स० प्लाट है, तथा जो लकड़ी में स्थित है
(और इसके उत्तरवर्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), राजस्तोर्ना प्रधिनियम के कार्यालय, ग्राम्यकर में
राजस्तोर्ना ग्राम्यकर ग्राम्यनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरक्त की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पवाह
प्राप्तशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तर्मात्रियों) के बीच एक अन्तरण के लिए, यह तथ्य पाया गया प्रति-
फल निर्भावित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमों
करने पा उससे बचन में सुविधा के लिए; ग्राम्या

(ब) ऐसी किसी ग्राम पा किसी जग वा ग्राम्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) पा उक्त आस्तियम, या धन-
कर आस्तियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाय प्रभावित होना प्रकट नहीं किया
गया वा पा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व के अनुदर्श में,
उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन निर्भावित अधिकारी अवात :—

1. श्रो वृ. राम निरुद्ध ह अफिस इवार्ज बसंत
विहार गृह निर्माण सहायी संस्था भवानित, ग्राम्यकर।
(अन्तरक)

2. श्रीनीवास देवी जैन

(अन्तरिक्षीय)

मौ यह सूचना आर्द्ध करके ग्राम्यकर प्रधिनियम के उचित
वार्तादियों करता है।

उक्त सम्बिति के प्रजैन के अनुदर्श में कोई भी विवेद :—

- (क) इन सूचनाओं के उत्तरावर में प्राप्त होने वाली है से 45
दिन की प्रतिष्ठा या तथ्यमत्वादी अधिकारी पर सूचना की
तामील में 30 दिन की प्रतिष्ठा या तो प्रतिष्ठा वाले में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी ने के
किसी अन्तर्गत द्वारा;
- (ब) इन सूचनाओं के उत्तरावर में प्राप्त होने वाली है से 45
दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्बिति में हिन्दू दु
किमी प्रथा अधिकत द्वारा, अजोहस्तान्त्री के पात
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधाय 20-व में परिवर्तित
है, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रधाय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 15 वी, स्थित सिंधिया कम्या विद्यालय,
लकड़ी।

ततीश चन्द्र
स्थानीय ग्रामिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-5-1980

मोहर:

प्रकल्प ग्राही० दी० ए० ए० ए०—

आधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रबंध रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/ट्रिवि०/बोक्स/४०-८१/
१५८०—अतः दूसे, सतीय चन्द्र,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन संक्षेप प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्भालि, जिन्होंने उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से प्रधिक है

और जिनको सं० प्लाट है, तथा जो लायकर में स्थित है
(और इसने उत्तरवाद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), इनस्ट्रीलॉर्टी प्रधिकारी के कार्यालय, खालियर में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्भालि के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुस्त यह विश्वास करने
का कारण है कि यथानुसूची सम्भालि का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का
प्रबहु प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रन्तरण
निवित में वास्तविक कर से अद्यत नहीं किया गया है:—

(इ) प्रन्तरण से दुई किलो ग्राम को बाजार, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी छन या प्रभ्य प्रासिल्डों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
लैंग-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के इष्टेनाम प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था वा किसी जाना जाहिए था, छिपाने में
भुलिया के लिए।

अतः यदि, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के प्रत्युत्तरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवार्ता:—

1. श्री ब. ब. राम सिंह कुमाराह प्राफिस इन्वार्ज, बसंत
विहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, बिहार।
(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री महावीर प्रसाद गुप्ता
निवासी नया बाजार, लखनऊ। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भालि के प्रधीन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्भालि के प्रधीन के सम्भाल में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की व्यवधि वा तत्त्वावधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की व्यवधि, जो
भी व्यवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भालि में
हितवद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा प्राप्तेष्टुतामारी के बाद
सिवित में किए जा सकेंगे।

प्रधिनियम:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
प्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में व्यापरिभावित
हैं, वही पर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची:

फ्लाट क्लिफल 3997 बगफुट स्थित सिन्धिया कल्या
विद्यालय, लखनऊ।

सतीय चन्द्र
लक्ष्मण प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रबंध रेंज, भोपाल

तारीख: 14-5-1980

मोहर:

प्रकाश मार्ग ३००५००८०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत संसद

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीकण)

मर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्व०/भोपाल/८०-८१-
१५८१—प्रतः, मुझे, सतीश चन्द्र,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-प के
प्रधीन उत्तम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य - 25,000/-
इ० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो लकड़कर में स्थित है
(भीर इससे उत्तरद ग्रन्तुर्जी में भीर पूर्ण रूप में बणित
है), एजिस्ट्रीस्टी प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रामियर में
एजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979
को पूर्वोक्त इनियत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिरंगारिय की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षी) और अन्तरिक्षी
(प्रत्यक्षिती) के बीच ऐसे प्रभन्नण के तिरंगे नहीं आया गया प्रति-
कर निर्दिशित उद्देश्य से उक्त प्रभन्नण लिखित में वास्तविक
रूप से नहीं ही किया गया है :—

(क) प्रभन्नण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी हिसों आय या हिसी भव या पन्थ ग्रामियों
को, किंहैं भारतीय आदाय विविधियम, 1922
(1922 का 44) का उक्त विविधियम, या अन्त-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अल्प अध०, उक्त प्रधिनियम, की आरा 269-प के ग्रन्तरण
की, जो, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-प की उपधारा (1) के
बहुत, विवरिति विविधियों, प्रत्यक्षी :—

1. श्री बाबू राम सिंह कुमाराह प्राफिस इन्वार्ज असम
विद्वान् इ० निर्माण सहायी संस्था मर्यादित, अस्तरक।
(अस्तरक)

2. श्री राम कुमार बुद्ध श्री महावीर प्रसाद गुप्ता
निवासी नक्क बाजार, बाजार। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आदी रुपके पूर्वोक्त संस्थान के प्रवेश के
तिरंगे लिखिती करता है।

उक्त उक्ति के प्रवेश के प्रबन्ध में कोई भी वासेप :—

(क) इस सूचना के राजनीत में पकान की तारीख से ५०
दिन की प्रवधि या तत्परतापी अविलम्बे पर सूचना
की तारीख से ३० दिन की व्याप्ति, जो भी प्रवधि वाल
में प्रमाणित थीं तो, के भीतर पूर्वोक्त अविलम्बों
से लिखी अवधित छाया;

(ग) इस सूचना के राजनीत में पत्तान की तारीख से
५५ दिन के भीतर उक्त संसद उपर संपत्ति लिखित
वाले किसी अन्य अविलम्ब द्वारा अवधित वाली के
पास लिखित में किए जा सकें।

संसदीय लिखित :—इसमें ग्रन्तरण सभी और पर्यन्त का, जो—
प्रधिनियम के ग्रन्तरण २०-प में परिवर्तित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अधियाय में लिखा
करा है।

ग्रन्तरण

ग्रन्तरण अनुमति ३४९७ वर्गकुद स्थित लिखित वाया
विवादिय, बाजार।

सतीश चन्द्र
सहायक प्राधिकारी
प्रायकर प्रायुक्त (निरीकण)
मर्जन रोज, भोपाल

आरोप : १५-५-१९८०

मंत्री :

प्रधान धाई० टा० एस० एस०—

आयकर विभिन्नियम, 1951 (1961 का 43) की आदा।

268-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विकास 14 मई 1980

निवेदित सं० आई० ए० सी० /एक्षी/भोपाल 80-81/1582
—अतः मुझे, सतीश चन्द्र

आयकर विभागीयम, 1961 (1961 का 43) (विने इसमें
इसके पर शन् 'उत्तीर्ण विभिन्नियम' कहा गया है), की आदा 268-ए
के प्रधीन समाम प्रधिकारी की, यह विवाहम करने का कारण है
कि उत्तीर्ण विभिन्नियम, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- एप्प
से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो सरकार खालियर में
स्थित है और इससे उपावट अनुसूचों में और पूर्ण
क्षप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
ग्लासियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 4-8-1979

को पूछौँः उत्तीर्ण के उचित बाजार मूल्य से क्षप के दृष्टमान प्रति-
क्षल के लिवे अन्तरित का न है और ऐसे यह विवाहम करने का
कारण है कि यहाँ विभीत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपले
दृष्टमान प्रतिक्षल से, उसे दृष्टमान प्रतिक्षल का प्रदृढ़ प्रतिक्षल से
अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और पर्मार्थी
(अन्तरितिर्थी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया वया
प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिंबित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत सूचत
विभिन्नियम के प्रधीन कर देने के अन्तर्क के बायित्व में
करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, उसमें में सुविधा के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम की आदा 268-ए के अनुसरमें
वे, उक्त अधिनियम की आदा 268-ए की उपचारा (1)
के बासीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवैत :—

(1) मेसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था,
सरकार।

(अन्तरक)

(2) श्री केवल राम पुत्र श्री खेमचन्द निवासी
सरकार कालोनी, सरकार।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के
लिए आवश्यित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई श्री आवेदन :—

(ब) इस सूचना के राजपत्र पे वकालत की तारीख से
45 दिन ही प्रतिविधि या अन्य अधिकारी अधिकारी ५८
सूचना श्री नामील मे ३० दिन की प्रतिविधि, जो भी
अवैत बाद पे प्रमाण होता है, के बीतर पूर्वोक्त
अधिकारी वे से डिपो अधिक द्वारा

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त आयकर अधिकारी में डिपो अधिकारी
डिपो अधिक द्वारा, विवाह-वाली के पास
निवास में किए जा पड़ते।

सम्प्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधान 20-क में परिभावित है,
वही पर्याप्त होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बूला प्लाट नं० 52 माप 2858 बग्गुट स्थित सिंधू
विहार कालोनी, जय विलास पलेस, सरकार, खालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

ओहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन भ्रष्ट, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी० /एक्वी०/भोपाल— 80-81/
1583—अतः मुझे सतीश अन्न,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो लक्षकर, खालियर में
स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण के रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 4-9-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल पे.पे.वे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच पे.पे.वे प्रतिशत के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उम्मेद से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई हिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेससे ग्रन्थकर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा
श्री धन श्यामदास (सैकटरी) लक्षकर।
(अन्तरक)
- (2) श्री दिग्म्बर पुत्र श्री सखवंत राम जैसवानी
निवासी सराका बाजार, लक्षकर।
(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के
निए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधिया तक सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाय
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अड्डाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अड्डाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 51 माप 2658 वर्गफुट स्थित सिन्धु
विहार कालोनी जय विलास पैलेस, लक्षकर, खालियर।

सतीश अन्न
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्रलेप आई० शी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाप्रद आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1584

अतः मुझे, सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संख्या प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, चित्रित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, तथो जो लक्षकर खालियर में स्थित है (और इससे उपग्रह आनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-9-1979 को यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उम के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत अधिक है और इसके बाहर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उम के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे प्रस्तावन के निए तथ याया याया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल निवित में नाइटिक रूप से कठित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में करने करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पर्याय आस्तियों को जिन्हें आरनीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निवाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व को उपग्रहा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) मेरसी शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा श्री घनश्याम दास (सैक्टरी) लक्षक।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री ठाकुर दाम निधी निवासी नाला नाई का बाजार, लक्षक।

(अन्तरिक्षी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रवृत्ति के संबंध में तोहँ भी वाक्येप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में 'हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी, अवौगृहीकारी के गाय लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर वर्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उप प्रधानाय में दिया गया है।

प्रमुखसूची

खुला प्लाट नं० 49 माप 2658 अंगूष्ठ स्थित सिन्धु विहार कालीनी, जय विलास पैलेस, लक्षकर खालियर।

सतीश चन्द्र
सम्म प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज भोपाल
 भोपाल, विनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्सी/भोपाल 80-81/1585

—अतः मुझे सतीश चन्द्र,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो लक्षकर, ग्वालियर में
 स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, 4-9-1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दूर्घात प्रतिफल से ऐसे दूर्घात प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 का लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः:—

(1) भेसर्स शक्कर गृह निर्माण —सहकारी संस्था द्वारा
 श्री बनम्याम दास (सैक्टरी), लक्षकर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द उफं प्रीतम दास पुत्र श्री गुलाम
 राय जय सिंहांनी निवासी, आगरे का बाजार, लक्षकर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट न० 28 माप 1924 वर्गफुट स्थित सिन्धू
 विहार कालोनी, जय विलास पैलेस, लक्षकर ग्वालियर।

सतीश चन्द्र
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, भोपाल

विनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन खेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० प्राईं० ए० सी० /एक्सी/भोपाल 80-81/1586

—प्रतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो ग्रालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; पौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथ आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्ननिवित अस्तियों, अर्थात्—

- (1) मेसर्स शक्कर गृह निर्माण-सहकारी संस्था द्वारा श्री वनश्वाम दास (सैफ़ेटरी), लक्ष्मण (अन्तरक)
- (2) श्री नानक राम पुस्त्र श्री भोरमल सिंही, निवासी नया बाजार, लक्ष्मण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के बच्चे के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त अवित्तियों में में किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ता-द्वारी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के पद्धताय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 47 माप 2658 वर्गफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी, जय विलास पैलेस, लक्ष्मण, ग्रालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 4-5-1980

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्ची/भोपाल 80-81/1587

—अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकारी स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो खालियर में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

4-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुर्हे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के विविध
में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, ग्रहणतः—

(1) मेसर्सं शकर गृह निर्माण —सहकारी संस्था द्वारा
श्री धनश्याम (सैकटरी), लक्ष्मण।

(अन्तरक)

(2) श्री नानक राम व श्याम दास दोनों पुत्र श्री बाल
चन्द्र सिन्धी निवासी—भिटानेस की गाठ, लक्ष्मण।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के
लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृशाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-रु में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट न० 50 माप 2658 वर्गफुट स्थित सिन्धू
विहार कालीनो, जय विलास—पैलेस लक्ष्मण, खालियर।

सतीश चन्द्र
सकारी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

माहूर:

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन खेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० श्राई० ए०सी०/एकवी/भोपाल 80-81/1588
—अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का अन्दर वर्तित से अधिक है और अन्तरण (अन्तरितों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण ने हूई किसी प्राप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु० सरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:

- (1) मेसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा श्री घनश्याम दास (सैटकरी), लश्कर। (अन्तरक)
- (2) श्री हीरा लाल पुन श्री मेलूमल सिन्धी निवासी माऊ का बाजार, लश्कर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन अधिकारी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तरंगेवाली व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इप्पें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट न० 54 माप 2590 बर्गफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी, जय विलास पैलेस, लश्कर, ग्वालियर।

सतीश चन्द्र
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एवी/भोपाल 80-81/1589

—अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन उक्त प्रधिनियम को, यह विश्वाम रुने का कारण है फि इयाकर नियति तिता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में प्रधिक है। और जिसकी सं० प्लाट है, जो जो ग्वालियर में स्थित है (और इसमें उपबन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-9-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिक्रिय का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिय, निर्विवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि निसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः:—

- (1) मैसर्स एवं गह निर्माण रहवाही रेखा द्वारा श्री घनश्याम दाम (सैकटरी), लश्कर। (अन्तरक)
(2) श्री अर्जुन दाम पुल श्री चमन दाम विनवामी केथवाली गली, लश्कर। (अन्तरिपी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी प्रधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट सं० 45 माप 3776 वर्गफुट स्थित सिन्धु विहार कालोनी जय विलास पैलेस, लश्कर।

सतीश चन्द्र
सकाम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० ०८०० एन० ४०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्सी/भोपाल 80-८१/१५८०

—ग्रन्त: मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-9-1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मेमर्स णक्कर गृह निर्माण महकारी मंस्था द्वारा श्री घनश्याम दाम (सैकेटरी) लक्षक।
(अन्तरक)

(2) श्री किशन दाम पुत्र श्री भोरमल मकरानी निवासी नवा बाजार, लक्षक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 46 माप 2848 वर्गफुट स्थित सिन्ध विहार कालोनी, जय विलास-पैलेस, लक्षक।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं. आई०ए०जी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1591
—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सकाम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो ग्वालियर में स्थित है
(ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्शित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्री-
फरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
4-9-1978

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहृ था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1),
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

9-106 GI/80

(1) मेसर्सं शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा
श्री धनश्याम दास (सेक्रेट्री), लक्ष्मण।

(अन्तरक)

(2) श्री बलराम पुत्र श्री गोरुमल सिन्धी निवासी
माधोपंज, लक्ष्मण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
परा है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 1 माप 230 वर्गफुट स्थित सिन्धु विहार
कालोनी जय विलास पैलेस, लक्ष्मण, ग्वालियर।

सतीश चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोदर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०जी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1592

—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 4-9-1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः—

- (1) मेसर्स शकुर गृह निर्माण — सहकारी संस्था
द्वारा श्री घनश्याम दास (सैक्ट्री), लक्ष्मण।
(अन्तरक)
- (2) श्री छकुर दास पुत्र श्री सुगनामल सिंधी निवासी
खुर्जा वाला भोहला, लक्ष्मण।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :——इसमें प्रत्युक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममृतसूची

खुला प्लाट नं० 36 माप 1749 वर्गफुट स्थित सिन्धु
विहार कालोनी जय विलास पैलेस, लक्ष्मण ग्वालियर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 14-5-1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धोन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निवेश सं० आई०ए०सी०/एक्सी/भोपाल 80-81/1593

—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो घालियर में स्थित है
(और इससे उपांचु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घालियर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
4-9-1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिनान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके अधिनान प्रतिफल से ऐसे अधिनान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया जवा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिलाई
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाया है :—

- (1) मेसर्स शक्कर गृह निर्माण — सहकारी संस्था द्वारा
श्री घनश्याम वास (सैक्रेटरी), लक्ष्मण
(अन्तरक)
- (2) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री होतवन्द सिन्धी निवासी
पगनीस की गोठ, लक्ष्मण-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीहो द्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभावस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरणः——इसमें प्रथम शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का निए; और/या

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का निए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भव या अन्य व्यक्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

बुला प्लाट नं० 34 माय 1749 बर्फुट स्थित सिन्धू
विहार कालोनी जय विलास पेलेस, लक्ष्मण, घालियर।

सतीश चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
(निरीक्षण सहायक आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के, अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

प्रख्याप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

- (1) मैसर्सं शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा
श्री घनश्याम दास (सैकटरी), लक्ष्मकर।
(अन्तरक)
- (2) श्री गोविन्द राम पुत्र श्री रोजी राम सिंधी निवासी
शक्कर कालोनी, नई सड़क, लक्ष्मकर।
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निवेश सं० आई० ए०सी/एक्वी/भोपाल 80-81/1594

अग्रतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-षु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है
(और इसे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-9-79
को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा आय गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भौं द्विवेद्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

मनुसूची

खुला प्लाट नं० 53, माप 2580 वर्गफुट स्थित सिन्धू
विंहार कालोनी, जय विलास पैलेस, लक्ष्मकर ग्वालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-षु की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14-5-1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एव्वी/भोपाल 80-81/1595

—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्हीं में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, इन्दौर में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
5-9-1978

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः आश, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री गोविन्द राम पुत्र श्री मिल्कीराम जो पाइजा
निवासी जयराम पुर कालोनी, इन्दौर।
(अन्तरक)
(2) श्रीमती शीभा बाई पाले श्री जेठानन्द जी निवासी
90, जयराम पुर कालोनी, इन्दौर। }
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यदारीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 179 का भाग स्थित जयराम पुर कालोनी,
इन्दौर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980 |

मोहर:

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आर्द्ध०ए०सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1596
—अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में
स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 12-५-1979

को पवार्कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बिस्वाजीत सेन गुप्ता पुत्र श्री गुरुदयाल
सेन गुप्ता निवासी 9 के, चार ईमाली, भोपाल
(अन्तरक)

(2) श्री केंद्र केंद्र मेहता पुत्र श्री किशोरी लाल मेहता
निवासी ई-4/130, अरेरा-कालोनी, भोपाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पवार्कत सम्पत्ति के अर्जन के बिंदु
कार्यवाहीहृणा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पवार्कत
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकते।

लक्षणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में विज्ञा-
पया है।

अनुसूची

मकान नं० ई-4/130, स्थित अरेरा-कालोनी, भोपाल।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्रस्तुप बाईं. टी. एन. एस.—

(1) श्री पन्ना लाल पुत्र श्री नारायण जीमाली
निवासी ग्राम बरबेड़ा तहसील नीमच, मन्दसौर।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जेहरा बाई पत्नी श्री हाजी ताहिर अली
बोहरा निवासी छोटी सादरी, जिला चितौड़ (राज०)
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1597

—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो नीमच में स्थित
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नीमच में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 7-9-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या हस्तांकनी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
पूछा है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

मकान का भाग स्थित नीमच सुधांर नियास नं० 11,
मासा मार्ग, नीमच।

सतीश चन्द्र

सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 15-5-1980

बोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आईए०सी०/एक्ची/भोपाल 80-81/1598
अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो नीमच में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नीमच
में रजिस्ट्रीकरण अधियनियम 1908 (1908 का 16) के

अधीन, 7-9-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री पन्ना लाल पुत्र श्री नारायण जी माली निवासी
ग्राम बरखेड़ा तहनीमच, मन्दसौर।
(अन्तरक)
(2) श्री आर्विद ग्रली पुत्र हाजी ताहिर ग्रली
बोहरा, छोटी सादरी, चित्तौड़ गढ़ (राज)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिव-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का भाग स्थित नीमच सुधार — न्यास नं० 11,
मामा मार्ग, नीमच।

सतीश च. द्र
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 15-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1598
—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भाग (भाग) है तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-९-1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए । छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—106 GI/80

(1) श्री गिवर मिह ठाकुर पुत्र स्व० श्री दलभजन सिंह अवकाश प्राप्ति प्रिमिपल निवासी 1783, गुप्तेश्वर जबलपुर।

(अन्तरक)

2. राम लाल पुत्र श्री भगवान दास दीवान निवासी मकान नं० 1416/7/ए, गुप्तेश्वर रोड, मदन महल बांड जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित भारी अधीक्षित भारी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूषी

मकान का भाग स्थित 1416-7-ए, गुप्तेश्वर रोड, मदन महल बांड, जबलपुर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15-5-1980

मोहर :

प्रलृप वाई० टी० एव० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1599

—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ए के
प्रधीन सबम प्राधिकारी का यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से
अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो जबलपुर में स्थित
है (और इससे उपार्वक अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
24-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है परं यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत
से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरण से उक्त प्रत्यक्ष के लिखित में
दर्शायित रूप से स्थित नहीं हिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या सन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधिकारायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ए की उपवारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्रीमती राज कुमार काढा पति श्री एम०एल०
कांडा (2) श्री संजय कांडा (प्रवयस्क) पुत्र श्री
एम० एल० कांडा निवासी 1387, मदन महल
वार्ड, जबलपुर।

(अन्तरक)

(1) मुल्क राज चावला पुत्र श्री रामदाम चावला निवासी
मदन महल वार्ड।

(अन्तरिती)

को यह भूमता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या उससंबंधी अधिनियमों पर मुचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रत्यक्ष वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे :

उत्तरण:—इसमें प्रनुभा शब्दों प्रीर पक्षों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
बहु होगा, जो उप अडाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि स्थित ग्राम महेश्वर खसरा नं० 29/1भाग,
76, 79/1, 81/2, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97,
व 100, मदन महल वार्ड, जबलपुर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 15-5-1980

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेन, भोपाल

दिनांक 15-5-1980,

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एस्वी/भोपाल 80-81/1600

प्रतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो विलासपुर में स्थित है। (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय विलासपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-9-1979

ले पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण, के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से सुन्नुई किसी आय की बावत 'उक्त प्रधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, ग्रन्त, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतः:—

(1) श्री मुकुन्दराव खानखोजे पुत्र श्री निवास राव खान खोजे निवासी तिलक नगर, विलासपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री नन्द लाल पुत्र श्री बालम जी चौहान निवासी पाली तह कथधोरा जिला-विलासपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्रमांक 202 स्थित हुल्का नं० 110, विनोबा नगर, विलासपुर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 15-5-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त](निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15-5-1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/ग्रंथी/भोपाल 80-81/1601
—अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिपना उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इए से अधिक है

और जिसकी जिसकी सं० भूमि है, तथा जो रामपुर में स्थित
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ने अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
6-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक स्पष्ट से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

(1) श्री नादिनी प्रसाद पुन श्री ठाकुर प्रसाद श्रीवास्तव
निवासी पाड़ी वराई, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री दलजीत सिंह (2) राजेन्द्र सिंह (3) राजेन्द्रा
पाल सिंह व (4) इन्द्र वीर सिंह सभी पुन श्री
मलिक सिंह जुनेजा नहरपारा रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमुद्देश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 7व 8 स्थित पांडी तराय, हल्का नं०
109, ब्लाक नं० 2, वाई नं० 4, रायपुर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेज भोपाल

दिनांक : 15-5-1980

मोहर :

— प्रह्लप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मरायकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० आई०ए०सी०/एको/भोपाल 80-81/1602

—स्थः मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम तिगरा में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सिवनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-६-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का फारग है कि राशूर्वांश वंशति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तर अन्तरग के निए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरग निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरग न दी रियो प्राप्त को बाजार उक्ता अधिनियम के प्रधीन नह देने के अन्तरग के दायित्व में कमी करने या उम्मी बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी रियो प्राप्त या निवो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रतिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती शारदा बाई पत्नि श्री बोरन सिंह बघेल निवासी ग्राम सरगापुर, सिवनी।
(अन्तरक)

(2) महार्पि इन्सटिट्यूट आफ क्रियोटिव। इन्टेलीजेन्स इन इन्डिया रानीवास व्हौहार बाग जबलपुर द्वारा श्री चमन सिंह शास्त्री-ग्राम तिगरा जिला-सिवनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(f) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(g) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि क्रमांक 213 हक्का नं० 80 स्थित ग्राम तिगरा जिला-सिवनी।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण))
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 15-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देशांश आई.ए. सी.०/एक्वी/भोपाल, ४०-८१/१६०३—
अतः मुझे, सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिस की सं० प्लाट है, तथा जो तिग्रा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवनी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, १३-९-७९
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों का अर्थात्:—

- (1) श्रीमती दुलारी बाई पत्नि श्री रघुनाथ सिंह बधैल
निवासी ग्राम मिमरिया, सिवनी (अन्तरक)
- (2) महर्षि इन्स्टिट्यूट आफ कियेटिव इन्टेलीजेंसी इन
इंडिया रानी वास व्योहार बाग, जबलपुर द्वारा
श्री चमनसिंह शास्त्री इन्वार्ज महर्षि आश्रम,
ग्राम तिगरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृच्छा
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति
बाइ में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली भूमि नं. 213 हल्का नं. ८० स्थित ग्राम तिगरा,
सिवनी।

सतीश चन्द्र,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरोक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक, 15 मई 1980

निर्देश सं० आईएसी/एक्वी/भोपाल 80-81/1604—अतः
मुझे सतीश अन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्बन्धि जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए है
और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो तिगरा में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 13-9-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप में कथित नहीं
निया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
श्रीर/या

(ड) ऐसे फिरों प्राप्त या फिरों धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269८ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269८ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती शारदा बाई पत्नी श्री शुभकरण जी बघैन
निवासी ग्राम—तिगरा, सिवनी।
(अन्तरक)
(2) महर्षि इन्दिराय आफ कियेटिव इन्टेलीजेन्सी
आफ इन्डिया, रानीवास थोहार बाग, जबलपुर
द्वारा श्री चमन मिह शास्त्री ग्राम—तिगरा, सिवनी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में
से किसी अवित्य का द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अवित्य द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि नं० 213 हल्का नं० 80, स्थित ग्राम तिगरा,
सिवनी।

सतीश अन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1605—

अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, महि विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिस की सं० ज्लाट है, तथा जो तिगरा में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सिवनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 13-9-1979 को

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री ठाकुर युभकरन मिह पुत्र श्री घड्न मिह बधैल
निवासी ग्राम-तिगरा, मिवनी।

(अन्तरक)

(2) महिं प्रियोटिव इन्स्टियूट आफ कियोटिव डन्टेलीजेन्स इन
इन्डिया, रानी वाम व्योहार बाग, जबलपुर द्वारा
श्री चमन मिह ग्राम-तिगरा।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जरी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली भूमि नं० 213 हूल्का नं० 80 स्थित ग्राम—तिगरा
सिवनी।

सतीश चन्द्र
मक्षम प्राधिकारी
निरीक्षणी ग्राम-तिगरा
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रकाप धार्मिक ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० धार्मिक ई० सी०/एक्ची/भोपाल 80-81/1606—

अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान (भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित
है (और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-9-1979 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्रित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रमत्रक (अन्तरकों)
और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
क्षमा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
लिखित में वास्तुविक रूप से वर्णित नहीं किया जाता है :—

(ए) अस्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन वा प्रम्य धास्तियों
को; जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमाने अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाय था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः यह; उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के
अनुवारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

11-106GI/80

- (1) श्री राज कुमार जेकब पुत्र श्री जान जेकब निवासी
मिशन प्रेस कम्पाउन्ड, सिविल लाइन्स, जबलपुर।
(अन्तरक)
- (2) श्री मेथियास ऐडविन एरनोल्ड पुत्र स्व० श्री जी०
ऐरनोल्ड (2) श्री राजेश कुमार ऐरनोल्ड पुत्र श्री
एम० ई० ऐरनोल्ड दोनों निवासी नेपियर टाउन,
जबलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेद :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधिया उत्तम्भवष्टी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया, जो आ
प्रबंधिया बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अविता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अविता द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण—इसमें प्रयुक्त गढ़ों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रबंध होया जो उक्त प्रध्याय में दिया
जाता है।

अनुसूची

मकान नं० 948/4-I व II का भाग स्थित सिल्वर ग्राम
कम्पाउन्ड, नेपियर टाउन, जबलपुर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुत प्राईंट टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1607—
अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित हैं
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-9-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरि द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः; अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, ग्रह्य :—

(1) श्री एस० डी० सूरी पुत्र स्व० श्री के० एल० गोतमा
निवासी 2, वेस्ट 5, पटेल रोड, नई बिल्ली द्वारा श्री
आई० जे० एस० सेठी निवासी एम० 167/ई-7, भोपाल
(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा हरिया पत्नी पुत्र श्री महेश चन्द्र हरिया
निवासी ई-5/111, अरेरा कालोनी, भोपाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्याकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 111 का अधूरा बना भाग स्थित ई-5, शाहपुरा,
अरेरा कालोनी, भोपाल ।

सतीश चन्द्र
सक्रम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन थोक, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1608—

अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिस की सं० प्लाट है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1979 को

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री हृषीक अहमद पुत्र श्री मोहम्मद फारूक निवासी बुधापारा, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री रजीत सिंह राठोर पुत्र श्री छोटेलाल राठोर निवासी राठोर चौक, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दैने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

प्लाट नं० 2/26 नजूल ब्लाक नं० 77, पुरानी पुलिस लाईन "जयशम टाकीज" के पास, मौद्यापारा, रायपुर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयुक्त (आयुक्त)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

प्रकृत आई० टी० एत० एम०-----
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/80-81/1609—
अतः मुझे, सतीश चन्द्र,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, तथा जो रत्नाम में स्थित है,
(और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 25-9-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखि० में वास्तविक रूप से निहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में,
मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपाधारा(1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

(1) श्री मन्जूर खां पुत्र श्री गुल खां (2) अलतर खां पुत्र
श्री गुल खां व (3) श्रीमती जवाहर वाई वंदा गुलखां,
निवासी रत्नाम, मो० सेरानीपुरा

(अन्तरक)

(2) फर्म :—प्रार० के० ट्रेडर्स, माणक चौक, रत्नाम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोदृसताक्षरी के पास
लिखित में निए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि न० 1073 स्थित कस्बा रत्नाम।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15 मई 1980
मोहर

प्रकाश माई० टी० एव० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० कुल्लु/11/79-80—अतः, मुझे सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० मकान 2 1/2 मंजिल, कोठी महाराजा है तथा जो फट्टी ढालपुर, कोठी महाराजा, कुल्लु में स्थित है और इसमें उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुल्लु में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूथयाम प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (प्रन्तरिकियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के बायिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के नियंत्रण और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हवेली राम ग्रलीयास हरीग ओपड़ा पुत्र श्री हलदुर राम ओपड़ा पुत्र श्री मोती राम ओपड़ा, निवासी पठानकोट अब मकान नं० 2211, सेक्टर 27-सी, चंडीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री साल चन्द्र प्रार्थी पुत्र श्री टेक राम, निवासी फटी और कोठी नगर, तहसील तथा जिला कुल्लु।

(अन्तरिक्ती)

(3) 1. जिला लोक सम्पर्क शाफीसर, कुल्लु
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

2. जिला लाईव्रेइन, कुल्लु

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्तन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभ्रान्ति हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान 2 1/2 मंजिल जो फटी ढालपुर, कोठी महाराजा जिला कुल्लु में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कुल्लु के कार्यालय के विलेख संख्या 602, सितम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुत आइ. टी. एम. एस.—

(1) श्री करनेल सिंह पुत्र श्री याला सिंह, निवासी नजदीक ईदगाह रोड, पटियाला।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(प्रन्तरक)
(2) श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री नारिन्दर सिंह, निवासी 27-डी, माइल टाउन, पटियाला।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 15 मई 1980

निदेश सं० पटियाला/287/79-80—प्रतः, मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ल के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट थोकफल 1 बीघा 3 1/2 बिसबे है तथा
जो लैंबूल जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावड़
ग्रन्तसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक सितम्बर, 1979
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पञ्चव अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीरु/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
विन को अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ग्रन्तसूची

(ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्लाट थोकफल 1 बीघा 3 1/2 बिसबा, लैंबूल, पटियाला
(जयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 3409, सितम्बर 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द

मक्कम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

प्रस्तुत आई० टी० एव० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० पटियाला/321/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास उत्तर का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शोप-कम-फ्लैट नं० 31 है तथा जो न्यू अनाज मंडी, पटियाला में स्थित है (और इससे उपार्द्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास उत्तर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए, और

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी इन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रतिस्थिती हाथ प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; उसने में सुविधा के लिए।

अतः प्रद, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरी सिंह पुत्र श्री केसर सिंह, निवासी रासूल पुर सौंदीयां तहसील पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री बद्री चन्द पुत्र श्री बलैती राम आफ समाना शोप-कम-फ्लैट नं० 31, न्यू अनाज मंडी, पटियाला।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के संबंध में कोई भी आलोचना:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोदृष्टाभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णौं-कम-फ्लैट नं० 31, न्यू अनाज मंडी, पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3828, अक्टूबर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्रम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन; लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० एन० बी० ए०/141/79-80—ग्रतः मुझे सुखदेव घन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 4 मरले हैं तथा जो नाभा तहसील नाभा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रॅनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त :—

(1) श्रीमती गुरदेव कौर विघ्ना श्री हरदेव सिंह निवासी नजदीक न्यू प्रेन मार्कीट मलेकोटला रोड नाभा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश रानी पत्नी श्री राजिन्द्र पाल श्री भगवान दास, सुरिन्द्र कुमार, नारिन्द्र कुमार अक्षय कुमार पुत्र श्री गोप प्रकाश बी० के० श्री० रामगढ़ नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ छिपी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 4 मरले नाभा में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1559 सितम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव घन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना
दिनांक 15 मई 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

(1) कोमड़क हारीश चम्दर मलहोत्रा पुत्र श्री स० सी० मलहोत्रा निवासी डी-133 लिफैन्स कालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरजिन्दर सिंह नागपाल पुत्र श्री जवाहर सिंह नागपाल निवासी मकान नं० 131-23 ए, चन्डीगढ़

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० अन्डीगढ़/282/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिस की सं० रिहायशी प्लाट नं० 1539 है, तथा जो
सैक्टर 36-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में औप पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-1979

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

12-106GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1539 सैक्टर 36-डी अन्डीगढ़।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1665 अक्टूबर 1979 में
दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चन्डीगढ़/222/79-80—आयकर आयुक्त सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिस की सं० प्लाट नं० 1368 है तथा जो सैकटर
34-सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायदित्र में कमी करने या उनमें बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आयकर अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थातः:—

- (1) श्री ताजिन्दर सिंह बेदी पुत्र श्री रघुबीर सिंह
निवासी 1208 सैकटर 18-सी चन्डीगढ़
(अन्तरक)
(2) श्री भीम भैन भाटिया पुत्र श्री माना राम निवासी
मकान नं० 242, सुभाष नगर रोहतक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1368 सैकटर 34-सी चन्डीगढ़।
(जापदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1271, सितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना
दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) कैप्टन सुभाष बिन्वरा पुत्र आर० के० बिंदरा निवासी 1-ए० एम० बी० कलब लखनऊ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) कैप्टन जे० एस० गोसल पुत्र श्री एच० एस० गोसल 1/3 कुपाटरज जी० आर० माफेत 99 ए० बी० आ० माफेत श्री डी० एस० गोसल मकान नं० 202-9 सी० चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेद सं० चन्डीगढ़/216/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द्रआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिस की सं० रिहायशी प्लाट नं० 1046 है तथा जो
सैक्टर 36-सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपबन्द
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-9-1979को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1046 सैक्टर 36-सी चन्डीगढ़
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1235 सितम्बर 1979
में दर्ज है)।सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० पटियाला/289/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव

चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 8ए क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है
तथा जो डिलों मार्ग पटियाला में स्थित है (और इससे उपावढ
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1979
को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष्माह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तातः:—

(1) श्री मोहिन्दरपाल सिंह पुल श्री अतक सिंह निवासी
कौलगढ़ तहसील अमलोह।

(अन्तरक)

(2) श्री रनजीत सिंह पुल श्री अर्जन सिंह लैकचरार,
खलसा कलोज, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मृदृशी

प्लाट नं० 8ए क्षेत्रफल 500 वर्ग गज जो डिलों मार्ग
पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3426 सितम्बर 1979 में
दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक: 15 मई 1980

मांहर:

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० पटियाला/288/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धा० 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 500 वर्ग गज (प्लाट 8-बी)
है तथा जो ढिलों मार्ग पटियाला में स्थित है (और इससे
उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1979
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिक:—

(1) श्री मोहिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री चतर सिंह निवासी
कोलगड़, तहसील अमलोह जिला पटियाला।
(अन्तरक)

(2) श्री अर्जन सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह निवासी
गिनदरावाली तहसील फाजलका
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8-बी क्षेत्रफल 500 वर्ग गज, जो ढिलों मार्ग
पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाल
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3425 सितम्बर 1979
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० चन्डीगढ़ /235/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का जारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3481 है तथा जो सैकटर
35-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची
में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979 को पुर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया था कि अन्तरण
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्दि किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने वाले समस्त व्यक्ति में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिसमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री बलवीर सिंह बतरा पुत्र श्री जसा राम मार्फत
26, रघबीर नगर नई दिल्ली-27, द्वारा सैशल
भावक आफ अटारनी श्रीमती सरन कौर पत्नी
श्री गुरदियाल सिंह निवासी 3552 सैकटर 35 डी,
चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या देवी पत्नी श्री मोहन साल मकान
नं० 3481 सैकटर 35-डी चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरेषी अधिकारी पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मापा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ़ किसी
अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताकरण के पास लिखित में
दिए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों पर ध्येय का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3481 सैकटर 35-डी चन्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 1373, सितम्बर 1979 में
दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रलूप प्राईंटी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० चन्डीगढ़/223/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 12 कनाल 5 मरले हैं तथा जो मनी माजरा य० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पर्याप्त है और प्रत्यक्ष (अन्तरितों) और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षित से हुई इसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन भार देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) सर्वश्री दारा सिंह, देव सिंह, शमशेरसिंह पुत्र श्री श्री भजन सिंह निवासी मनी माजरा य० टी० चन्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) 1. श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री शाम सिंह निवासी मकान नं० 1033 सैक्टर 11-ए चन्डीगढ़ ।
2. श्री जगदेव सिंह पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह निवासी गांव लाल कला जिला लुधियाना द्वारा अटारनी श्री बलराज सिंह निवासी 116-सैक्टर 8-ए चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभासित हैं, वही प्रार्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रार्थना

भूमि क्षेत्रफल 12 कनाल 5 मरले, गांव मनी माजरा य० टी० चन्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1272 सितम्बर 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

अतः अद्य, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अंतर्गत, निम्नान्ति वालिंग, अर्थात् :—

प्रकाश गाई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा

269-व (1) के पश्चीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० चन्डीगढ़/224/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द्र,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
आदा 269-व के पश्चीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- टी० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल 8 मरले हैं तथा
जो गांव मनी माजरा य० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और
इससे उपार्वक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक
सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथागूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष
(अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया,
प्रतिकल, निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम, के पश्चीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कोई करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; घोरया

(द) ऐसी किसी आदा या किसी अन्य व्यापारियों
को, जिन्हे आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रति उक्त प्रधिनियम की आदा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की आदा 269-व की उपधारा (1)
के पश्चीन, निम्ननिम्नित अविक्षयों, वर्णत:—

1. श्री हुकम चन्द्र पुत्र श्री दीलन राम निवासी गांव
माजरी जिला रोपड़ (2) श्री अगरां देव पुत्र
श्री लक्ष्मन दास निवासी मुलापुर गारीब दास
जिला रोपड़।

(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री शाम सिंह निवासी
मकान नं० 1033 सैक्टर 11-ए चन्डीगढ़ श्री
जगदेव सिंह पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह निवासी गांव
लाल कला जिला लुधियाना द्वारा श्री बलराज सिंह,
116 सैक्टर 8-ए चन्डीगढ़।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवृत्तिया तस्वीरबद्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी
प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्टों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के पद्धत्याय 20-व में परिवर्तित
हैं, वही पर्व होगा, जो उस पद्धत्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल 8 मरले मनी माजरा य० टी०
चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 1274, सितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

सुखदेव चन्द्र
संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चन्डीगढ़/267/79-80—अतः सुझे सुखदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 1584 है तथा जो सैकटर 36-छी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-1979 की

पूर्वोंका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिहन के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरक) और अन्तरित (अन्तरितियों) दोनों ओर अन्तरण के लिए त। पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया । :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भूरंध आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनदार व्यापार नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्तर अन्तरित दोनों प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहित या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की आरा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-घ की उपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित घोषित अर्थात् :—

13—106GI/80

(1) श्री अमरजीत सिंह जायजी पुत्र श्री बाजीर सिंह जायजी निवासी मालवा हाउस, पीछे न्यू मोटी बाग पैलस पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर गुप्ता पुत्र श्री डी० एम० गुप्ता मकान नं० 3283 सैकटर 19-छी चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यदि सूचना नागी करके यूवॉक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ हरता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्द्र में कोई भी वास्त्र :—

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में दर्शायन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या अन्यद्वयी अक्षियाँ पर सूचना की तारीख पर 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी दी, के भीतर ज्वार्कर्ट अक्षियों में से किसी वर्गित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यपत्र में दर्शायन की तारीख पर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ज़ितवद्ध किसी अन्य अक्षि द्वारा, अधोहराप्राप्त रूप से, विद्युत वर्ष किए जा सकेंगे ।

संडीकरण :—इसमें उक्त अन्तरित द्वारा होना, जो उक्त अधिनियम के अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ज़ितवद्ध किसी अन्य अक्षि द्वारा, अधोहराप्राप्त रूप से, विद्युत वर्ष किए जा सकेंगे ।

अनुसूची

प्लाट नं० 1584 (भौतिक 580.94 वर्ग गज) जो सैकटर 36-छी चन्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विनेक संख्या 1647 अक्तूबर 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980 :

मोहर :

प्रकरण प्राइंटी १०८० एस०—

आवकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मंत्रालय आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आवकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/387/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द,

आवकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), की बारा 269-व
के प्रधीन सभाप्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय अन्तर्गत, जिसका उचित बाजार भूम्य 25,000/-
हप्ते में अधिक है और

जिसकी सं० कोठी नं० 270-1 (एम सी नं० बी-XVII/730/1)
है तथा जो माडल टाउन लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपावन आनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण भविनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-1979 को
पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्य के कम के दृश्यभान
प्रतिकूल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य, उसके
दृश्यभान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिकूल के पश्चात् प्रतिकूल से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रमत्तरिती (प्रमत्तरितियों)
के बीच एस प्रमत्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकूल, तिमन-
सिखित उद्देश्य ये उक्त प्रमत्तरण लिखित म वास्तविक काम में
कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रमत्तरण से ही किसी भाव की बाबत, ३५०
भविनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें कमने हें सुनिधि के लिए
और/वा।

(ख) ऐसो किसी आय या नियमी धन या अभ्य आस्तियों को,
जिन्ह आरतीय प्राय-५२ भविनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त भविनियम, या घन-कर
भविनियम, 1957 (1957 का 27) के मोजनाय
अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निया
जाना चाहिए था यिवाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त भविनियम ने इस 269 व के अनुसरण में,
मैं उक्त भविनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, तिमनसिखित अवित्यों, अवैत :—

(1) श्रीमती संतोष शर्मा पत्नी श्री वेद प्रकाश तथा श्री
वेद प्रकाश पुत्र श्री दीवा राम निवासी 270-मार
माडल टाउन, लुधियाना।

(प्रमत्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता रानी जैन पत्नी श्री विमल कुमार
जैन, 270-सी माडल टाउन लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारे उक्ते पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
तार्यालिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख पे 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि चाव मे
समाप्त होनी हो, न भोतर पूर्वोत्तर अवित्यों में से किसी
प्राप्ति नहीं,

(ख) इस सूचना - गजावत प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भोतर उक्त प्रावर सम्पत्ति में हितद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्राप्तिदातारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
भविनियम द प्रधान २०-से में परिभाषित है,
उस अर्थ द्वारा, वा उप अध्याय में दिए गए हैं।

प्रमसृनी

कोठी नं० 270-सी माडल टाउन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं 3084, सितम्बर 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रकरण नं ० दी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, प्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 16 मई 1980

निवेश सं० सरहिन्द/133/79-80—भ्रतः मुझे सुखदेव
चन्द्र,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के प्रश्नीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 29 कनाल हैं सथा जो गाँव ग्रलीपुर
सोदिया तहसील सरहिन्द में स्थित है (और इससे उपायद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टप्रमाण प्रतिफल के निए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टप्रमाण प्रतिफल में, ऐसे
दृष्टप्रमाण प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अनुरूप के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल विभिन्निका
उद्देश्य से उक्त प्रत्यरूप लिखित में वास्तविक रूप से छोड़ित
नहीं किया गया है:—

(*) अन्तरण से हुई जिसी प्राप्ति को उक्त उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरूप के वायिक में
कमी करने वा उक्त से बचने में सुविधा के लिए; और/या

(**) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्मे, भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भ्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनामे प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा-
1 के प्रश्नीन विभिन्निक अक्षितयों प्रथात्:—

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री नरिन्द्र सिंह द्वारा प्रटारनी
श्री नरिन्द्र सिंह ग्रलीपुर निरजन सिंह निवासी
मकान नं० 3305 सैकटर 23-डी, जग्जीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री रोशन लाल और प्रेम चन्द्र पुत्र श्री हरदियाल
और श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री हरगोविन्द निवासी
सरहिन्द मण्डी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के निए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्विन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षणी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रथम होगा, जो उम प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 39 कनाल जो गाँव ग्रलीपुर सोदिया तहसील
सरहिन्द।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2491, नवम्बर 1978 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रह्ल प्राई-ट्रो-एन-एस.—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० सरहिन्द/130/79-80— अतः मुझे सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिस की सं० भूमि 29 कलाल 14 मरला है तथा जो गांव अलीपुर सोधियां, तहसील सरहिन्द में स्थित है (और इसमें उगबब्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वक संगति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आप प्राप्ति तक या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रार्थतः :—

(1) श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह गांव अलीपुर सोधियां, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।
(अन्तरक)

(2) श्री रोशन लाल और प्रेम चन्द पुत्र श्री हरिदयाल और श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री हरगोविंद निवासी सरहिन्द मण्डी जिला पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आन्देषः—

(क) इस सूचना से राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना की आमोंल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होगी हो, के भातर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविक्षय द्वारा, अप्रोदत्ताकारी के पास विक्रिय में किए जा सकेंगे।

स्वागत चरण :— इसमें पृष्ठ ३०३ और पृष्ठों का, जो उक्त अधिनियम से पठाया 20-रु में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम प्रधाया में विद्या हुआ है।

अनुसूची

भूमि 29 कलाल 14 मरले जो गांव अलीपुर सोधियां तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द के कार्यालय के विनेख संख्या नं० 2463, प्रक्षम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना
दिनांक 15 मई 1980
मोहर :

प्रस्तुति प्राप्ति टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के मार्गना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० सरहिन्द/131/79-80—अत मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-घ के भौति॑न सम्बन्धमें आयकर आयुक्त को यह विवाद नहीं का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तरांश बाजार मूल्य 25,000/- द्याये से अधिक है और जिस की सं० भूमि 39 कनाल है तथा जो गांव श्रीलीपुर सोधियां, तहसील सरहिन्द में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-1979 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के डीन० बाजार मूल्य से ५८ के दृश्यमान प्रतिकूल ६ निय० प्रतिरित कू। गू० है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि विवादीवित सम्पत्ति १३१/१ बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान तिरिया के दृश्यमान प्रतिकूल है और अन्तरक उत्तरकूल विवित (अन्तरितिया) रबीच इसे बाबरण के उक्त तब तया २५ द्याया फैल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में शामा करा न किया नहीं किया जाता है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यरूप के विवित में कमी करने या उससे बचन में मुश्किल के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन० भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1951 (1951 का 11), वा उक्त अधिनियम की विवादी विवित अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया यथा वा वा विवादी जाना चाहिए या, छिपाने में मुश्किल के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 239-ग के उन्नुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 169-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह द्वारा अटारनी श्री नरिन्द्र सिंह अलीयास श्री निरंजन सिंह निवासी मकान नं० 3305, सैक्टर 23-डी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री रोशन लाल और प्रेम चन्द्र पुत्र श्री हरदियाल और श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री हरगोविंद निवासी, सरहिन्द मण्डी जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

मा १६१८८ तारीख २०८६ द्वारा निय० ६ प्रतिन रुलि०
कारेवाहिया शुल्क करना है।

उक्त प्रतिनि० रुलि० न सम्बन्ध में रोई मो प्राप्त है।—

(३) इति॒ तु वा ने यज्ञाद्र में व्राणन की तारीख से ४५ दिन ही अवधि या तत्सम्बन्धी डाकियों पर सूचना दो। यो १३० दिन ही वर्ति, जो से प्रवधि बाइ में उत्तरांशी दो, के तो १०१० द्यौर्गी डाकियों में १ दिनों डांक दाग,

(४) इति॒ तु वा रु यज्ञाद्र प्रवधि बाइ तारीख से ४५ दिन ही भी उक्त प्रवधि बाइ में द्वितीय दिये प्रवधि बाइ व्यवहार अवौद्याक्षरी के पाप विवित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—उक्त प्रवुक्त गवां ग्रीर द्वां रा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिमाणित है, वही अर्थ द्यो। जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 39 कनाल जो गांव श्रीलीपुर मोधियां तहसील सरहिन्द जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2464, अक्तूबर 1979 में बर्ज है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना
दिनांक 15 मई 1980
मोहर :

प्रस्तुप प्राइ० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरका०
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० डीएस/16/79-80—ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द्र,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 78 कनाल है तथा जो पठान
माजरा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
दूदन सूदन में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक, 9-1979 को
को पूर्वोक्त प्रधिनियम के उचित बाजार मूल्य में रु० के दृश्यमान
प्रतिफल के निए प्रभारीर की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वकार्पूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रभारिती
(अन्तरेतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तर या
गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाकिल में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्री, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

- (1) श्री लाभ सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह निवासी माजरा
बूद्ध प्रलीलास पठान माजरा दूदन सूदन
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती दर्शन कौर पत्नी श्री लाभ सिंह तथा सर्वश्री
राजिन्द्र सिंह एवं भूपिन्द्र सिंह पुत्र श्री लाभ
सिंह निवासी पठान माजरा, तहसील दूदन सूदन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
ममात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद जिसी
मम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

रप्रधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हाँ, जो उक्त प्रधि-
नियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उक्त अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 78 कनाल जो पठान माजरा में स्थित है।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी दूदन सूदन
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 488 सितम्बर 1979 में
रखा है)

सुखदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980
मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/254/79-80--प्रन०, मुझे, सुखदेव
चन्द्र,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिस की सं० रिहायशी प्लाट नं० 3371 है तथा जो
सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
एन्ट्री प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या प्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
गुविधा के लिए;प्रन. प्रद, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, को धारा 269-घ की उपयास (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री गुरदित सिंह पुत्र श्री हरनाम मिह, मकान
नं० 111/662, नानक नगरी, मोगा जिला
फरीदकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला देवी सिंगला पत्नी श्री तरसेम
चन्द, निवासी मकान नं० 1678, सैक्टर 33,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहुस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसन्धान

रिहायशी प्लाट नं० 33715 सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1516, अक्टूबर 1979 में
दर्ज है)।सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मौहर :

प्रस्तुत आई. टो. एन. एम. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अंतर्न मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/373/79-80—अन: मुझे, सुखदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ख के अंधीन मकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 49 (ग्रंथीनं० नं० बी-XVIII-1371)
है तथा जो न्यू माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अंधीन दिनांक 9-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यगत
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्दे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहाय्य के लिए
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या वन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संतुष्टि
के लिए;

(1) श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री किराया लाल निवासी 6/4,
नौहर नगर, लुधियाना

(अन्तरिक)

(2) श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री जीवन दाम 49, न्यू माडल
टाउन, लुधियाना।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों से ले किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

कोठी नं० 49 (ग्रंथीनं० नं० बी-XVIII-1371), न्यू
माडल टाउन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2994, सितम्बर 1979
में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

अन: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को नष्टकरा (1)
के अंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर:

प्रख्य आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

राजीवगंगा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/378/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर समति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- हपये से अधिक है
और जिस की सं० प्लाट 233 1/3 वर्ग गज है तथा जो
सन्दीप नगर, सिविल लाईन लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री
कर्सा अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-7-9
को पूर्वोक्त समति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रत्यन्तिरिक्त की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त समति का
उचित बाजार मूल्य, उपरे दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरान (प्रत्यन्तरिक्रिया) और प्रत्यन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
का, जिन्हें भारीत आयकर अधिनियम, 1922
(1922 ना 11) या उक्त अधिनियम, या
घनहार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या प्रा निया जाना चाहिए था, छिनाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन विमुक्तिवाले व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-106GI/80

(1) श्रीमती कुण्डा कुमारी पत्नी श्री नारायण बास
पुत्र श्री केशव नाथ निवासी मण्डी केसर गंज,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रशोक कुमार पुत्र श्री बारा राम पुत्र श्री
हरि राम, निवासी कुच्चा नं० 5, फील्ड गंज,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समति के अर्जन के
लिए जारीकारी करता हूँ।

उक्त समति के अर्जन के मन्त्रधर्म में कोई भी शाकेपः—

(क) इस विनाह रजिस्ट्री लाइन की तरीके से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूखना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में
मन्त्रधर्म होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर समति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणाकारी के पास लिखित
में लिए जा परेंगे।

टेलीकॉर्स:—इनमें रुक्त पद्धों और पर्सों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20-व में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उग्र अंग्रेयां में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 233 1/3 वर्ग गज जो कि सन्दीप नगर, सिविल
लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विजेष संख्या नं० 3039, सितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

मुख्य देव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

प्रलेप श्राई० टी० एन० एम०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरका०

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश मं० लुधियाना/375/79-80—अत. मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम', नाम भी है), की आयकर
269-घ के अंदी यथा गोपनीयी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की मं० प्लाट 400 वर्ग गज है तथा जो सन्दीप
नगर, मिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-1979
का पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य
पत्रिकात के दिन प्रनारित हो गए हैं और मुनि प्र० विश्वास करने
का कारण है कि वशापूर्वक सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य
उसके दृश्यमान पत्रिकात से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तराल (अन्तरालों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखि। उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में है किया आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधान कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचते में सुधिष्ठित
किए, १२/प्र।

(ब) ऐसी किया गया या किसी वा या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रनतरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या ग किया जाना चाहिए या छिपाने में
मुश्किल के रूप;

पर यह डाक प्र०, फै० १०८८३९-८ ने अनुवर्त्ता
में मैं, उक्त अधिनियम की गारा 269-घ की उपायारा (1)
अधीन, निम्नलिखि अवक्षियों, ग्रर्थातः—

(1) श्रीमती कृष्णा कुमारी पत्नी श्री नारायण दास
पुत्र श्री केदार नाथ निवासी मण्डी केसरगंज,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) मर्वशी चन्द्र प्रकाश और राकेश कुमार पुत्र श्री
बूरा राम, निवासी फील्ड गंज, कुच्चा नं० 5,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह युवता जारी रखने पूर्वोत्तम सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए
कार्यवाहियों रुरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के वर्षाना में कोई भी घाटेप्रा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वात् अवक्षियों पर
सूचना की वर्तील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम
अवक्षियों में से फिरी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्पोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट 400 वर्ग गज जो सन्दीप नगर, मिविल लाईन, लुधियाना
में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विवेक सख्ता नं० 3017 सितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर:

प्ररूप आई टी० ८२० प्रस०--

(1) श्री मुख्तियार मिह पुत्र श्री शेर सिंह श्री व्यारा
सिंह पुत्र श्री सोहन मिह निवासी गाव ममरालो
जिला लुधियाना ।

(अन्तरक)

2) श्री मनजत सिंह, गुरमुख मिह पुत्र श्री प्रताप
मिह पुत्र सुरजन मिह निवासी गाव संरा
तहसील लुधियाना ।

(अन्तर्स्ती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना /390/79-80—अत्. मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उत्तर बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिस का म० भूमि क्षेत्रफल 52 कनाल 16 मरले हैं तथा
जो गाव संसालों तहसील विला लुधियाना, स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रि-
करण अधिनियम 1908, 1908 का 16 के अधीन ता० 9 1979
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मरके यह विश्वास
करने का कारण है। इन यथाप्रकार सौ. तत्त्व न० ३१८८ दत्ता-
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रोत्तफल म०, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद यथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हूँ द्वारा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आन या किसी धन या अन्द्र आरितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाति चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन वें लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन: —

(ब) इस मूल्य के गान्धार में प्रकाशन की हारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस मूल्य के गान्धार में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 52 कनाल 16 मरले जो गाव मसराली
तहसील लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या न० 3114 मितम्बर 1979 ;
दर्ज है)

सुखदेव चन्द
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अन्ती, निम्नलिखित व्यक्तिया अर्थात् —

प्रश्नप्राई ० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेदण सं० लुधियाना/351/79-80—अतः मुझे सुन्ताक्षरेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 1/4 हिस्सा इमारत नं० बी 2-1555 है
तथा जो पंडत देस राज, नजदीक घंटा घर लुधियाना में;
स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची ; और पूर्ण रूप से
बरिष्ठ है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अनुच्छेद
दिनांक 9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्षहूँ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरगतिक्रिया में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दृई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन रूर देने के अन्तरक के कावित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
घैरुद्धा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने
में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित आक्षियों, प्रर्यातः—

(1) श्री प्यारा लाल पुत्र श्री माला मिह 2342,
अमकुपुरा लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार पुत्र श्री रामलाल निवासी
352, कुच्चा हरनाम दाम नजदीक गुरद्वारा
कलगोधर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी भी
अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयृष्ट होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा इमारत नं० बी-2-1555 जो कुच्चा पंडत
देसराज नजदीक घंटा घर लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2858 मितम्बर 1979
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुत प्राप्ति० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० सूचियाना 352/79-80—प्रसः मुझे सुखदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-उ
के अधीन संबंध प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी-2-1555 है तथा
जो पं० देस राजकुआ नजदीक घंटा घर, लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-1979
को प्रबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
याया याया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की जाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दें के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की आरा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की आरा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री प्यारा लाल पुजा श्री माला सिंह 2342 अमर पुर
लुधियाना। (अन्तरक)

(2) श्री जनक राज पुजा श्री राम लाल निवासी 352,
कुमार हरनाम दास नजदीक गुरुद्वारा कलगीधर,
लुधियाना। (अन्तरीती)

को वह सूचना जाए कि कहे प्रबोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबोक्त
अवक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य अधिकारी द्वारा प्रबोहस्तान्तरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी-2-1555, कूचा पंडत देस राज
नजदीक घंटाघर, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 2657 सितम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
संघम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

ਫਾਰੀਦ, ਨਾਭਾਵ ਅਤੇ ਕਰ ਪ੍ਰਾਪਤਿ (ਨਿਰੀਭਣ)

श्रीराजन रेज, श्रावकर भवन, लखियाना

लधियाना, दिनांक 15 मर्च 1980

निदेश सं० लुधियाना/558/79-80—अत मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रधीन मकान प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करते
का रारण है कि स्थावर समति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है
और जिस की स० 1/4 हिस्सा ईमारत न० बी-II-1555 है तथा
जो कूचापड़त देस राज लुधियाना में स्थित है (अग्र इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-1980

को पूर्वोंका सम्भवित के उचित बाजार मूल्य संकेत के दृष्टव्याना नहीं है तिरंगा रंग को गई है और सुधेर यह विश्वास करने लाया जाएगा है तिरंगा पूर्वोंका सम्भवित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टव्याना प्रतिक्रिया, ऐसे दृष्टव्याना प्रतिफल के अन्दरूनी प्रतिशत संबंधित है और अन्तरह (प्रनाली) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे आनंद के तिरंगा जागा गया प्रतिक्रिया निम्ननिम्नित उद्देश्यों के उत्तराना तिरंगा के दृष्टव्याना से जड़िया नहीं है।—

(क) प्रन्तरण न हुई हिसी प्राप्ति की वावत उक्त ग्रन्थितिरम, के प्रधीन रूप देने के अन्वरक के दायित्व में रहा रहने या उससे बचन में सुविधा र लिएः श्रीराम

ख। ऐसे किसी प्राव या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे सार्वत्रीय प्राप्ति अधिनियम, 1922 (1922 नं 11) या उक्त अधिनियम, या प्राप्ति अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशारजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में गुविधा है लिए,

अन्तः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिबिट वर्गितयां, अवृत्ति:-

- (1) श्री प्याग लाल पुत्र श्री माना सिंह 2342-मोहला
अमपुरा लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) श्री अशवनी कुमार पुत्र श्री राम लाल निवासी 352,
कुमार रोड, कूचा हरताम दास, लुधियाना
(अन्तरिक्तों)

को यह सुनना जारी करके पूर्वोक्त समानि के श्रज्ञन के लिए कार्यवाहिणा करता है।

उम्म राष्ट्रियता के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्रः—

(क) उम्मीदवारों के गणना में प्रभागित की जानीख से 45 दिन स्थिरता या नवर्णनधी व्यक्तियों पर सूचना की जानील से 30 दिन की अवधि, जो स्थिरता वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना ६ राजवाच में प्रत्यागत को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर वस्त्राति में हितबद्ध किसी प्रत्याक्षण द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरूपोकरण :- इसमें प्राकृत गवांओं और पशुओं, जो उनके प्रधिनियम के प्रधाराय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रधाराय में दिया गया है।

अनमती

1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी-II-1555 जो कूचा पछत देस राज तजदीक धंटा घर, लधियाना मे स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या न० 4782, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लधियाना

दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.—

(1) श्री प्यारा लाल पुत्र माला मिह निवासी 2342 मोहला
अमरपुरा लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माया देवी पत्नी श्री राम लाल निवासी 352
कामरन रोड, कुचा हरनाम दास लुधियाना
(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/484/79-80—अन्तः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
स के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. मेर अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी-JI-1555 है तथा
जो कुचा पंठत देस राज, लुधियाना में स्थित है (श्री इसमें उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही दियी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उसमें बचने में सर्विधा के लिए;
और/या

(म) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-स के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व को उपयाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
गांद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी-II-1555, जो कुचा पंठत देस
राज नजदीक घटाघर लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4021 नवम्बर 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्रलेप श्राई० ई० एन० एस०--
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश मं० लुधियाना/231/79-80—ग्रत मुझे, सुखदेव
चन्द

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिपक्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु० से अधिक है।

और जिस की सं० रिहायशी प्लाट नं० 2518 है तथा जो सेक्टर
35-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन दिनांक 9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से फ़रित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वापर, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्त आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसने अधिनियम, या
ग्रन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीत:—

- (1) श्री मुलक राज पुत्र श्री लक्ष्मी दाम निवासी मुबरातो
पारक, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
(2) श्री अर्जीत सिंह पुनू पुत्र श्री सुदागर सिंह निवासी
मकान नं० 202 सेक्टर 35-ए चण्डीगढ़, कर्ता ग्राफ
एच० य० एफ०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरमस्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा शैधोदृश्याक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचायित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 2518, सेक्टर 35-सी चण्डीगढ़
(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1354 सितम्बर 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/385/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० हिस्सा मकान नं० 212-बी 19 क्षेत्रफल है तथा जो नजदीक खालसा कालेज, सिविल लाईन लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उन पारा गता गता प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त प्रांतरण विवेत में वास्तविक रूप से कठित मर्दी किया गया है:—

(1) यी हरचरन सिह पुत्र श्री दियाल सिह 801/3, गऊलाला रोड, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्दर कौर पुत्री बखतावर सिह मार्क्ट श्री बखतावर सिह निवासी गांव डिसो खुरद तहसील लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्पद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्होंने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या उक्त अधिनियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पारोंजारी अन्तरिती द्वारा प्रहट नहीं किया गया या या निया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अतः, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्षियों अर्थातः:—

15-106GI/80

अनुसूची

हिस्सा मकान नं० 212 बी 19 क्षेत्रफल 290 वर्ग गज जो नजदीक खालसा कालेज, सिविल लाईन लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख मंद्या नं० 3064 सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्रलोग आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० चण्डीगढ़/230/79-80—आतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्बति जिप्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० न० 1261 हैं तथा जो सैकटर 35-सी-चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-1979 को

को पूर्वोक्त सम्बति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के बिना अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से हुई किसी आव रोकने की वावन, उक्त अधिनियम के प्रधीन रूप देने के अन्तरह के दायित्व में कमी होने या उक्त वरने में मुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी ही किसी आव या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नन्द लाल बाबा पुत्र श्री राम चन्द बाबा पैट्रोल पंप न्यू मार्किट भोपाल द्वारा स्वैशल अटारी डा० एम० पी० गुप्ता पुत्र श्री बाई० आर० गुप्ता निवासी 3086-20 डी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदेश गुप्ता पुत्री डा० एम० पी० गुप्ता बूथ नं० 69 सैकटर 35-सी चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता है।

उक्त सम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रतिधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी मविधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्बति में हित-बद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्तानकी के पाप निखित में लिए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधिकार 20-ह में परिचित हैं, वे वे अर्थ होगा, जो उक्त प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2161 क्षेत्रफल 482.62 वर्ग गज सैकटर 35-सी चण्डीगढ़।

(जायकाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1346 सितम्बर 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 2-बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 मई 1980

निर्वेश सं० जे० आर० 1/2836.9/मित० 79—अतः,
मुझे, ए० एच० तेजाले

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

ग्रौट जिला म० ए० न० 70, मौ० ड०००० ए० न० 798 है
तथा जो विले पार्ले (प०) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्री- करण अधिनियम
1908 का (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-1979
विलेख संख्या न० 1505/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पाछह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. डॉ० रणदिप ओ० शाह (अन्तरक)
2. श्री हरशद भागुभाई पटेल (अन्तरिती)
3. अनुसूची के अनुमार (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग
में सम्पत्ति है) ।
4. डॉ० रणदिप भागुभाई पटेल (वह व्यक्ति जिसके
बारे में प्रधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पद्धती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर तर्दों रु, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख न० ए०/1605/79 उप-
रजिस्ट्रार प्रधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1979 के रजि-
स्टर्ड किया गया है ।

ए० एच० तेजाले
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2, बम्बई
दिनांक: 22 मई 1980 ।
मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग
नोटिस
सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा—नवम्बर, 1980

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1980

सं० फ० 8/2/80 प० I (ब) —संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 11 नवम्बर, 1980 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जायेगी :—

पाठ्यक्रम का नाम	रिक्तियों की संभावित सं०
भारतीय सेना अकादमी, वेहराहून (जुलाई, 1981, में प्रारम्भ होने वाला 7 बां पाठ्यक्रम)	120 [एन० सी० सी० 'ग'
प्रधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास (अक्टूबर, 1981 में प्रारम्भ होने वाला 3 बां पाठ्यक्रम)	प्रमाणपत्र (सेना स्कंध) प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आरक्षित 32 रिक्तियों सम्मिलित हैं।
वायु सेना अकादमी ए० एफ० ए० सी०, कोयम्बटूर [जुलाई, 1981 में प्रारम्भ होने वाले 130वें एफ० (पी०) पाठ्यक्रम के लिये पाठ्यक्रम-नूर्त प्रशिक्षण]	55 (नी सेना विमानन के लिये 20 रिक्तियों सम्मिलित हैं) 160 30 [एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र] (वरिष्ठ प्रभाग वायु सेना स्कंध) धारियों के लिये आरक्षित 10 रिक्तियों सम्मिलित हैं।

नोट:—एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध)/(वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग) प्राप्त उम्मीदवार नीसेना अकादमी तथा अल्पकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) पाठ्यक्रमों की रिक्तियों के लिये भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि अभी तक उनके लिये इन पाठ्यक्रमों में कोई आरक्षण नहीं है अतः पाठ्यक्रमों में रिक्तियों को भरने के लिये उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को अभी भी एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण पत्र (सेना स्कंध)/(वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग) की परीक्षा अभी उत्तीर्ण करनी है, किन्तु अन्यथा वे आरक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हैं, तो वे भी आवेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध)/(वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग) की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि आयोग के कार्यालय में 30 जून, 1981 तक पहुंच जाए।

आरक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता की पात्रता के लिये उम्मीदवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर के सेना स्कंध के वरिष्ठ प्रभाग में सेवा के कम से कम 2 शैक्षणिक वर्षों वायु सेना स्कंध के वरिष्ठ प्रभाग में कम से कम 3 शैक्षणिक वर्षों का अनुभव होना चाहिए और आयोग के कार्यालय में

आवेदन-पत्र स्वीकार करने की श्रंतिम तारीख को उम्मीदवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर से मुक्त हुए 12 महीने से अधिक न हुए हों।

नोट II—भारतीय सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी पाठ्यक्रमों में आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये परीक्षा परिणाम के आधार पर प्रमुख प्राप्त एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र थल मेना स्कंध/वायु सेना स्कंध प्राप्त उम्मीदवारों के पर्याप्त मंद्या में न मिलने के कारण न भरी गई आरक्षित रिक्तियों को अनारक्षित समझा जाएगा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व, परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यचर्चा (ख) अकादमी/शाला में प्रवेश हेतु शारीरिक अमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी नी सेना अकादमी और अधिकारी प्रशिक्षण शाला और वायु सेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संभित्त सूचना के संबंध में क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट: परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर "उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका" में देखिए।

2. परीक्षा के केन्द्र: अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बंबई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिस्पुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोआ), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, श्रीमला, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम।

3. पात्रता की शर्तें:

(क) राष्ट्रिकता:

उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) भूटान की प्रजा हो, या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iv) तिब्बती शरणार्थी जो स्थाई रूप से भारत में रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थाई रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीन्या, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जाम्बिया, मलायी, जेरे तथा इथियोपिया और विस्ताराम से प्रवज्जन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), () और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिये यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिये वह पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार द्वारा वह उक्त प्रमाण पत्र प्राप्त करे।

(ख) आयु-सीमाएँ, स्त्री या पुरुष या वैवाहिक स्थिति—

- (i) भा० से० अकादमी नौ सेना अकादमी और वायु सेना अकादमी के लिये केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1959 से पहले और पहली जुलाई, 1962 के बाद न हुआ हो।
- (ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये: केवल वहीं पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1958 से पहले और पहली जुलाई, 1962 के बाद न हुआ हो।

नोट: जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिक्युलेशन/हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में सिखी गई हो।

(ग) शैक्षिक योग्यताएँ—

- (i) भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी और अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता।
- (ii) वायु सेना अकादमी के लिये भौतिकी और या गणित के माध्यमिकी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता।
- (iii) जो उम्मीदवार अभी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं, परन्तु, उनकी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण नीचे की तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंचाना होगा अन्यथा उनकी उम्मीदवारी रद्द मानी जाएगी।
- (i) भा० मे० अकादमी नौ सेना और वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिये 30 जून, 1981 को या उससे पहले।
- (ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिये 15 मितम्बर, 1981 को या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएँ हों, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समर्थन मान्यता प्राप्त हों वे भी परीक्षा में प्रवेश के लिये पात्र होंगे।

अपवाद की परिस्थितियों में, आयोग किसी रेसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएँ हों जिनका स्तर, आयोग के विचार से, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हों।

नोट I—ऐसे उम्मीदवार जिन्हे डिग्री परीक्षा में अभी अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हे नोट कर लेना चाहिए कि उनको दी गई यह विशेष छूट है। उन्हे डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बुनियादी अर्हता विश्वविद्यालय परीक्षा के दैर से आयोजित किये जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट II—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन में अपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जायेगी।

नोट III—विशेष सेवा अनाजप्तों को छोड़कर बाकी अनाजप्त नाविक (जिनमे किशोर और कारीगर, प्रशिक्षित मन्मिलित हैं), जिनकी अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा अनाजप्तों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके आवेदन पत्र तभी लिये जायेंगे जहां वे उनके कर्मांडिंग अफसरों के द्वारा निर्धारित अनुशासित हों।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क: रु० 28.00 (अनु-मूल्य जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिये रु० 7.00)। जिन आवेदन पत्रों के माध्यम यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जायेगा, उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट: आयोग, यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रवासन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूलतः व्यक्ति है जो अक्टूबर 1964 से भारत श्रीलंका समझौते के प्रस्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद

भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है।

6. आवेदन कैसे किया जायेः केवल सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा नवम्बर, 1980 के लिये निर्धारित पत्र में छपे हुए आवेदन-पत्र ही लिये जायेंगे जो इस परक्षा के नियमों के साथ लगे हुए हैं। आवेदन पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित स्थानों से प्राप्त किये जा सकते हैं :—

- (i) दो रुपए का मनिअडर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आडर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहाँ से डाक द्वारा।
- (ii) दो रुपये नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर।
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एसिया/सब एसिया मुख्यालय, एन० सी० सी० एक तथा नौ सेना तथा वायुसेना प्रतिष्ठानों के यहाँ से निःशुल्क।

मझे उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्थायित्व वाले श्रीदौगिक उपक्रमों या इसी प्रकार का संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सहकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंच जाये तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थाई हैंसियत से या कार्यभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवर्तन (अन्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

मशस्त्र सेना में काम कर रहे उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र अपने कर्मांडिंग अफसर के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पृष्ठांकन (दिखिये आवेदन प्रपत्र के भाग 'ख') को भर करके आयोग को भेजेंगे।

7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अन्तिम तारीख—

- (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों में 28 जून, 1980।

(ii) विदेश में या अण्डमान निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 11 अगस्त, 1980।

8. प्रलेख जो आवेदन के साथ भेजे जायें।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :

(i) रु 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिये रु 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आडर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी दिये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहाँ के भारत के उच्चायुक्त या राजदूत या विदेशी प्रतिनिधि के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें जिसमें वह "051 लोक सेवा आयोग" परीक्षा शुल्क के खाते में जमा हो जाये और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

(ii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिवत भरा द्वारा।

(iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० × 7 सें. मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में दिये गये निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

(iv) लगभग 11.5 सें. मी० × 27.5 सें. मी० आकार के बिना टिकट लगे दो लिफाके, जिन पर आपका पता लिखा हो।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा—अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के होने के बावेके समर्थन में, जहाँ उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिले के (किसी प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) सक्षम प्राधिकारी से परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपत्र में लिये गये प्रमाण पत्र की अभिप्राणित प्रसाणित प्रतिलिपि।

(ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :

(i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संघ या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से लिये गए प्रमाणपत्र की अभिप्राणित/प्रसाणित प्रतिलिपि

जिसमे यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि :

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :

(i) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर संचालक।

अथवा

(ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

(iv) सब-डिवीजनल अफसर अपने प्रधीनस्थ सब-डिवीजनल की सीमा तक।

अथवा

(v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वासन) कलकत्ता।

(ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित:—

श्रीलंका में भारत का उच्चायुक्त।

(ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित

भारतीय दूतावास, रंगून या जहां का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट।

(घ) भा० से० श्र० और वायु सेना अकादमी पाठ्यक्रम में अतिरिक्त रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पत्र (सेना स्कॉल्य) वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा :

यह विद्याने के लिए कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण पत्र (सेना स्कॉल्य) वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग है अथवा वह एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कॉल्य) परीक्षा में प्रवेश ले रहा है/प्रवेश ले चुका है, इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रतिलिपि ।

9 शुल्क की वापसी :—आवेदन के साथ आयोग को श्रदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीति की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए मुरक्कित रखा जा सकता है :—

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको आयोग में परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको

रु० 15.00 (अनुसूचित जातिया/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00) वापस कर दिया जायेगा। परन्तु यदि कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिग्री परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या डिग्री में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पायेगा तो उसके लिये शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जायेगी।

(ii) जो उम्मीदवार मई 1980 को समिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिए उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उसके मामले में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह जहरी है कि नवम्बर, 1980 की समिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 मार्च 1981 को या उससे पहले पहुंच जाए।

10. आवेदन प्राप्ति की सूचना :—इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जायेगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की अन्तिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले तो उसको प्राप्ति सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम:—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले भक्ति आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग में तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जायेगा।

12. परीक्षा में प्रवेश :—किसी उम्मीदवार की पात्रता या प्राप्तवता के सम्बन्ध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अन्तिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

13. कदाचार के बोधी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपायें। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हानत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर बदल न करें और न ही फेर बदल किए गए/गढ़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का बोधी घोषित होता है या हो चुका है :—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदबारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) अशुद्ध या असत्य बक्तव्य देना या महसूपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदबारी के सम्बन्ध में; किसी अनियत या अनुसूचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुसूचित तरीके अपनाये हों, या
- (viii) उत्तर पुस्तिका (ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटनाकार किया हो,
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (xi) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी [या किसी कदाचार की ओर प्रवृत्त होना या ग्रामीण [आयोग को उत्सेजित करना। वह अपने को दण्ड अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त :—]
- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदबार है, उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है; अथवा
- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा का चयन के लिए;
- (ii) केत्र सरकार द्वारा उनके आदीम किसी नियुक्ति के लिये स्थाई रूप से या कुछ निविष्ट भवधि के लिये अपवर्जित किया जा सकता है; और
- (ग) अगर वह पहले से सरकारी मौकरी में हो या उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

14. मूल प्रमाण पत्र-प्रस्तुतीकरण—जो उम्मीदबार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार के लिये योग्यता प्राप्त करते हैं, उनको लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अपनी आशु, सेकिन मोम्पता आवि के समर्थन में मूल प्रमाण पत्र बल सेना मुख्यालय ए० जी० शासा भर्ती निवेशालय को प्रस्तुत करने को कहा जायेगा। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः जनवरी, 1980 में घोषित किया जा सकता है।

15. आवेदन के समझ में पत्र व्यवहार—आवेदन के संबंध में सभी पत्र व्यवहार सचिव, सभ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर फरना चाहिये और उसमें निम्नान्वित विवरण प्रवर्त्य होना चाहिए।

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना।

- (3) रोप नम्बर, या जन्म की तारीख (अगर रोप नम्बर नहीं मिला हो)।
- (4) उम्मीदबार का नाम (पुरा और नाफ लिखा हुआ)।
- (5) पत्र व्यवहार का पता, जैसा आवेदन पत्र में दिया है।

व्यापक बैंड—(i) जिन गतों के साथ ऊपर का अंगों नहीं होगा, ही सकता है, उस पर कोई कार्रवाई न हो।

- (ii) यहि' किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदबार से पत्र व्यवहार प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पुरा नाम और अनुक्रमक नहीं दिया गया है तो उस पर व्यापक नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

16. पते में परिवर्तन—उम्मीदबार को इस बात की व्यवस्था कर देनी चाहिये कि उसके आवेदन पत्र में विये पते पर भेजे जाने वाले पत्र आवि भावधारक होते पर उनके नये पते पर भिजवा दिये जायें। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशील सूचित कर देना चाहिये।

मेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये आयोग द्वारा अनुशासित उम्मीदबारों ने अगर परीक्षा के लिये आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तस्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० शास्त्र रिकूटिंग, ८ (ए० पी०) (ई०) (ii) वेस्ट ब्लाक ३, विंग १, राम-कृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिये। जो उम्मीदबार इन आवेदनों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये सम्मन पत्र न मिलने पर अपने भास्त्रे में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।

यथापि आविकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पुरा पुरा व्यापार बैते हैं फिर भी इस सम्बन्ध में वह अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ने सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदबारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पूछनाएँ—जिन उम्मीदबारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये अनुशासित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० शास्त्र रिकूटिंग, ८ (ए० पी०) (ई०) (ii) वेस्ट ब्लाक ३, विंग १, राम-कृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 और वायु सेना के उम्मीदबारों के लिये वायुसेना मुख्यालय पी० जी० ३ नई दिल्ली के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदबारों को साक्षात्कार के लिये भेजे गये सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करती है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बन्ध अनुरोध पर केवल यथार्थ वरिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जायेगा जिसके लिये निर्णयिक प्राधिकरण सेना मुख्यालय/वायु सेना मुख्यालय होगा।

विभिन्न मेवा चयन केन्द्रों पर सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु बुलाये गए उम्मीदबार अपने साथ निम्नलिखित बस्तुएँ लाएंगे:—

- (क) सफेद कमीज में पासपोर्ट आकार फोटों की 6 प्रतियाँ।
- (ख) बिस्टर और कम्बल (मौसम के अनुसार)।
- (ग) सफेद कमीजों और हाफ पैटों के दो जोड़े।
- (घ) एक बोडी, पी० टी० के सफेद गूते और वां जोड़े सफेद मौजे।
- (ङ) पैटों और कमीजों के दो जोड़े।
- (च) फाउटेन पेन, स्पाही और पेसिल।
- (छ) बूट पालिस और सफेद बैंडों।
- (ज) एक मञ्चरखानी।

18. निखित परीक्षा के परिणाम भी घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का मासाक्षात्कार, अनिम परिणाम की घोषणा और अनिम रूप से योग्य पाये गये उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश—

सद्व लोक सेवा आयोग, निखित परीक्षा आयोग में नियम पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। वे उम्मीदवार उन सभी प्रथिक्षितों के लिये जिन के लिये उन्होंने अर्हता प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिये सेवा चयन बोर्ड का सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीदवार आई० एम० ए० (टी० ई०) कोर्स और/या नौ सेना (एस० ई०) और/या वायु सेना अकादमी कोर्स की निखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करते हैं, वाहे के एस० एम० सी० (ए० टी०) कोर्स के लिये अर्हता प्राप्त करे या नहीं, उनकी मार्जी/प्रप्रेन, 1981 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जायेगा और जो उम्मीदवार क्षेत्र एम० एम० सी० (एस० टी०) कोर्स के लिये अर्हता प्राप्त करते हैं उनको जून/जुलाई, 1981 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जायेगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर प्रपत्री भी जोखिम पर अहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उनके दौरान या उसके फलस्वरूप प्रगत उनको कोई चोट पहुँचती है तो उसके लिये मरकार की ओर से कोई शतिरूपि या महायता पाने के लिये हकदार नहीं होगे, वाहे वह किसी व्यक्ति को लापरवाही में हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों को आवेदन पत्र के साथ मालग्र प्रपत्र में इस आयोग के एक प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृत हेतु उम्मीदवारों को (i) निखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग अलग न्यूनतम अर्हक अक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके नियमों के अनुसार, नियित किये जायेंगे। निखित परीक्षा तथा में ज० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यता अम से रखा जायेगा। अलग अलग उम्मीदवारों का परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किये जाये, इस बात का नियम आयोग प्रवेश आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना अकादमी/नौसेना अकादमी/वायु सेना अकादमी या अधिकारी प्रशिक्षणशाला में, जैसी स्थिति हो, प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अलिम चयन शारीरिक आमता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के अतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की सक्षमा को दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जायेगा।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये अनर्हताएँ—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सेना अकादमी, वायु सेना उड्डयन महाविद्यालय, नौसेना अकादमी, कोचीन और अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुसासनिक आधार पर वहां से निकाल दिये गये हैं, उनको भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी, वायु सेना अकादमी या अलसेना में अल्पकालिक सेना कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना अकादमी में योग्यता लिया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एफ्टी नेवल कैडेट्स के रूप में पहले चुन लिया गया हो, पर बावर में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से योग्यता लिया गया हो, वे भारतीय नौसेना में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, ए० सी० सी० तथा स्मातक पाठ्यक्रम से योग्यता लिया गया हो, उनके बारे में यह सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों का एक अप्रियार्थी में अपेक्षित लक्षणों में अभाव के नारण ए० सी० सी० व्या भ्नातक पाठ्यक्रम से पहले वापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

20. भारतीय सेना अकादमी/नौसेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध—भारतीय सेना अकादमी और नौसेना अकादमी या वायु सेना अकादमी के पाठ्यक्रम के उम्मीदवारों को इस बात का व्यवत होना है कि जब तक उनका मार्ग प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, सब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार प्रवेश आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जायेगा, चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षणशाला में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जायेगा और उस पर सरकार न जी पैमा छर्च किया है, वह सब उससे बसूल किया जायेगा। अल्पकालिक सेवा कमीशन (ए० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई भी उम्मीदवार

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या जादी के लिये सविदा कर ली हो जिसकी पहले से कोई जीवित पति है, या पा

(ख) जिसने, पहले से जीवित पति-पत्नी लौटे रुग्न भी किसी परीक्षा में शादी की हो या शादी के लिये मविशा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रवृत्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु, यदि केन्द्रीय मरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिये और जादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिये नागू व्यवितरण कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के अन्य ठोन कारण है तो वह किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन से छुट दे सकती है।

21. भारतीय सेना अकादमी/नौसेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय अव्याप्ति—भारतीय सेना अकादमी/नौसेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होगे। भारतीय सेना अकादमी/नौसेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अनिम रूप से उसका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भा साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जायगी।

22. बौद्धिक परीक्षण सम्बन्धी सूचना, रक्षा मत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान निदेशालय) ने “सेवा चयन बोर्ड में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन” (ए स्टडी एटेनिजेन्स टेम्प्ट कोर्स आफ कॉलेज एट नॉवेंशन बोर्ड) शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप और स्वभाव के परिवर्तन हों जाए।

यह सम्मूल पुस्तक प्रकाशन है और विक्री के लिये प्रकाशन नियामण, मित्रिव लाइस्न, दिल्ली-110054 के यहां मिल सकती है। डाक द्वारा आदेय देकर या ननद भुगतान के द्वारा उनसे यह सीवे प्राप्त की जा सकती है। केवल नकद भुगतान के द्वारा यह (i) किताब माल, रिक्विडी मिलना के मामने, एम्पोरियम बिल्डिंग, सी० ड्वारु, बाबा ब्रह्मगम्भीर मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) उद्योग मन्दिर की प्रकाशन शाखा, उद्योग मन्दिर, नई दिल्ली-110001, (iii) भारत मरकार पुस्तकालय, 8 के० एस० राय राड, कलकत्ता 700001 पर भी मिल सकती है।

23. जिन पुस्तकाओं में नियमावली तथा मिलनी परीक्षाओं के प्रण एवं पत्र का व्यौग सम्मिलित होता है उनके बारे में सूचना—सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई 1978 म इस परीक्षा को योग्यता में सम्मिलित यसी प्रश्न-पत्रों के लिये वस्तुपूर्ण प्रश्न के लागू किये जाने

पर इस परीक्षा के लिये नियमावली और प्रश्न पत्रों महिल पुस्तकों का मुद्रण बन्द कर दिया गया है। किन्तु जिन पुस्तकों में नियमावली तथा नवम्बर, 1977 में हुई, सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा तक पिछली परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का अपेक्षा सम्मिलित है, उनकी विशेष प्रकाशन नियस्तक, सिविल लाइन्स, विल्सोन-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से भेज आँडर अप्रवान नकद भुगतान हारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किलाब महल, रिवोली चिनेमा के सामने एस्पोरियम बिल्डिंग 'सी' ब्लॉक, बाबा खड्गसिंह मार्ग, नई विल्सोन-110001 (ii) प्रकाशन शाखा का विशेष काउंटर, उद्योग भवन, नई विल्सोन-110001 और (iii) गवर्नरेंट आफ हॉटेल बुक लिपो, 8-के० एस० रोड, कलकत्ता-700001 से भी नकद पैसा देकर घरीदा जा सकता है। ये पुस्तकाएँ विभिन्न मुफ्कस्तिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से प्राप्त की जा सकती हैं।

प्रार० एम० अहलुवालिया, उप सचिव

परिणाम-I

(परीक्षा की घोषणा, स्तर और पाठ्य-विवरण)

क. परीक्षा की घोषणा

1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा :—

(क) नीचे के पैरा 2 में निविष्ट रीति से लिखित परीक्षा,

(ब) उन उम्मीदवारों का दुष्कृति और अक्षितगत परीक्षण (इस परिणाम-I के भाग ख के अनुसार) के लिये साक्षात्कार किन्तु किसी भी एक सर्विसेज सेवेशन सेंटर में नाशकात्कार के लिये बुलाया जाय।

2. लिखित परीक्षा के विषय उनके लिये दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिये नियत अधिकतम निम्नलिखित होंगा :—

(क) भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. प्रमेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घंटे	100

(ख) नौसेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
<u>अनिवार्य</u>		
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
वैकल्पिक		
* 3. प्रारम्भिक गणित या प्रारम्भिक भौतिकी	2 घंटे	100
* 4. गणित या भौतिकी	2 घंटे	150

*जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लेंगे उन्हें जीवे प्रश्न पत्र में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें जीवे प्रश्न पत्र में गणित विषय लेना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षण शामा में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100

(घ) वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1	2	3
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
3. प्रारंभिक गणित	2 घंटे	100
4. गणित या भौतिकी	2 घंटे	150

नियित परीक्षा और साक्षात्कार के लिए जो अधिकतम अंक नियत किए गए हैं वे प्रत्येक विषय के लिए भास्तान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकादमी नौसेना अकादमी अफर ट्रेनिंग स्कूल और वायु सेना अकादमी में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिए नियत अधिकतम अंक क्रमांक 300 450 200 और 450 होंगे।

3. ममस्त विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जायेंगे।

नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिणाम-V पर उम्मीदवारों को सूचना विवरणों में देखिए।

4. प्रश्न-पत्रों में जहाँ भी आवश्यक होगा केवल तोल और माप की मीठी पढ़ति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए सिखने वाले की सहायता मुझम नहीं की जायेगी।

6. परीक्षा के एक या भी विषयों के अहें अंकों का निर्धारण आयोग की विवाद पर है।

ख. परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

स्तर :

प्रारंभिक गणित के प्रश्न-पत्रों का स्तर मैट्रिक्युलेशन परीक्षा का होगा, प्रारंभिक भौतिकी के प्रश्न-पत्र का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

अन्य विषयों में प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी मारतीय विषयविद्यालय के स्तानक से अपेक्षा का जा सकता है।

इनमें से किसी भी विषय में प्रायोजिक परीक्षा नहीं होगी।

पाठ्य विवरण

अंग्रेजी

प्रश्न-पत्र इस प्रकार होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों की जीवे की परीक्षा ली जा सके।

सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसाधारिक घटनाओं और दिन प्रतिविन बेले और अनुभव किए जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति ने अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। प्रश्न-पत्र में भारत के हतिहास और भूगोल में संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को, उन विषयों का विशेष अध्ययन किए, बिना देना आहिए।

प्रारम्भिक गणितअंक गणित

संख्या पद्धतियाँ—धनसूर्ण संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय और घास्तविक संख्यायें, मूल संक्रियायें—जोड़, घटाना, गुणन, और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव पिण्ड।

ऐकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतता साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विचारण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त—विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्यायें, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्त्य और गुणन खण्ड/गुणन खण्डन प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा समृद्धतम समापवर्तक, युक्तिलड़ की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगुणक, लघुगुणक के नियम, लघुगुणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

आधारसूत संक्रियाएँ—साधारण गुणन खण्ड 1 शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समोपवर्त्य सिद्धान्त। द्विघत समीकरणों का हल, इसके मूलों और गुणांकों के बीच सम्बन्ध। (केवल घास्तविक भूल पर विचार किया जाए)। दो अज्ञात राशियों में युगपत ईखिक समीकरण—विभिन्नेषण और आपाक सम्बन्धी हैं। दो चरों में युगपत ईखिक असमिकाएँ और उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत ईखिक समीकरण या असमिकाएँ बनती हैं या एक चर में द्विघात, समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय साधा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यक्ति के साथ सप्रतिवर्धता तदसमक घासांक मियम।

त्रिकोणमिति :

ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X जब $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$ ।
ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X का मान क्योंकि $X = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$, और 90° सरल त्रिकोणमितिय सत्त्वमक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।
अचाहियों और द्वितीयों के सरल कोश।

ज्यामिति :

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति: निम्नलिखित पर प्रमेयः—(i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) समानांतर रेखाएं, (iii) किसी विभूज की भूजाएं, और कोण, (iv) विभूजों की समर्थन-समता, (v) समरूप विभूज, (vi) मध्यिकाओं और शीर्ष सम्बन्धों का संग्रहण, (vii) समानांतर अतुर्भुजों, आयत और वर्ष के कोणों, भूजाओं के विकल्पों के गुण धर्म, (viii) वृत्त और उनके गुण धर्म/जिसमें, स्पर्श रेखा, तथा अभिन्न भी शामिल हैं, (ix) स्थानिक संघक।

विस्तार कलन:

वर्गों, आयतों, समानांतर चतुर्भुजों, विभूजों और वृत्तों के क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं।

(अंतर्वर्ती) घनमांसों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/वृत्तीय घनमांसों और बेलों का पार्श्व-ठुड़ाय तथा आयतन/घोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

सांकेतिकी :

संचितकीय तत्त्वों का संग्रहण तथा आरणीय। आसेस्टी निरूपण वारदाता बहुभूज आयत चित्र गणका चार्ट पाई चार्ट आदि के द्वारा प्रवृत्ति के माप रेखाओं के बीच की।

प्रारम्भिक भौतिकी

(क) **विस्तार कलनः—**मापन के मात्रक, सी० जी० एस० और एम० के० एस० मात्रक। आत्रेय और संदिग्ध। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के अधीन अहंकुरेशीय गति। न्यूटन के गति नियम। बल की संकल्पन। बल के मात्रक। मात्रा और भार।

(ख) **पिंड का बल विज्ञानः—**गुरुत्व के अधीन/समानांतरण बल। गुरुत्व केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मरीनिंग अनुपात आनत समतल/पत्र और गिरने सहित विभिन्न साधारण मरीनिंग/प्रथंग, बर्धणकोण, धर्षण, गुणांक कार्य, पक्षित, और ऊर्जा/स्थितिज और गतिज ऊर्जा।

(ग) **तरल गुणधर्म—**द्वाव और प्रणोड़/वास्कल का नियम। आकृमितीज का नियम। घनत्व और विशिष्ट गुरुत्व पिंडों और विशिष्ट गुरुत्वों को निर्वाचित करने के लिए आकृमितीज के नियम का उपयोग। ज्ञानवन का नियम के गत द्वारा प्रयोग में लाये गये दाव का मापन। घायल नियम/बायु पर्याप्त।

(घ) **तापः—**पिंडों का रेखिक विस्तार और द्रव्यों का घनाकार विस्तार। द्रव्यों का घास्तविक तथा आभासी विस्तार। द्रव्यार्थ, नियम परमधर्म वायल और चार्ल्स नियम, पिंडों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप, कैलो-रीमित/ताप का संचरण, धातुओं की ताप सबाहकृता। स्थिति परिवर्तन। मंसवन और वाष्णव की गुण ऊर्मा। एम० बी० पी० नमी (आंत्रिता ओर्मांक और आपेक्षिक आद्रता)।

(ङ) **प्रकाशः—**अहंकुरेशीय संचरण। परावर्तन के नियम। गोलीय धर्षण, अवर्तन, अवगतन के नियम, लैन्स, प्रकाशिन यंत्र और प्रक्षेपित, पारापार विवरणीय दूरदृशी, सूधामदर्शी, वाइनीकगुलर तथा परिवर्ती। प्रिंग, प्रकीर्ण के माध्यम से अपवर्तन।

(च) **छविनिः—**छवनि सञ्चरण, छवनि परावर्तन, अनुनाश। छवनि का अधिलेखन।

(छ) **चुम्बकत्व तथा विद्युतः—**चुम्बकत्व के नियम, चुम्बकीय ध्रुव चुम्बकीय बल रेखाएं, पारिपक्ष चुम्बकत्व। चालक और रोधी। ओमनियम, पी० बी० प्रतिरोधक विद्युत् चुम्बकीय बल, थ्रेणी पार्श्व में प्रतिरोधक। विभवमापी विद्युत् चुम्बकीय बल की तुलना। विद्युत् धारा का चुम्बकीय प्रभाव चुम्बकीय ध्रुव में सबाहकृता। फलेंग का दाम हस्तनियम। मापक यत्र-धारामापी ऐपीटर, वोल्ट/मीटर, बाटमीटर, विद्युत् धारा का रासायनिक प्रभाव, विद्युत् लप्त, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, केराडे नियम, बेसिक ए० सी० तथा ई० सी० जनित्र।

भौतिकी1. परावर्त के सामान्य गुण और वातिकी

यूनिटें और विमाएं, स्केलर और बैक्टर, मात्रायें, जड़त्र, आचूर्ण, कार्य ऊर्जा और संवेग। यांत्रिकी के मूल नियम, चूणी गति; गुरुत्वाकर्पण सरल आवर्त गति, सरल और असरल लोनक, प्रथास्थता; प्रष्ठ तनाव। द्रव की गतानता, रोटरी पर्याप्त।

2. छवनि

अवधारित, प्रणोदित और मक्कन कम्पन, तरंग गति, डाल्सर प्रभाव ध्वनि तरंग वेग, किसी गैस में ध्वनि के वेग पर दाढ़, तापमान और/आइंसा का प्रभाव, झारियों, द्विलियों और गैस स्टम्पों का कम्पन, अनुवाद विस्तृद, स्थिर तरंग। ध्वनि का आवृत्ति वेग तथा तीव्रता। पराश्वय के मूल तरंग। ग्रामोफोन, टार्कीज और लाउड स्पीकर के प्रारम्भक मिलात।

3. ऊष्मा और ऊष्मा गतिविधि

तापमान और उम्मका भापन, तापीय प्रमाण, गैसों में समतापी तथा हवाओं परिवर्तन। विशिष्ट ऊष्मा और ऊष्मा चालकता; द्रव्य के अनुगति सिद्धांत के तरंग; बोल्टममत के वितरण नियम का भौतिक बोध, बांडरवाल का अवस्था समीकरण, जूल थार्मसन प्रभाग, गैसों का इव्वण; ऊष्मा इंजन; कार्नोटप्रमेय, ऊष्मागतिविज्ञान के नियम और उनका सरल अनुप्रयोग। कृष्णिका विकिरण।

4. प्रकाश

ज्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग, समतल और गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और अवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में गोलीय और वर्णिक वीय और उनका तिवारण। नेत्र और अन्य प्रकाशिक यंत्र प्रकाश का तरंग गिरावंत, अविकरण।

5. विद्युत् और घूम्यकात्व

विद्युत् क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रव्य के वैश्वत् और चुम्बकीय गुण धर्म, हिस्टोरिसिम सुम्बकीलिश और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत् धारा में उत्पन्न चुम्बकीय ध्रेत्र; मूलिंग मेनेट एंड मूलिंग क्षायल गैसबेनीस्टर; द्वारा और प्रतिरोध का मापन; सिएक्टिव रॉकेट प्रिमेंटम के गुण धर्म और उनका नियरिंग, ताप विद्युत् प्रभाग, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, प्रथावर्ती धाराओं का उत्पादन। ट्रायफ्कार्डर और मोटर; हैलैन्ट्रानिक वाल्व और उनके गरल अनुप्रयोग।

6. आधुनिक भौतिकी

ओर के परमाणु मिलात के तरंग, इन्फ्रारेंग, गैसों द्वारा विद्युत् का, विसर्जन, कथोडर। रेडियोएक्टिवता, कूलिंग रेडियो एक्टिवता, आइसोरोप विलंबण और समयत की प्रारम्भक धारणा।

1. वीजगणित :

गणित

गम्भीर्यों का वीजगणित सबध और फलन, घनत का प्रतिलोभ, समुक्त फलन, तुल्यता संबंध, परिमेयसूचकांक के लिए द-मौयवर का प्रमेय और उसका गरल अनुप्रयोग।

2. मैट्रिसेम: मैट्रिसेम की वीजक्रिया, सारणिक सारणिकों के सरल गुण, सारांशिकों के गुणनफल, महत्वाङ्ग-जाग्युन; मैट्रिसेमों का प्रतिलोभन, मैट्रिक्स वी जाति। रेखिक समीकरण के एव निकालने के लिए मैट्रिसेमों का अनुप्रयोग (तीन अव्वात रांभांवों में)।

3. विशेषिक ज्यामिति:

द्विम की विशेषिक ज्यामिति: सरल रेखाएं, सरल रेखाओं वी जीड़ी, वृत्त, वृत्त निकाय, परकल्य, दीवृत्त अलिप्तरिकल्य (मुळय अंशों के संक्षेप में)। द्विमीय अंश समीकरण का मानक रूप में लघुकरण। स्पॉन-रेखाएं और अभिलब।

क्षितिम की विशेषिक ज्यामिति:

समतल, सीधी रेखाएं और गोलक (केवल बार्तीय मिरेंसांक)।

4. कलन (केलकुलस) और विभिन्न समीकरण:

अवकल गणित : सीमान्त की संकल्पना, वास्तविक अटकलन का

मात्रत्व और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उत्तरोत्तर अवकलन गोन का प्रमेय। मध्याभाव प्रमेय; मैपलारिस और टेलर सीरिज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिमेय। सूचकांकों के लिए द्विप्रमाणण अव्वांतांकी प्रमाणण, मूलगणकीय लिकोण विलीय और अति परकल्पिक फलन। अनियरित रूप। एकल चर फलन का उचित्पट और अल्पिष्ठ, स्पर्शरेखा, अभिलम्ब, अधौलम्ब, अन्तस्पर्शी वक्रका (केवल बार्तीय निर्देशांक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग। ग्रन्तनेप, आंशिक अवकलन। समार्थी फलनों के सम्बन्धित आयनर प्रमेय।

समाकलन गणित—समाकल; की मानक प्रणाली। मतत फलन के

निश्चित समाकलन की रीमान—परिभाषा। समाकलन गणित के मूल निष्ठान। परिसीधन, थेट्रकलन, आयनर और परिक्षण ज्ञानकृति का पूर्णीय क्षेत्रफल। संख्यात्मक समाकलन के बारे में मिम्पसन का नियम।

अवकल समीकरण: प्रथम कोटि के मानक अवकल समीकरण का हल

निकालना। नियम गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चसर कोटि के रैखिक समीकरण का हल निकालना। बृहि और क्षय की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग, सरल हारमोनिक स्पन्नरेण। साधारण पेन्डलन और समीदिध।

5. यांत्रिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)।

स्थिति विज्ञान:—समतलीय तथा मगामी बलों की साम्प्रदास्था की स्थिति। साधारण तत्त्वों के गुरुत्व केन्द्र। स्थितिक धर्मण, साम्प्रदास्थण और सीमान्त धर्मण। अर्थण कोण। रूप आनत समतल पर के कण की साम्यावस्था। कल्पित कार्य (वो आयामों में)।

गति विज्ञान : शुद्ध गति विज्ञान—वेग का त्वरण, वेग, चाल और विस्थापन, आपेक्षित, वेग। निरन्तर त्वरण की अवस्था में सीधी रेखा की नति। न्यूटन गति संबंधी तिदात। केन्द्र कक्षा। मरल प्रमवदा गति; (नियति में) गुणवास्था में गति। आवेग कार्य और ऊर्जा, रैखिक संवेग और ऊर्जा का संरक्षण। समान बतुल गति।

6. गांधियकी—प्रायिकता—प्रायिकता की गास्त्रीय और सांख्यकीय

परिभाषा, सबव्यात्मक प्रणाली की प्रायिकता का परिकलन, योग एवं गणन प्रमेय, भव्रतबंध प्रायिकता। आधुनिक चर (विवित और अविवित), अन्तर्य, फलन, गणितीय प्रत्यायां।

मानक वितरण : द्विपद वितरण, परिभास, माध्य और प्रमाण,

बैयम्य सीमान्त रूप मरल अनुप्रयोग। व्यासों वितरण परिमापामध्य और प्रतिरण, योग्यता, उपवश्य आंकड़ों में व्यासों बटन का सम्बन्ध। सामान्य वितरण, सरल नमानुपात और मरल अनुप्रयोग, उपवश्य आंकड़ों में सामान्य में प्रमामात्र बटन का सम्बन्ध।

दिव्यर वितरण:—सह संबंध, वी चरों का रैखिक समाश्रवण, सीधी रेखा का सम्बन्ध, परवन्यिक और चलवातीकी, वक्र, मह मर्वंधित गुणांक के नुग।

मरल प्रतिवर्षी वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परोक्षण थाहू-जिल्लक प्रतिवर्ष (सांख्यकी, प्रतिवर्षी बटन और मानक त्रूटि। मध्य पदों के अत्तर की अर्थवता के परीक्षण में प्रमामात्र टी०, सी० एवं आई० (CH₃)₂ जैसे एफ० का सरल वितरण।

टिप्पणी : उम्मीदवारों को वी विषयों—स० ५ यांत्रिकी और स० ८ सांख्यकी—में से किसी एक विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का विपरीत होगा।

शुद्धि तथा अविनिवं परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी शुद्धि की जाच करने के लिए माकात्कार के अतिरिक्त मौद्रिक शया निखित शुद्धि परीक्षा भी जाएगी। उनके सुप परीक्षण भी किए जाएंगे जैसे शुप परिवर्चा, सुप योग्ना, बहिरंग शुप कार्यकलाप तथा उन्हें निरिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये मधीय परीक्षा उम्मीदवारों की मेष्टाइक्टिं की जाच के लिए हैं। मोटे तौर पर यह परीक्षण वास्तव में न केवल उनके बोद्धिक गुणों की जाच के लिए है अपितु इसमें उनकी गामातिक विशेषताओं तथा सामरिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी की भी पक्षा आवेद्या।

परिणाम II

(अकादमी/स्कूल में प्रवेश के लिए स्वास्थ्य का मानक)

टिप्पणी—उम्मीदवारों का निर्वाचित स्वास्थ्यता मानक के अनुमार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। स्वस्थता मन्वन्धी मानक नीचे बढ़ाए गए हैं।

बहुत में अहंताप्राप्त उम्मीदवार बाद में अस्वस्थता के आधार पर अस्वीकृत कर दिया जाते हैं अतः उम्मीदवारों के अपने हित के लिए मनहानी जाती है कि अन्त में निराशा से बचने के लिए उन्हें अपना आदेन-पन्न भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जाच कर लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित बहुत से उपयुक्त उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी। जी उम्मीदवार मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसको अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर दिए जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निकाला जाएगा कि उम्मीदवार अनियन्त्रित रूप से चुत लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुपयुक्त या अस्थायी रूप से अनुपयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हें स्वस्थता प्रमाण-पत्र अर्जित प्रस्तुत करने की कार्यविधि के माध्यम सूचिस कर दिया जाता है। मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को अपने हित में परामर्श दें कि यदि उनकी शुद्धि अपेक्षित स्तर की न हो तो बिंवा चयन बोर्ड द्वारा माकात्कार स्वास्थ्य-परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें अपने माथ संसोधक ऐनक लानी चाहिए।

1. अकादमी/स्कूल में प्रवेश के लिए उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य शिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अणकता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो।

2. किन्तु निम्नलिखित बातों के मन्वन्धी में तमस्ती कर ली जाएगी।

(क) बामजोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या स्फूलता तो नहीं है।

(ख) हड्डियों और संधियों का कुविकाम तो नहीं हुआ है और उन में किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणी 1:—अल्पविधित ये व पर्युक्त याने उम्मीदवारों को भी स्वस्थ माना जा सकता है यदि उसमें उक्त रोग के नक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही में इस दोष का उल्लेख छोटी-मोटी अणकता के हृप में कर दिया जाएगा।

टिप्पणी 2:—विकाम में कमी न हो इसके लिए रीड की हड्डी का एक्सरे किया जाएगा।

(ग) बोलने में तो बाधा नहीं पड़ती है।

(घ) सिर की रचना में तो बोय नहीं है या खोयड़ी की हड्डी टूटने या दबने से विकृपता तो नहीं आ गई है।

(क) कम सुलाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान यह तो नहीं रहा है या रोयग्रस्त तो नहीं है। टिप्पणीक प्रमाणैन में कल्पना जब्त तो नहीं है या उप्र या पुराना मध्य कर्ण शोष के लिए तो नहीं हुआ है।

टिप्पणी—यदि कान के पर्दे का छेद पूरी तरह से भर गया हो, इसको और शक्ति न पहुंची हो तब युनाई ठीक पड़ता हो सौ इस अवस्था को थल सेना के लिए उम्मीदवार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।

(च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज पानिपस तो नहीं है अथवा नासाप्रसन्नी या सहायक कोटी का कोई रोग तो नहीं है।

टिप्पणी—नामा पट के लाटे अलमणी ऊर्धवात्र छेद के कारण उम्मीदवार को एक बम अस्वीकृत नहीं किया जाएगा बरत ऐसे मामलों वी जांच और मत के लिए कर्ता विज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

(छ) गर्दन या शरीर के अन्य भागों की प्रत्यार्थी बड़ी हुई तो नहीं हैं और धाराहर ग्रथि सामान्य है।

टिप्पणी—तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के 'लिए [किए] गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं बल्कि कि गत 5 वर्षों में सक्रिय रोग न हुआ हो सो छाती लाक्रिनिक जाच तथा एक्सरे करने पर रोग मुक्त पाई जाए।

(ज) गले, सालू, टोमिन या मसुड़ों का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी अस्वीकृति की सामान्य प्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या छोट तो नहीं है।

टिप्पणी—यदि वार-वार टोमिन शोध होने का कोई वृत्त न हो तो टोसिलो की अतिवृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती।

(झ) हृदय तथा रक्त वाहिकाओं का क्रिया सम्बन्धी या अंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।

(ञ) फेफड़ों की तपेदिक या इस बीमारी का पूर्ववृत्त या फेफड़ों की कोई जीण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

(ट) जिगर और तिल्ली की किसी विलक्षणता महिल पाचक तत्व के किसी रोग का चिह्न तो मही है।

(ठ) वंकण हर्निया सो नहीं है या उसके होने की प्रवृत्ति तो नहीं है।

टिप्पणी—(i) वंकण हर्निया (जिसकी गत्य चिकित्सा न की गई हो), अस्वीकृति का कारण होता।

(ii) जिनका हर्निया का आपरेशन हो जुका है उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ भाना जाएगा बल्कि कि:

(i) आपरेशन हुए एक वर्ष अतीत हो गया है। इसके लिये उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

(ii) पेट की पेशी समूह सामान्यतया ठीक है।

(iii) हर्निया की पुनरावृति नहीं हुई है, या इसकी गत्य चिकित्सा से संबंधित कोई उल्लंघन पैदा नहीं हुई।

(४) हाइड्रोमिल या निक्षित बैरिकोमील या जननेश्वियों का अन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।

ध्यान दें—(i) यदि हाइड्रोमिल के आपरेशन के बाद कोई रज्जु और अण ग्रन्थियों की विलक्षणताये न हो और फाइलेरियासिस

का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर दिया जाएगा।		गां. कद से 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, नेफा, मेशालथ, त्रिपुरा, मिजोरम और नागालैण्ड के नौसेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर और लकड़ीय के उम्मीदवारों के मामले में कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।																															
(ii) यदि एक और की अन्तर्भूत उद्दीय अण्डग्रंथि आरोही हो तो हम आधार पर उम्मीदवार की अस्वीकार नहीं किया जाता बशर्ते कि दूरारी अण्डग्रंथि अमामाल्य हो तथा इस आरोही अण्डग्रंथि के कारण शारीरिक या भौतिकानिक कुप्रभाव न हो। यदि आरोही अण्डग्रंथि अवश्य निकाले में अधिक उद्दीय विलय में रक्ती हो और आपरेशन से ठीक न हो स्थिती हो तो इस स्थिति से उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।		(iii) बायू सेना अकादमी के उम्मीदवारों के लिये— कद—162.56 सें. मी० (64") से 190.50 सें. मी० (75") तक। टांग की लम्हाई—99.06 सें. मी० (39") से कम नहीं।																															
(h) फिट्टुधा और या गुवा का विदर या बवासीर के मस्ते तो नहीं हैं।		(i) वजन :—																															
(ग) गुर्दे की कोई बामारी तो नहीं है। ग्लूकोजमेह या एलब्यूमिन मेह के सभी रोगी अस्वीकृत बर दिये जायेंगे।		(1) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उत्तरवा कर या केवल जांधिया के साथ किया जाएगा। वजन करते समय 1/2 किलोग्राम का रिकार्ड नहीं किया जाएगा। आयू, कद तथा औसत वजन विषय परस्पर संबंधी सारणी मार्गदर्शन के लिये दी जा रही है:—																															
(त) अस्थायी अधिकार मामूली अत चिक्खों को छोड़कर कोई ऐसा अर्थ रोग तो नहीं है जिसके प्रचार अधिकार अधिकार कुरुक्षता आ गई हो या आने की संभावना हो। उसी उम्मीदवार को इसी आधार पर अस्वीकार किया जाएगा।		<table border="1"> <thead> <tr> <th>पिछले अन्न दिवस की आयु</th><th>बिना तूतों के ऊंचाई</th><th>वजन औसत</th><th>न्यूनतम अधिकतम</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td></tr> <tr> <td>वर्ष</td><td>सेंटीमीटर</td><td>किलोग्राम</td><td>किलोग्राम</td></tr> </tbody> </table>				पिछले अन्न दिवस की आयु	बिना तूतों के ऊंचाई	वजन औसत	न्यूनतम अधिकतम	1	2	3	4	वर्ष	सेंटीमीटर	किलोग्राम	किलोग्राम																
पिछले अन्न दिवस की आयु	बिना तूतों के ऊंचाई	वजन औसत	न्यूनतम अधिकतम																														
1	2	3	4																														
वर्ष	सेंटीमीटर	किलोग्राम	किलोग्राम																														
(थ) कोई सक्रिय गुप्त या जन्मजात रतिज रोग तो नहीं है।		<table border="1"> <tbody> <tr> <td>17 से 18 तक</td><td>157.5 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.0 से कम 172.5 तथा 183.0 से कम 183.0 तथा इससे अधिक</td><td>43.5 48.0 52.5 57.0</td><td>55.0 59.5 64.0 —</td></tr> <tr> <td>19 वर्ष</td><td>160.0 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.5 से कम 172.0 तथा 178.0 से कम 178.0 तथा 183.0 से कम 183.0 तथा इससे अधिक</td><td>44.5 49.0 53.5 58.0 62.5</td><td>56.0 60.5 65.0 69.5 —</td></tr> <tr> <td>20 तथा अधिक</td><td>160.0 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.5 से कम 172.5 तथा 178.0 से कम 178.0 तथा 183.0 से कम 183.0 तथा इससे अधिक</td><td>45.5 50.0 54.5 59.9 63.5</td><td>56.5 61.0 66.8 70.5 —</td></tr> </tbody> </table>				17 से 18 तक	157.5 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.0 से कम 172.5 तथा 183.0 से कम 183.0 तथा इससे अधिक	43.5 48.0 52.5 57.0	55.0 59.5 64.0 —	19 वर्ष	160.0 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.5 से कम 172.0 तथा 178.0 से कम 178.0 तथा 183.0 से कम 183.0 तथा इससे अधिक	44.5 49.0 53.5 58.0 62.5	56.0 60.5 65.0 69.5 —	20 तथा अधिक	160.0 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.5 से कम 172.5 तथा 178.0 से कम 178.0 तथा 183.0 से कम 183.0 तथा इससे अधिक	45.5 50.0 54.5 59.9 63.5	56.5 61.0 66.8 70.5 —																
17 से 18 तक	157.5 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.0 से कम 172.5 तथा 183.0 से कम 183.0 तथा इससे अधिक	43.5 48.0 52.5 57.0	55.0 59.5 64.0 —																														
19 वर्ष	160.0 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.5 से कम 172.0 तथा 178.0 से कम 178.0 तथा 183.0 से कम 183.0 तथा इससे अधिक	44.5 49.0 53.5 58.0 62.5	56.0 60.5 65.0 69.5 —																														
20 तथा अधिक	160.0 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.5 से कम 172.5 तथा 178.0 से कम 178.0 तथा 183.0 से कम 183.0 तथा इससे अधिक	45.5 50.0 54.5 59.9 63.5	56.5 61.0 66.8 70.5 —																														
(द) उम्मीदवार या उम्मीदवार में भानसिक रोग का कोई पूर्व वृत्त या प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों को मिर्गी आती हो, जिनका पेशाब दैसे ही या नीद में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।		<table border="1"> <tbody> <tr> <td>केवल नौसेना और बायूसेना के लिये</td><td>कद और वजन</td><td></td><td></td></tr> <tr> <td>सेंटीमीटर में ऊंचाई</td><td>आयू</td><td>18 वर्ष</td><td>20 वर्ष</td><td>22 वर्ष</td></tr> <tr> <td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>किलोग्राम में वजन</td></tr> </tbody> </table>				केवल नौसेना और बायूसेना के लिये	कद और वजन			सेंटीमीटर में ऊंचाई	आयू	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष	1	2	3	4	किलोग्राम में वजन														
केवल नौसेना और बायूसेना के लिये	कद और वजन																																
सेंटीमीटर में ऊंचाई	आयू	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष																													
1	2	3	4	किलोग्राम में वजन																													
(घ) नैग्नापन या आंख या पालकों की ऐसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या फुकारा होने का अत्यरा हो सकता है।		<table border="1"> <tbody> <tr> <td>157</td><td>47</td><td>49</td><td>50</td></tr> <tr> <td>160</td><td>45</td><td>50</td><td>51</td></tr> <tr> <td>162</td><td>50</td><td>52</td><td>52</td></tr> <tr> <td>165</td><td>52</td><td>53</td><td>55</td></tr> <tr> <td>168</td><td>53</td><td>55</td><td>57</td></tr> <tr> <td>170</td><td>55</td><td>57</td><td>58</td></tr> <tr> <td>173</td><td>57</td><td>59</td><td>60</td></tr> </tbody> </table>				157	47	49	50	160	45	50	51	162	50	52	52	165	52	53	55	168	53	55	57	170	55	57	58	173	57	59	60
157	47	49	50																														
160	45	50	51																														
162	50	52	52																														
165	52	53	55																														
168	53	55	57																														
170	55	57	58																														
173	57	59	60																														
(न) सक्रिय रोहे (ट्रकोमा) या इसकी जटिनाये तथा अनुप्रभा सो नहीं है।																																	
टिप्पणी—इनाज के लिये आपरेशन प्रवेश से पूर्व करवाए जाएं। अस्तिम रूप से स्वीकार किये जाने की गारन्टी नहीं दी जाती है। तथा उम्मीदवारों को पह स्पष्टतया समस सेना चाहिए कि क्या आपरेशन बाढ़ीय है या आवश्यक है इस बात के निषेध उनके निझी चिकित्सा सलाहकार को ही करता है। आपरेशन के परिणाम अधिकार किसी और बद्द का दायित्व सरकार अपने ऊपर नहीं लेगी।																																	
कद, वजन तथा छाती के मापों के लिये भानक।																																	
(क) कद:																																	
(i) उम्मीदवार के कद की नाप उसे मापदण्ड के सामने दोनों पैर भिलाकर छड़ा करके दी जाएगी। उस समय अन्त एडियों पर हीना चाहिए वैजे पर या पांव के बाहरी पारणों पर नहीं। वह बिना अफ़ड़े इस प्रकार सीधी बढ़ा होगा कि उसकी एडिया, फिलिया, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे उसकी ठोकी नीचे की ओर रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर आई छड़ के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 सेंटीमीटर में कम वशमलव भिस्त की अपेक्षा की जाएगी। 0.5 सेंटीमीटर का इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या उससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।																																	
(ii) उम्मीदवार के लिये न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 157 सेंटीमीटर) है, किन्तु गोरखा, नेपाली, असमिया, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिये नीचे (व.) (i) में दी गई संबंधित सारणी में दिए																																	

1	2	3	4
175	59	61	62
178 . .	61	62	63
180 . .	63	64	65
183 . .	65	67	67
185 . .	67	69	70
188 . .	70	71	72
190 . .	72	73	74
183 . .	74	76	77
195 . .	77	78	78

(ii) कदंतया आयु के समंदर में बजन का ठीक-ठीक मानक निश्चित करना संभव नहीं है। अतः परस्पर संबंधी सारणी के बल निर्विधि का मात्र है तथा सभी मानकों में लागू नहीं की जा सकती है। सारणी में दिये गए औमत बजन से 10 प्रतिशत (नोटेना और वायसेना के मानक से भी 8 कि० ग्राम कम-ज्यादा) होने पर उसे बजन की सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ व्यक्तियों का बजन उपर्युक्त मानक से अधिक हो किम्बा शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे सभी प्रकार से यीथ हो सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों के अधिक बजन का कारण भारी छड़ियों और पैरों पर विकास हो सकता है त कि भोड़ापा। इसी प्रकार जिसका बजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी मानकों के पूरी तरह पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और आनुपातिक विकास की क्षमता होना चाहिए।

(ग) छाती:—छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फैलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होना चाहिए। उम्मीदवार की छाती का नाप नेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पाँव ऊंचे हो और उसकी जाहें तिर के ऊपर उठी हों। फौरे को छाती के गिरंग इस प्रकार से लाया जाएगा कि पीछे की ओर उसका कपरी किनारा अभकलकों (शोल्वर ब्लेड) के निम्न कोणों (इम्पीरियर एंगिल्स) के भाव लगा रहे और इस का निचला किनारा सामने बूँचों के कपरी भाग से लगा रहे। किर बाहों को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने विया जाएगा किंतु इस घात का व्यान रखा जाएगा कि कंधे उठे या धीरे की ओर थके न हों जिससे कि फीता हट जाए, जब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिये कहा जाएगा और छाती का अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84/89, 86/91 हत्यादि।

नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेंटीमीटर से कम दशमलव मिल्स की उपेक्षा की जाएगी तथा 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में (रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

वायु सेना अकादमी के उम्मीदवारों के लिये—

छाती का नाप—पूरी तरह फुलाई हुई छाती 81.28 सें. मी० (32") से कम नहीं होनी चाहिए तथा छाती 5.08 सें. मी० (2") तक फूलनी चाहिए।

छाती का एक्स-रे अनिवार्य है।

वायु सेना अकादमी के लिये: निम्नलिखित असमानताओं का पता लगाने के लिये सभी उम्मीदवारों का रीढ़ की हड्डी का एक्सरे लिया जाना है जो उम्मीदवारी रह करने का कारण बन सकती है:—

- कौंय की पद्धति द्वारा 7° से अधिक का एकौलियोसिस।
- एस० बी० 1 को छोड़कर रुपाइना बाह्किङ।
- एस० बी० 3 का एकपारिवक सैक्रमीकरण।

(iv) बेवरमैन के रोग, बैवरमैन के नोड, स्पाइडलायसिस या स्पाइडलोडि स्थिरास।

(v) रीढ़ की हड्डी का कोई अन्य महत्वपूर्ण रोग।

(4) बांतों की हालत

इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि बांतों का काम अच्छी तरह करने के लिये प्राकृतिक सथा मजबूत दांत काफी संख्या में हों।

(क) स्वीकृत होने के लिये यह आवश्यक है कि उम्ने बांतों के सिये कम से कम 14 प्लाइट प्राप्त किये हों। किसी भी व्यक्ति के बांतों की हालत का पता लगाने के लिये परस्पर अच्छी तरह सटे और दूसरे जबड़े के अनुरूप दांतों को निम्न प्रकार प्लाइट किये जायेंगे:—

(i) बीच के काटने वाले दांत, धगल के काटने वाले दांत, रदमक प्रथम तथा द्वितीय छोटी दांत तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दांत प्रत्येक के लिये एक-एक प्लाइट।

(ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दांत तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दांत के लिये दो-दो प्लाइट।

पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्लाइट दिये जायेंगे।

(घ) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे अच्छी तरह काम किया जा सके:—

(i) आगे के 6 में से कोई 4 दांत।

(ii) पीछे के 10 में से कोई 6 दांत।

टिप्पणी:—जिन उम्मीदवारों के नकली दांत अच्छी तरह लगे हों उन्हें कमीशन के लिये स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दांत अधिकारी की राय में बिना दांत निकाले अच्छा किया जा सकता है उसे स्वीकार किया जा सकता है।

(5) दृष्टिमानक (अलसेना)

अच्छी आवृत्ति	खराक आवृत्ति
दूर की नजर (ब्रशमा लगाकर)	6/6 6/18

निकट दृष्टि (मायोपिया) जिसमें अधिकतम (एस्टिग्मेटिज्म मैनीफस्ट) सम्मिलित-3, 5-30 से अधिक नहीं। दीर्घ दृष्टि (हाइपर-मैट्रोपिया) जिसमें अधिकतम (एस्टिग्मेटिज्म) सम्मिलित + 3.5 डी० से अधिक नहीं।

टिप्पणी: 1 फैलम तथा मीडिया न्यूस्थ तथा नामान्य सीमा में होना चाहिए।

2 घर्घन निकट दृष्टि के सूक्षक विटिथमन या कोरियारेटिना के अनावश्यक न्यूग्नन चिह्न न हों।

3 दोनों आंखों में द्विनेत्री (वाशनोक्लर) दृष्टि संयमित शक्ति और पूर्ण दृष्टि लेना चाहिए।

4 कोई ऐसा प्रागिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपम अथवा खराक होने की संभावना हो।

निकट दृष्टि (मायोपिया)

जिसी भी एक मरेडिम में 0.5 डायोड्रेस अर्थक नहीं होनी चाहिए।

द्विनेत्री दृष्टि—उम्मीदवार की द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (दोनों आंखों में फ्यूजन फलटी और युंग दृष्टि लेना चाहिए)। रंग का प्रत्यक्ष लान।

जिन उम्मीदवारों को अद्योपरिभावित न्यूनतम वर्ण अवगम मानक सी० पी० 3 (संदोष मुख्या) में होता हो उन्हें अयोग्य माना जाएगा:—

सी० पी०-3 (संदोष मुख्या)—उम्मीदवार इस योग्य न हो कि वे 1.5 मीटर की दूरी से महें, संकेत लान और सर्केत हो रहे रांगों को ठीक

प्रकार से पहचान सके जैसा कि माटिन लैटर्न में दिखाया गया है या इमिहारा बुक/टोकियो मैडिकल कालेज युक की शपेशित ऐटो को पढ़ सके।

दृष्टि मानक (नौसेना)

(क) दृष्टि तीक्ष्णता	मानक	भायोपिया
दूर की नजर	प्रचली आंख खराब आंख बी 6/6 बी० 6/9 संस्था सहित 6/6	द्विनेत्री दृष्टि

(ii) विशेष अपेक्षाएं

सामान्यः नौसेना की सभी शाखाओं के कैडेटो/शायरेट पंडी अधिमरों को रात्रि दृष्टि तीक्ष्णता के बासे डेलाकामा की जाच नहीं की जाएगी और स्वास्थ्य परीक्षा के समय उनसे निम्नलिखित प्रमाण पत्र देने के लिये कहा जाएगा जो मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ नत्यों कर दिया जाएगा:

“मैं प्रमाणित करता हूँ कि मुझे रत्नौधी नहीं है और जहां तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म से रत्नौधी नहीं है।

चिकित्सा अधिकारी के प्रति-
हस्ताक्षर उम्मीदवार

वर्ण प्रत्यक्षण	मानक 1	प्रम० एन० टी० (माटिन लैटर्न परीक्षण
रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान		

नेत्र विचलन प्रूफिं मेडोक्स राइ/विगटेस्ट के साथ (वशर्ते कि अभिमरण दोष तथा अन्य रोग लक्षण न हो) निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिएः—

(क) 6 मीटर की दूरी से	8 प्रिज्म	डायोप्टर
एक्सोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर
(ख) 30 सें० मी० की दूरी से		
इक्सोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
एक्सोफोरिया	1.6 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर
	(होमाटोपिना के अन्तर्गत)	
		सही आंख

दूर दृष्टिता की सीमा

दूरदृष्टिता	1.5 डायोप्टर
साधारण दीर्घ दृष्टिता वैषम्य	0.76
	दीर्घ दृष्टिता मरिडियन का दोष।

संयुक्त दीर्घ दृष्टिता वैषम्य	1.5 डायोप्टर से अधिक नहीं होना जाहिए। इसमें से 0.75 डायोप्टर से अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिए।
	सबसे खराब आंख 2.5 डायोप्टर

दूरदृष्टिता	1.5 डायोप्टर
साधारण दूरदृष्टिता वैषम्य	दूरदृष्टि वैषम्य दोष

संयुक्त दूरदृष्टिता वैषम्य	2.5 डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए।

इसमें से 1.00 डायोप्ट्रे में अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिए। किसी एक वायाप्टर में 0.5 डायोप्टर से अधिक न हो।

उम्मीदवारों की द्विनेत्री दृष्टि (दोनों आंखों की संलयन शक्ति तथा पूर्ण दृष्टि थोक) अच्छी होनी चाहिए।

दृष्टि मानक (वायु सेना)

दृष्टि तीक्ष्णता—एक आंख में 6/6 तथा दूसरी आंख में 6/9 जो एक से 6/6 तक ठीक की जा सकती हो। प्रत्येक आंख में दृष्टि क्षेत्र पूर्ण होना चाहिए।

वर्ण दृष्टि—सामान्य

टिप्पणीः—जिन उम्मीदवारों को येनक लगाने की आदत है वे पात्र नहीं हैं। आंख की फैलास साथ सीडिया सामान्य होनी चाहिए। आंख की फलकों का कोई सक्रिय रोण नहीं होना चाहिए।

वर्ण मानक

श्वरण परीक्षा वाक परीक्षण द्वारा की जाएगी। जहां आवश्यक होगा अव्याप्ति यापों (प्रार्हियामैट्रिक) रिकार्ड भी ले लिये जायेंगे।

(क) वाक परीक्षा—उम्मीदवार को जो कि एक उचित दूर्ग वे शांत कमरे में परीक्षक की ओर पीछे करके 609.5 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुमफुमाहट की आवाज सुनाई पड़ती चाहिए। परीक्षक को अवशिष्ट वायु से फुमफुमाना चाहिए अर्थात् वह भास्तारण निःश्वास अन्त में लेगा।

(ख) अव्याप्ति मितिक रिकार्ड—उम्मीदवार को प्रत्येक कान से 128 में 4096 साइक्ल वूल्ट सैकिन्ह की आवृत्ति पर सुनना चाहिए। (अव्याप्ति मितिक पार्थ्यांक $\times 10$ सथा —10 के बीच होना चाहिए।) (जो सेना के लिये लागू नहीं है।)

वर्ण मानक (वायु सेना)

610 सें० मी० (20 फूट) की दूरी से प्रत्येक कान से अलग-अलग (दूसरा कान बन्द करके) प्रवालित फुमफुमाहट की छवि सुनने के बोध होना चाहिए।

नोटः—उम्मीदवार के दोनों कानों के मध्यकाण में ब्रेन सामान्य तथा स्वतः गतिशील होनी चाहिए। जिसी कि पूस्टेशियन द्यूबों की पैटेंसी का सकेत भिन्न सके। किसी चिकित्सा या सक्रिय एम० ओ० एम० का चिह्न नहीं होना चाहिए।

मूत्र—शर्करा और एल्बुमिन से रहित होना चाहिए।

ई० सी० जी० (इलेक्ट्रो कार्डियोग्राम) अनिवार्य है तथा यह सामान्य सीमाओं के भीतर होना चाहिए।

नेमी आधारी ई० ई० जी० वायु सेना अकादमी में सभी उम्मीदवारों की ई० ई० जी० परीक्षा की जाएगी। जिनमें विगिट अपमानितायें होंगी उन्हें अस्तीकृत कर दिया जाएगा।

नोटः—वायु सेना अकादमी के लिये उम्मीदवार को सक्रिय या गुप्त सीढ़ी या चिकित्सा मेडिकल या तर्जिकल अवस्था अव्याप्त, छून की बोमारियों से मुक्त होना चाहिए। शरीर की हृत्यवाहक रक्षण, मूत्र-प्रजनन, तंत्रिका तथा अन्य तंत्र सामान्य होने चाहिए।

परिशिष्ट III

सेना आदि के विभिन्न विवरण नीचे दिये गये हैं—

भारतीय सेना अकादमी वेहराहून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिये—

1. भारतीय सेना अकादमी में मर्ती करने में पूर्व—

(क) उसे इस आण्य का प्रमाण पत्र देना होगा कि यह यह समझत है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई औड लग आए या उपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी मर्जिकल आवरण या संबेदनाहरण दबाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई ग्रानीरिक अवक्तव्य आ जाए या उसकी मृत्यु हो जाए पर वह या उसके थैथ्र उत्तराधिकारी को सरकार के बिहुङ किसी मुआवजा या अन्य प्रकार की राहत का वापस करने का छक न होगा।

(ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस आशय के बन्ध-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे नारण से जो उसके निर्वन्न में समझे जाने हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा बुल्क, घोजन, वस्त्र, पर किये गये अध्ययन तथा दिये गये वेतन और भस्त्रों की कुन राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करनी होगी।

2. अतिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इही उम्मीदवारों के नाम सेना अधिकारियम के अधीन “जैन्टलमैन कैडेट” के रूप में दर्ज किये जायेंगे। जैन्टलमैन कैडेट पर साधारण अनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिये भारतीय सेना अकादमी के नियम और विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि, आवास, पुस्तकें, बर्बी, बोर्डिंग और चिकित्सा सहित, प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार अपना खर्च खुद बर्दाशत करेगा। भारतीय सेना अकादमी में (उम्मीदवारों का न्यूनतम मासिक वय 55.00 रु. से अधिक होने की संभावना नहीं है)। यदि किसी कैडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या अंशिक रूप में बर्दाशत करने में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जित उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय 450.00 रु. या इससे अधिक हो, वे उस वित्तीय सहायता के पास नहीं होंगे यिसी वित्तीय सहायता की पापता निर्धारित करने के लिये अचल मन्त्रियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के हजुक हों तो उन्हें अपने पुल/संरक्षित के भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाब अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट अपनी अनुशंसा गहिर भारतीय सेना अकादमी, वेहराहून के कमाझेट को अंग्रेजित कर देना।

4. भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कैडेट के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी—

(क) प्रतिमास मास 55.00 के हिसाब से	रुपये
पांच महीने का जेव खर्च	275.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की भाँड़ों के	
लिये	800.00
	1075.00
यौग	

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापिस कर दी जाएगी:—

55.00 ० प्रतिमास से पांच महीने का

जेव खर्च 275.00 रु.

5 भारतीय सेना अकादमी में निम्नलिखित छावनीतियां उपलब्ध हैं:—

(1) पर्सराम भाऊ पटवर्धन छावनीति—यह छावनीति महाराष्ट्र राज्य कन्टिक के कैडेटों को दी जाती है। इस छावनीति की राशि अधिक से अधिक 500.00 रु. प्रति वर्ष है जो कि कैडेटों को भारतीय सेना अकादमी में रहने की अवधि के दौरान दी जाती है बासें कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उम्मीदवारों को मह छावनीति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकदार न होंगे।

(2) कर्मल फैन्डल फैक मेमोरियल छावनीति—इस छावनीति की राशि 360/- रुपया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पांच मराठा कैडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व मैनिक का पुत्र हो। यह छावनीति सरकार से प्राप्त होने वाले किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है।

6. भारतीय सेना अकादमी के प्रस्तेक कैडेट के लिये सामान्य शर्तों के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली वर्तों के जनुसार परिवास भत्ता अकादमी के कैपाइंट को सौंप दिया जाएगा। इन भत्तों को जीरकम वर्ष होती वह

(क) कैडेट को कमीशन दिये जाने पर दे दी जाएगी।

(ख) यदि कैडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को वापस कर दी जाएगी।

कमीशन प्रवान किये जाने पर इस भत्ते में खरीदे गये वस्त्र या अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की अवधितत संपत्ति बन जायेंगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडेट तथागत दे दे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापर बुला निया जाए तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे वापस न लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

7. सामान्य: किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान रथागत देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान रथागत देने वाले जैंटलमैन कैडेटों को उन्हें बुलायालय द्वारा उनका रथागत स्वीकार होने तक वह जाने की आज्ञा दे दी जानी चाहिए। उनके प्रस्ताव से पूर्व उनके प्रशिक्षण, मोजन तथा सम्बद्ध मैवाओं पर होने वाला खर्च उनमें बहुत किया जाएगा। भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उनके माता-पिता/अधिकारियों को इस आशय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जैंटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को अपनी रेजिमेन्ट या कोर से वापस भेज दिया जायेगा।

8. यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर ही दिया जाएगा। कमीशन देने का नारोब्र प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने को नारोब्र अपने दिन में शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।

9. कमीशन देने के बाव उन्हें सेना के नियमित अफसरों के भाग वेतन और भत्ते, पेशन और छठी दी जाएगी तथा सेवा की अन्य शर्तें भी यही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

प्रशिक्षण:—

10. भारतीय सेना अकादमी में आर्मी कैडेट को “जैंटलमैन कैडेट”, का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रशिक्षण

बहा जाता है ताकि वे इन्हैंटी के उप यूनिटों का नेतृत्व करने के बोयल बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरीत जेटलमैन कैटटों को सीफ़िड लेपिटेन्ट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बशत कि एस० एच० ए० पी० ई० में शारीरिक रूप में स्वस्थ हों।

II सेवा की शर्तेः—

(i) वेतन

रैंक	वेतनमास
सीफ़िड लैपिटेन्ट	750-790
सैपिटेन्ट	830-950
कैट्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
लैपिटेन्ट कर्नेल (वयन द्वारा)	1750-1950
लैपिटेन्ट कर्नेल (ममय वेतनमास)	1900 नियत
कर्नेल	1950-2175
प्रिंगेटियर	2200-2400
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
लैपिटेन्ट जनरल	3000 प्रतिमास

(iii) योग्यता वेतन और अनुवास

लैपिटेन्ट कर्नेल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रु०, 2400 रु०, 4500 रु० प्रथमा 6000-रु० के एकमुक्त अनुवान के हक्कार हैं। उड़ान प्रणिभक्त (वर्ग 'A') रु० 70 की घर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होते हैं।

(IV) भर्ते—

(iii) वेतन के अतिरिक्त अफसरों को हम ममय निम्नलिखित भर्ते मिलते हैं—

- (क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर जागू दरों और भर्तों के अनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर नया महंगाई भर्ते दिए जाते हैं।
- (ख) 50 रु० प्रतिमास की घर से किट अनुरक्षण भरता।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रशास भर्ता मिलेगा। यह विवेश भर्ते की तबनुरुली एकल घर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होता।
- (घ) नियुक्ति भर्ता जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर दिनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है, तब वे अफसर 70/ रु० प्रतिमास की घर से नियुक्ति भर्ता प्राप्त करने के हक्कार होते हैं।
- (ङ) सज्जा भर्ता—प्रारंभिक सज्जा भर्ता रु० 1400 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात घंटे के बाद एक नए सज्जे भर्ता का दावा किया जा सकता है।

(iv) तैनाती

यह सेना अफसर भारत में या विवेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

(v) पदोन्नति :

(क) स्थायी पदोन्नति :

उच्चतर "कों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं

ममय वेतनमास से

लैपिटेन्ट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैट्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लैपिटेन्ट कर्नेल यथि वयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

वयन द्वारा

लैपिटेन्ट कर्नेल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नेल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
प्रिंगेटियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लैपिटेन्ट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिवर्त्य नहीं

(ख) कार्यकारी पदोन्नति :

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर, अक्षय उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होने वाले विवेश के रिक्विटों उपलब्ध होंः—

कैट्टन	3 वर्ष
मेजर	5 वर्ष
लैपिटेन्ट कर्नेल	6-1/2 वर्ष
कर्नेल	8-1/2 वर्ष
प्रिंगेटियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लैपिटेन्ट जनरल	25 वर्ष

(ख) नौसेना अकादमी कोचीन में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए:—

1. (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुन लिए जाएंगे, उन्हें नौसेना की कार्यकारी शाखा में कैटटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी कोचीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी:—

(1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र नहीं दिया हो।

(i) 45.00 रुपए प्रतिमास की घर से पांच मास के लिए जेव खर्च 225.00 रु०

(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए 460.00 रु०
जोड़ 685.00 रु०

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए आवेदन-पत्र दिया हो।

(i) 45.00 रुपए प्रतिमास की घर से पांच मास के लिए जेव खर्च 90.00

(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए 460.00
जोड़ 550.00

(ज) (i) चुने हए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में भी कैदिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा ।

(क) कैडेट प्रशिक्षण तथा नौकारी का 6 मास का प्रशिक्षण ।

(का) मिडिशिपमैन नौकारी प्रशिक्षण । 3 मास

(ग) कार्यकारी सब-लेफिटनेंट तकनीकी पठायक्रम । 12 मास

(घ) सब-लेफिटनेंट ।

पहुंच देने का प्रमाण-पत्र देने के लिए 6 मास की अनुनतम ममत्वी सेवा आवश्यक है ।

(ii) नौसेना अकादमी में कैडेटों के शिक्षण, आवास और संधर्ष सेवाओं, पुस्तकों, खर्च, भोजन तथा आकादमी इकाइ का खर्च सरकार बहुत करेगी । किन्तु कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को उनका जेव खर्च और निजी खर्च बहुत करना होगा । यदि कैडेट के माता-पिता/अभिभावकों की मासिक आय 450 रु. से कम हो और वह कैडेट का जेव खर्च पूर्णतया अथवा अतिकरण से पूरा न कर सकते हों तो, सरकार कैडेट के लिए 55 रु. प्रतिमास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है । वित्तीय सहायता देने का इच्छुक उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद शोध ही अपने जिला भर्जिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन-पत्र दे सकता है । जिला भर्जिस्ट्रेट उस आवेदन-पत्र को अपनी अनुमति के साथ निवेशक, कार्पिक सेवा नौसेना भुक्तालय, नहीं दिल्ली के पास भेज देगा ।

यदि किसी माता-पिता/अभिभावक के दो अधिकारी उससे अधिक पुत्र या अधिक नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिए उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बतावें कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक आय 500/-रु. से अधिक न हो ।

(iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थानाघातों में भी उन्हें गरकारी खर्च पर दिया जाता है । अकादमी छोड़ने के बाद उन्हें पहले छह मास के प्रशिक्षण के बौद्धन उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुमार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जाएगी । भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैडेटों की मिडिशिपमैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जाएगी और वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा ।

(iv) कैडेटों को सरकार से निःशुल्क वर्द्धी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे । इन कपड़ों के सही नमूने और उनकी एकलूपता को सुनिश्चित करने के लिए, ये कपड़े नौसेना अकादमी से तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को बहुत करना होगा । वित्तीय सहायता के लिए आवेदन-पत्र देने वाले कैडेटों को कुछ कपड़ा निःशुल्क या उधार लिए जा सकते हैं । उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीदने होंगे ।

(v) प्रशिक्षण के दौरान निर्दिष्ट कैडेटों को अपने मूल रैंक के बही वेतन और वही भत्ते मिलेंगे जो वे कैडेटों के बहुत जाने के

समय ताकि या ऐवा या अप्रैटिस के पद पर काम करने हुए प्राप्त कर रहे होंगे । यदि उन्हें उस रैंक में वेतन बढ़ि दी जानी हो तो वे उस वेतन बढ़ि को पाने के बीच हक्कार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन और भत्ते, भी भत्ते होने वाले कैडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पाल हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के अन्तर की राशि भी मिलेगी ।

(vi) समाचार: किसी कैडेट की प्रशिक्षण के दौरान स्थान-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी । जिस कैडेट को भारतीय नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोई पूरा करने के योग्य नहीं ममका जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण में बापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण देने होता है । इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडेट को उसकी मूल सर्विस पर बापस भेज दिया जाएगा । जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा या मूल सर्विस पर बापस भेजा जाएगा, वह परखती कोई में बुद्धारा दाखिल होने का पाल नहीं रहेगा । किन्तु जिन कैडेटों को कुछ कर्णणजन्य कारणों के आधार पर स्थान-पत्र देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुण-वर्गुण के आधार पर विचार किया जाता है ।

1. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना से कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/अभिभावक को :

(क) इस आश्रय के प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भांति समझता है कि यदि उसके पुत्र को या अधिक दो प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई छोट लग जाए या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारणों से छोट लगने पर किए गए आपरेशन से या आपरेशन के दौरान मूर्छित करने की अपीष्टि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उसके पुत्र या अधिक दो भरकार से मुआवजा मांगने के बावें का या भरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा ।

(घ) इस आश्रय के बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियन्त्रण के अधीन हो, यदि उसमोद्दार कोई पूरा होने से पहले बापस जाना चाहे या यदि कमीशन दिए जाने पर स्वीकार न करे तो गिरा, शूलक, भोजन, वस्त्र, वेतन तथा भत्ते, जो कैडेटों ने प्राप्त किए हैं, उनका मूल्य या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, जुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है ।

3. वेतन और भत्ते

(क) वेतन

वेतनमास

रैंक	सामान्य सेवा
मिडिशिपमैन	560.00 रुपए
एफिटिंग सब-लेफिटनेंट	750.00 रुपए
सब-लेफिटनेंट	830-870 रुपए
लेफिटनेंट	1100-1450 रुपए
लेफिटनेंट-समोदोर	1450-1800 रुपए
कमाण्डर (चयन मानदारा)	1750-1950 रुपए

रैक	सामान्य सेवा
कमोडर (समय वेतनमान द्वारा)	1900.00 रुपए (नियम)
कैप्टन	1950-2400 रुपए (कमोडोर वह वेतन प्राप्त करता है जिसके लिए वह कैप्टन के रूप में वरिष्ठता के आधार पर हकदार होता है।)
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750 रुपए
वाइस एडमिरल	3000 रुपए

(क) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को नियमित भत्ते मिलते हैं:—

- (i) निविलियन ग्राहकान्त शक्तिरों पर समय-भवय पर लागू दरों और शारीर के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर में था मंड़गाई भत्ता मिलता है।
- (ii) 50/- रु. प्रतिमास की दर से फिट अनुकूल भत्ता कमोडोर रैक के तथा उनसे नीचे के रैक के अफसरों की।
- (iii) जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा है, तब व्यारिंट रैक के अनुसार 50/- रुपए से 250/- रुपए तक प्रतिमास प्रवास भत्ता।
- (iv) 70/- रु. प्रति मास के हिसाब से इन अफसरों को नियमि भत्ता मिलता:—
 - (i) जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर सेवा किया जाएगा जहाँ वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
 - (ii) जिन विवाहित अफसरों की आई० एन० जहाजों पर सेवा किया जाएगा अथवा जितनी अवधि के लिए वे बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहें।
 - (iii) जितनी अवधि के लिए बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उनीं अवधि के लिए उन्हें सुप्त राशन मिलेगा।

टिप्पणी I:—उपर्युक्त के अलावा संकट के समय काम करने की राणा पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन, सर्वेक्षण आनु-त्रौपिक/अर्हता वेतन/अनुदान तथा गोता खोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अफसरों को दी जा सकती हैं।

टिप्पणी II:—अफसर पनडुब्बी तथा विमान सेवाओं के लिए अपनी सेवाएं प्रतिष्ठित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिए चुने गए अफसर अब ही वेतन तथा भत्तों की पाने के हकदार होते हैं।

4. पदोन्नति

(क) समय वेतनमान द्वारा

मिडशिपमैन में एकिंग गव-लैपिटनेट

तक 1/2 वर्ष

एकिंग गव-लैपिटनेट में मव-लैपिटनेट

तक 1 वर्ष

मव-लैपिटनेट से लैपिटनेट तक एकिंग और स्थायी सव-लैपिटनेट (वरिष्ठता के लाभ/सम्पूरण के अधीन) रूप में 3 वर्ष

लैपिटनेट से लैपिटनेट कमोडोर तक लैपिटनेट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता लैपिटनेट कमोडोर से कमोडोर तक 24 वर्ष की संगणीय (यदि वेतन द्वारा प्रदीप्रति न हुई हो) कमीशन प्राप्त की जाए।

(घ) वेतन द्वारा

लैपिटनेट कमोडोर से कमोडोर तक लैपिटनेट कमोडोर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता।

कमोडोर से कैप्टन तक कमोडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।

कैप्टन से रियर एडमिरल और उनसे ऊपर तक कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं।

5. तैनाती

अफसर भारत और विदेश में कही भी तैनात किए जा सकते हैं।

टिप्पणी:—यदि किसी और सूचना की आवश्यकता हो तो वह निवेशक कार्मिक सेवा नौसेना मुख्यालय नई विस्ती 110011 से प्राप्त की जा सकती है।

(ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए:—

1. इसे पूर्व कि उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास, मद्रास में भर्ती हो:—

(क) उसे इस आधाय से प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भर्ती भाँति समझता है कि उसे या उसके बैध वारिसों को भरकार से भुआदजे या अन्य किसी सहायता के बावें का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक दुर्घटता है, जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त वारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन या आपरेशन के दौरान भूषित करने की अधिकारी के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।

(घ) उसके माता-पिता या असिभावक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के अधीन भान लिया जाए यदि उम्मीदवार कोई पूरा करने से पूर्ण वापिस जाना चाहे या यदि विए जाने पर कमीशन स्कूलमेन न करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण, प्राप्त करते हुए शारीर कर ले तो उसे भिक्षा, शाना, चक्क और वेतन तथा भर्ती जो उसने प्राप्त किए हैं, उनकी भागत या उनका यह अग्र जो भरकार निर्णय करे, ज़काने के त्रिमेयार होंगे।

2. जो उम्मीदवार अतिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को “सेना अधिनियम के अन्तर्गत जेटलमैन कैडेट” के रूप में नामांकित किया जाएगा। सामान्य अनुशासन की बूँदियाँ से ये जैन्टलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास, पुस्तकें, वर्षी व भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है, सरकार वहन करगी और उम्मीदवारों को अपना जेब खर्च तथा वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान रुपैयन्तम 55 रु. प्रतिमास से अधिक खर्च की सभावना नहीं है। किन्तु यदि उम्मीदवार कोई काटोप्राकी, शिकार खेलना, भैरवपाटा इत्यादि का शौक रखता हो, तब उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी। यदि कोई कैडेट यह न्यूनतम व्यय भी तूँग या अधिक रूप में अहन नहीं कर सके

तो उसे समय-ममय पर विचरितरीय बदले पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है। बासों कि कैडेट और उनके माता-पिता/अभिभावक की आय 450 रुपए प्रति मास से कम हो। वर्षमान आवेदों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपए प्रति मास है। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक हो, उसे प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से जुने जारी के बाद निर्धारित प्रपत्र पर एक आवेदन अपनी जिले के जिला अधिकारी को भेजना होगा जो अपनी सर्थादत रिपोर्ट के साथ आवेदन पत्र को कमांडेट, अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए जुने गए उम्मीदवारों को वहाँ पहुँचने पर कमांडेट के पास निम्नलिखित धन-घण्टा जमा करनी हीमी है—

(क) 55.00	रुपए प्रति मास की बरंगी
दस महीने के लिए जेब खर्च	550.00 रुपए
(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिए	500.00 रुपए
योग	1050.00 रुपए

यदि कैडेटों की वित्तीय महायता स्वीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने दी गई राशि बापस कर दी जाएगी।

5. समय-ममय पर जारी किए गए आवेदों के अन्तर्गत परियान भला मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र, तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की अविकाल नम्बर बन जायेंगे। यदि कैडेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में तथा वस्त्र दें दें या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व बापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उनसे बापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित की योग्यता रखते हुए नियान कर दिया जाएगा।

6. मामान्यता. किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान तथा वस्त्र-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। किस लेप्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाद व्यायाम-क्रम देने वाले जैटलमैन कैडेटों को धन में सुखालय द्वारा उनका तथा वस्त्र-स्वीकृत होने तक घर जाने की आदादी दी जा सकती है। प्रस्थान के पूर्व उससे प्रशिक्षण भी उन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च वस्तुल किया जाएगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय का एक बांध परता होगा।

7. जिस जैटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कार्य करने के बाद नहीं समझा जाएगा जैसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण में हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सेनिक उम्मीदवार को उनकी रेंजिमेंट कोर में बापस भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रवान कर दिए जाने के बाद वेतन तथा भत्ते पेशन कुट्टी तथा अन्य सेवा शर्ते निम्न प्रकार होंगी।

9. प्रशिक्षण

1. जुने गए उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जैटलमैन कैडेटों के रूप में नायोकित किया जाएगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कार्य पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सकानता-पूर्वक धूप वर्षा करने के उपरान्त जैटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण के सकानता-पूर्वक धूप वर्षा करने के उपरान्त जैटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण के पश्चात पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

10. सेवा की भत्ते

(क) परिवीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 मास की अवधि तक परिवीक्षा धीरे रहता है। यदि उसे परिवीक्षा की अवधि के दौरान कमीशन धारण करने के अनुपयुक्त बताया गया तब उसकी परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूर्व ना उसके बाद किसी भी ममय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

(ख) सेनाता

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या बिहार में कही भी नौकरी पर सेनाता किया जा सकता है।

(ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोन्नति

नियमित धन सेवा में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रवान किया जाएगा और अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अवधि के बावजूद सेवा करने के इच्छुक होंगे वे, यदि हर प्रकार से पावत तथा उपयुक्त पाए गए, तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के संसिम वर्ष में उनको स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया जाएगा। जो पांच वर्ष की अवधि के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने की अहंता प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें पांच वर्ष की अवधि पूरी होने पर नियुक्त कर दिया जायेगा।

(घ) वेतन और भत्ते

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

सैकेन्ड लैफिटेंट और लैफिटेंट के वेतन की दर इस प्रकार है—
सैकेन्ड लैफिटेंट—750-790 रुपए प्रति मास।
लैफिटेंट—830-950 रुपए प्रति मास।

तथा अन्य भत्ते जो नियमित अफसरों को मिलते हैं।

(ङ) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिए, लागू नियमों से ज्ञानित होंगे जो सेना अवकाश नियमावधी खंड-I धन सेना, के अध्याय पांच में उल्लिखित हैं। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा डग्टी ग्रहण करने से पूर्व उक्स नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार भी छुट्टी के हक्कार होंगे।

(च) कमीशन की समाप्ति

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करनी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है—

- (i) अपकार करने या असहेत्प्रसन्नता वर्ष से या सेवा करने पर, या
- (ii) अव्याधि की दृष्टि से अधोग्रह होने पर;
- (iii) उसकी सेवाओं की ओर अधिक आवश्यकता होने पर; या
- (iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कार्यों में अहंता प्राप्त करने में असफल रहने पर।

नीत भूत्तों का नोटिस देने पर किसी अफसर की फलाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णयक भारत सरकार हो होगी। करणजन्य कारणों

के आधार पर कमीशन से उपयोग-पद देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई अफसर सेवात उपदान पाने का धार्म नहीं होगा।

(छ) वेशन लाभ

(i) ये अभी विचाराधीन हैं।

(ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्षों की सेवा पूरी करने पर 5000.00 रु. का सेवात उपदान पाने के हक्काएँ होंगे।

(ज) रिजर्व में रहने का वायिष्व

5 वर्षों की अल्पकालिक सेवा कमीशन सेवा या बड़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाबत के 5 वर्षों की अवधि के लिए या 40 वर्षों तक आयु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

(झ) विविध

सेवा मवारी अन्य सभी शर्तों, जब तक उनका उपयुक्त उपचारों के साथ भेद नहीं होता है, वही होगी जो नियमित अफसरों के लिए लागू है।

(ञ) वायु सेना अकादमी में प्रवेश भेने वाले उम्मीदवारों के लिए

1 वयस्—भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में दो प्रकार से भर्ती की जाती है। अपर्याप्त संबंध लोक सेवा आयोग के माध्यम से डायरेक्ट एड्यू और वायु स्कॉल वरिष्ठ प्रभाग के माध्यम से एन० सी० सी०।

(क) डायरेक्ट एड्यू—आयोग लिखित परीक्षा के आधार पर चयन करता है, ये परीक्षाएँ एक वर्ष में सामान्यतः बर्ष में दो बार मई और नवम्बर में ही जाती हैं। सफल उम्मीदवारों को वायु सेना बोर्ड के सामने परीक्षण और साक्षात्कार के लिए भेजा जाता है।

(ख) एन० सी० सी० के माध्यम से प्रवेश राष्ट्रीय कैडेट कोर महानिवेशक द्वारा विभिन्न एन० सी० सी० यूनिटों के माध्यम से एन० सी० सी० के उम्मीदवारों से आवेदन पत्रों को आयोगित करके उन्हें वायु सेना मुख्यालय को अप्रसारित कर दिया जाता है। पावर उम्मीदवारों को परीक्षण और साक्षात्कार के लिए वायु सेना चयन बोर्ड के सामने प्रस्तुत होने का निर्देश किया जाता है।

2 प्रशिक्षण पर भेजना वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुमतित और उपयुक्त चिकित्सा प्राधिकरण द्वारा प्रारंभिक रूप से स्वस्थ पाए जाने वाले उम्मीदवारों को वरीयता तथा उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के आधार पर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। डायरेक्ट एड्यू उम्मीदवारों की वरीयता सूची संबंधी लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार की जाती है और एन० सी० सी० उम्मीदवारों की वरीयता सूची अलग से हैंयार की जाती है। डायरेक्ट एड्यू उड़ान (पाइलट) उम्मीदवारों की वरीयता सूची सं० स० ल०० से० आ० द्वारा लिखित परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्तांकों तथा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों को जोड़कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कैडेट कोर के उम्मीदवारों की वरीयता सूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाती है।

3 प्रशिक्षण वायु सेवा अकादमी में उड़ान शाखा (पाइलट) के लिए प्रशिक्षण की अवधि लगभग 75 सप्ताह होगी।

4 भविष्य में पदोन्नति की संसाधनाएँ—प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवारों को पाइलट अफसर का रैंक विद्या जाता

है और वे उसी रैंक के वेतन तथा भर्ते प्राप्त करने के हक्काएँ हीं जाते हैं। और वर्तमान वर्षों के आधार पर, उड़ान शाखा के अधिकारियों को लगभग रु. 1575/- प्रति माह मिलते हैं जिसमें उड़ान वेतन रु. 375/- प्रतिमाह भी सम्मिलित है। वायु सेना का भविष्य बहुत उज़्जवल होता है यद्यपि विमान शाखाओं में इस प्रकार की संसाधनाएँ जल्द अलग अलग होती हैं।

भारतीय वायु सेना, में दो प्रकार से पदोन्नति होती है अपर्याप्त कार्यकारी रैंक प्रदान करके और स्थायी रैंक प्रदान करके प्रत्येक उच्च रैंक के लिए अतिरिक्त परिवर्तियों निर्धारित है। रिक्तियों की संख्या पर अधारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के अच्छे अवसर मिलते हैं। स्वैच्छन लीडर और विंग कमांडर के रैंक में समय वेतन मान पदोन्नति, उड़ान (पाइलट) शाखा में कमाता: 11 वर्षों की तथा 24 वर्षों की सफल सेवा पूरी करने के बाबत की जाती है। विंग कमांडर और उससे ऊपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति विविधम् गठित पदोन्नति बोर्ड द्वारा घटन के आधार पर की जाती है। उदीयमान अधिकारियों के लिए पदोन्नति के अच्छे अवसर होते हैं।

5 वेतन तथा भर्ते —

मूल रैंक	उड़ान शाखा
	रु.
पाइलट अफसर	825-865
प्लाइट अफसर	910-1030
प्लाइट सीपिनेट	1150-1550
स्वैच्छन लीडर	1450-1800
विंग कमांडर	1550-1950
सुप कैप्टन	1950-2175
एअर कमांडर	2200-2400
एअर वाइस मार्शल	2500-2750
एअर मार्शल	3000-

महाराष्ट्र तथा प्रतिकर भर्ते —अधिकारियों को ये भर्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मचारियों को लागू होने वाली भर्तों के अन्तर्गत निपिच्छत की गई दरों पर मिलते हैं।

किट अनुरक्षण भर्ता—रु. 50/- प्रति माह, उड़ान वेतन, उड़ान शाखा के अधिकारी निम्नलिखित दरों पर उड़ान वेतन प्राप्त करने के हक्काएँ होते हैं।

विंग कमांडर और उस देनीचे	रु. 375.00 प्रति माह
सुप कैप्टन और एअर कमांडर	रु. 333.33 महि माह
एअर वाइस मार्शल और उससे ऊपर	रु. 300.00 प्रति माह
योग्यता वेतन —कमीशन सेवा के दो या दो से अधिक वर्ष पूर्व करने वाले विंग कमांडर और उससे नीचे के रैंक के अधिकारियों को विप्रिष्ठ योग्यताओं के लिए निर्धारित दरों पर योग्यता वेतन/अनुदान प्रदान किया जाता है। योग्यता वेतन की दरें रु. 70/- और रु. 100/- हैं और अनुदान रु. 6000/- रु. 4500/- रु. 2400/- और रु. 1600/- हैं।	

प्रवास भर्ता —जल वायु सेवा अधिकारियों की ट्रफ़िक्यों के रूप में रखा जाना योग्यता दरों होता है। उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सचिव द्वितीय सचिव/प्रथम सचिव/कम्बुजर को यह जाने वाले विवेतन भर्ते का 25.00% से 40.00% तक प्रशासिये रैंक के अनुसार) प्रवास भर्ता यैप होता है।

नियुक्ति भत्ता:—ऐसे विवाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति युग्मित में होती है। गैर परिवार स्टेशन स्थित/सरकार द्वारा अनुमूलित ऐसे स्थान जहाँ अधिकारियों को परिवार की साथ रखने की अनुमति नहीं होती है उन्हें ₹ 70/- प्रतिमाह कीपर से नियुक्ति भत्ता दिया जाएगा। परिवार भत्ता—वर्डी/उपस्कर जो कि प्रत्येक अधिकारी को अवश्य

रखनी पड़ती है उसके मूल्य के बाले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परिवार भत्ता ₹ 1400/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है)। नवीकरण के लिए हर वार साल के बाद ₹ 1200/- दिया जाएगे।

कैम्प किट; कमीशन प्रदान करने समय मुफ्त वी जाती है।

6. कुट्टी और अवकाश वाला रियायत भत्ता

वार्षिक अवकाश	बर्ष में 60 दिन
आकस्मिक अवकाश	बर्ष में 20 दिन: एक बार से 10 दिन से अधिक नहीं।

कमीशन प्राप्त करने के एक वर्ष के बाव भी अधिकारी वार्षिक/आकस्मिक अवकाश लेने से तथा उनके परिवार के सरकार मुफ्त सवारी के हक्कार होने वाले जो वर्ष के ब्लाक में एक बार अधिकारी अपने घूमटी स्पान (यूनिट) से पर तक आने के लिए निःशुल्क सवारी के हक्कार होते हैं। जिस वर्ष हस रियायत का उपयोग नहीं किया जाएगा तो उस वर्ष उसे परन्ती सहित ₹ 965 कि० मी० के राते के लिए जाने और जाने दोनों तरफ की सुविधा पाने के हक्कार होते हैं।

इसके अतिरिक्त उड़ान शाला के अधिकारियों को, जो प्रायिक हस्तापन में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान इयूटी पर सैनात होते हैं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार वारंट पर ₹ 1600 कि० मी० की दूरी की तय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुफ्त धाला करने की सुविधा होती इसमें जाने और जाने की वाला सम्मिलित होती।

जो अधिकारी कुट्टी लेकर अपने खर्च से धाला करने के इच्छुक हैं वे कैलेक्टर वर्ष में तीन बार परन्ती तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराए का 60 % भुगतान करके धाला करने के हक्कार होते हैं। इसमें एक बार पूरे परिवार के लाभ धाला की सुविधा वी जाएगी। परिवार में परन्ती तथा बच्चों के अलावा अधिकारी पर पूर्णतया आश्रित माला पिला, बहने और जातालिंग भाई शामिल होते हैं।

7. पेंशन वाला:—

सेवा निवृति के समय ईक (स्थायी)	अहूक सेवा की स्थूलतम अवधि	निवृति पेंशन की मानक दर
पायलट अफसर/फ्लाइंग अफसर	20 वर्ष	525 ₹ ० प्रतिमाह
पायलट लैटिनेंट	20 वर्ष	750 ₹ ० प्रतिमाह
स्ट्रीजून लीवर	22 वर्ष	875 ₹ ० प्रतिमाह
विक कमांडर (समय बेतनमान)	26 वर्ष	900 ₹ ० प्रति माह
विक कमांडर सेलेक्टिव	24 वर्ष	950 ₹ ० प्रति माह
मूप कैप्टन	26 वर्ष	1100 ₹ ० प्रति माह
एमर कामांडर	28 वर्ष	1125 ₹ ० प्रति माह
एमर शाईस मार्शल	30 वर्ष	1275 ₹ ० प्रति माह
एमर मार्शल	30 वर्ष	1375 ₹ ० प्रति माह
ए जर ओर मार्शल	30 वर्ष	1700 ₹ ० प्रति माह

8. सेवा निवृति उपवान

प्रायिकता की विविधा पर सेवा निवृति उपवान निम्नलिखित है—

- (क) 10 वर्ष की सेवा के लिए ₹ ५० 12,000/- जिसमें से पिछले ईक के देख महीने का बेतन घटाकर
- (ख) प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए ₹ ५० 1200/- जिसमें से पिछले ईक के $\frac{1}{2}$ महीने का बेतन घटाकर

पेंशन या उबलान के अतिरिक्त प्रत्येक छ: महीने की अवधि की अंहृत सेवा के लिए कुल परिवर्तियों के जीवाई के बराबर मूल्य और सेवानिवृत्त उपवान देय है जो कि परिवर्तियों का 16 $\frac{2}{3}$ गुना होगा। अंहृत ₹ ३०,००० से अधिक नहीं होगा।

सेवा में रहते हुए मूल्य हो जाने पर मूल्य और सेवा निवृति उपवान निम्नलिखित रूप से होते हैं—

- (क) सेवा के पहले वर्ष परि मूल्य हो जाए तो वो महीने का बेतन;
- (ख) यदि एक वर्ष की सेवा के बाव तथा पांच वर्ष की सेवा से पहले यदि मूल्य हो जाए तो छ: महीने का बेतन;
- (ग) पांच वर्ष की सेवा के बाव परि मूल्य हो जाए तो कम से कम 12 महीने का बेतन।

विकलांगता पेंशन और बच्चों और आश्रितों (माता, पिता, बहित ददा भाई) को विशेष परिवार पेंशन पुरस्कार भी निर्धारित नियमों के अनुसार देय है।

परिशिष्ट IV

भारत सरकार के अधीन पर्वों पर नियुक्त हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुमूलित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तृत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फारम:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री सुपुत्र श्री जो गांव/कस्बा* जिला/मंडल* राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र के निवासी हैं जाति/जन जाति के हैं जिसे नियमित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति* के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951

(अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जनजातियाँ सूचियाँ (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पश्चिम पुनर्गठन अधिनियम, 1966, दिल्ली प्रदेश राज्य अधिनियम, 1971 और उत्तर पूर्वी) क्षेत्र (पुर्नगठन) अधिनियम, 1971, और अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ आवेदन (संघीयता) अधिनियम, 1976 द्वारा मध्य संशोधित)

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ, आदेश, 1956।

संविधान (अधमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959* अनुसूचित जातियां यथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (मशीषन) अधिनियम, 1966 द्वारा यथा नामीयित)।

संविधान (दावरा और नागर हक्कें) अनुसूचित जातियां आदेश,

1962*

संविधान दावरा और नागर हक्कें), अनुसूचित जन जातियां आदेश,

1962*

संविधान (पाइयेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश), आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, बमन और दीव) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जनजातियां आदेश,

1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2 श्री
और/सा* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*
जिला/महाल*
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र मे रहता है।
हस्ताक्षर
**पदनाम
(कर्यालय की भौतिक के साथ
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

स्थान
नारीक

*जो शब्द भागू न हो उन्हें कृपया काट दें।

नोट—यहां “आम तौर से रहता है” का अर्थ वही होगा जो “रिजेंटेशन आफ दि पीयुल एवं, 1950” की धारा 20 से है।

**जाति/जनजाति अधान-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(1) जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलबटर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल हिप्टी कमिशनर-डिप्टी कलबटर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट/मिटी मजिस्ट्रेट*सब डिप्टीजनल मजिस्ट्रेट/तालुक भजिस्ट्रेट/एकजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा अमिस्ट्रेट कमिशनर।

*(प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम ओहूं का नहीं)।

(ii) चीफ प्रेमिडेंसी मजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेमिडेंसी मजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यु अफमर जिनका ओहदा तहमीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिपीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/यह उम्मीदवार आमतौर से रहता है।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सर्विस/डेवलपमेंट अफमर (लक्ष्मीपुर)।

परिचय V

मन लोक सेवा प्रायोग

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

क घस्तु परक परीक्षण

प्राप्त जिम्मे परीक्षा मे बैठने वाले हैं उसको “घस्तुपरक परीक्षण” कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फैलाकर लिखने महीं होगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आपे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिये कहीं सभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमे से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आपे प्रश्न प्रत्यक्षर कहा जायगा) आपको बन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से वरिचन न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ब परीक्षण का स्वरूप

प्रश्ननाम “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होते हैं। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 के क्रम में प्रश्नांश होते हैं। इर प्रश्नांश के नीचे a, b, c क्रम में सभाव्य प्रश्न्युत्तर लिखे होते हैं। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिये एक सही या यदि एक से प्रधिक प्रश्न्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रश्न्युत्तर का चुनाव करना होता। (यदि में विषय गए नमूने के प्रश्नांश देव ले) किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिये आपको एक ही प्रश्न्युत्तर का चुनाव करना होता। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिये आपको प्रश्न से एक उत्तर पढ़क परीक्षा चबन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पढ़क में लिखने होते हैं। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पढ़क को छोड़ कर ग्राम्य किसी कालज पर लिखे गये उत्तर जाके नहीं जायेंगे।

उत्तर पढ़क में प्रश्नांशों की संख्याये 1 से 200 तक चार बड़ों में आपीं गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e, के क्रम से प्रश्न्युत्तर लिए होते हैं। परीक्षण-पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा सही प्रश्न्युत्तर या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रश्न्युत्तर के प्रधार को वाशिं वाले भायात को पंसिल से काला बनाकर उसे अकित कर देना है, जैसा कि संस्करण उत्तर पढ़क में नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पढ़क के आयत को काला बनाने के लिये स्थानी का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1 [a] [b] [c] [d] [e]

2 [a] [b] [c] [d] [e]

3 [a] [b] [c] [d] [e]

इसलिये यह जरूरी है कि

1 प्रश्नांशों के उत्तर के लिये केवल अच्छी किसी की एक० बी० पेसिल (पेसिले) ही लायें और उन्हीं का प्रयोग कर।

2 ध्यार आपने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा मिटाकर किर से सही उत्तर का निशान लगा दे। इसके लिये आप अपने साथ एक रबड़ भी लायें।

3 उत्तर पढ़क का उपयोग करते समय कोई ऐसी अतिक्रमी जो जिससे बहु खराब हो जाये या उसमें मोड़ व सलवट आये पढ़ जाए और यह देखा हो जाए।

ग. कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा प्रारंभ करने के लिये निरीक्षित भवन में भीन मिनट पहले परीक्षा भवन में प्रवृत्ति होगा और पहुंचने ही अपना स्थान प्रहरण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं दियेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को भौंप दे। (आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर से जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियन स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्थाही से माफ-माफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिये गए मध्ये अनुरोध आपको माचधानी से पढ़ने हैं। कृपि भूल्याकृत मशीन के द्वारा होता है इसलिये मध्ये मध्यव है कि इन अनुदेशों का माचधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो जाये। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रतिष्ठित संदिध है तो उस प्रस्ताव के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के लिये गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को प्रारंभ या समाप्त करने का कड़ा दे तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपने प्रवेश पत्र साथ रखें, एक प्रेसिल, एक रक्कड़, एक प्रेसिल शार्पेंटर और नीली या काली स्थाही चाली बल्लं भी लानी होगी। आपको यह भी हलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक फिल्प बोर्ड या एक हार्ड बोर्ड या एक कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ भी न लिखा हो। यदि आपको यह गई मेज की सतह समतल नहीं है तो इसकी गल्ह भूमतल होने के कारण आपको परीक्षण पुस्तिका में उत्तर अंकित करने में मुश्किल होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कल्पा कागज या कागज का टुकड़ा पैसाना या प्रारेखण उपकरण नहीं माना है क्योंकि इनकी जस्ती नहीं होती। कल्पे काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कल्पा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को दाखिल कर दें।

इ. विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। जैसे ही आपको परीक्षण पुस्तिका मिल जाए तुरन्त आप देख ले कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखा हुआ है। अन्यथा उसे बदल दो। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के सबूत खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या लिखना होगी।

ज. कुछ उपयोगी सुझाव

यसपि इस पर्यवेक्षण का उद्देश्य आपकी गति की प्रवृत्ति शुरूना को आज्ञा है फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का वक्ताना से उपयोग करें। सकूलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं वह पर सापरखाही न हो। अगर आप मध्ये अपना का उत्तर नहीं दे-

पाने हैं तो चिन्हा त करें। आप को जो ग्रन्त प्राप्ति कठिन मालम पर उत्तर पर गया अर्थ न हो। दूसरे पाँच का पूरा और उत्तर कठिन प्रश्ना पर बाद से चिन्हार करें।

सभी प्रश्नों के अवधि समाप्त होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तरदें। आपके द्वारा अकिन मही प्रस्तावों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिया जाएगे। उत्तर उत्तरों के अक नहीं काटे जायेंगे।

क. परीक्षण का समाप्ति

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बद करने को कहे आप लिखना बद कर दें। तब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए, तब आप अपने स्थान पर लब नक ढैंचे रहे जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक और कल्पा लाये करने का पत्रक न से जाये और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति न हो। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक कल्पा काला लाये करने वा पत्रक परीक्षा भवन में बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

सूची के प्रश्न

1. सौयंवश के प्रति के लिये निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है?

- अशोक के उत्तराधिकारी सबके भव कमज़ोर थे।
- अशोक के बाद मामाया का विभाजन हुआ।
- उत्तरी सीमा पर प्रभावणामी सुरक्षा की व्यवस्था नहीं है।
- अशोकोंनर युग में ग्राफिक रिक्तता थी।

2. ममतीय स्वरूप की मरकार में।'

- विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

- विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

- कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।

- न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।

- कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3. पाठ्याना के लाल के लिये पाठ्येतर कार्ये कलाप का मूल्य प्रदर्शित

- विकास की सुविधा प्रदान करता है।

- अनुसाम की समस्याओं की चालक्याम करना है।

- नियन कक्षा-कार्ये से राजन देना है।

- शिक्षा के कार्यक्रम में विकास देना है।

4. सूर्य के सबसे निकट गहर है।

- शुक्र

- मंगल

- बृहस्पति

- बुध

5. बन और बाढ़ के पारस्परिक सबूत को निम्नलिखित में से कौनसा [विवरण स्पष्ट] करता है?

- पेड़ पौधे जिनने अधिक होते हैं मिट्टी या जल उन्होंने अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।

- पेड़ पौधे जिनने कम होते हैं नदिया उन्होंने ही गाँव में भरी होती है जिससे बाढ़ होती है।

- पेड़ पौधे जिनने अधिक होते हैं, नदिया उन्होंने ही धीमी गति से बहती है जिससे बाढ़ होती है।

- पेड़ पौधे जिनने कम होते हैं उत्तरी ही धीमी गति से बहती है जिससे बाढ़ होती है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 13th May 1980

No. A.35014/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following two temporary Section Officers of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis on deputation to the posts indicated against each for a period, from 5-5-1980 to 4-8-1980, or until further orders, whichever is earlier.

1. Shri Yoginder Nath—S. O. (Special-Examination)

2. Shri D. R. Madan—S. O. (Special-Services).

2. On their appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of S/Shri Yoginder Nath and D. R. Madan will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

The 14th May 1980

No. A.35014/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri G. P. Saxena a permanent Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Section Officer (Special-Confidential) in the Commission's Office for the period from 13-5-80 to 12-8-80, or until further orders whichever is earlier.

2. On his appointment to the post of Section Officer (Special-Confidential), the pay of Shri G. P. Saxena will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.
for Secy.

Union Public Service Commission.

New Delhi-11, the 20th March 1980

No. P/1837-Vol.II-Admn.I.—Consequent upon his selection for appointment as Professor of Education in the University of Gorakhpur, Dr. V. S. Misra, Reader in the University of Allahabad and presently officiating as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission on deputation has been relieved of his duties in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 20th March 1980.

The 1st May 1980

No. A.32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Joginder Singh, an officiating Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the cadre of the Union Public Service Commission, to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS), in the same cadre on a temporary and *ad hoc* basis for a period of 2 months from 26-4-1980 to 25-6-1980 or until further orders, whichever is earlier.

On his appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) Shri Joginder Singh will be entitled to draw pay @ Rs. 1040/- p.m. w.e.f. 26-4-80 in the scale of Rs. 775-35-880-40-1000-FB-40-1200 under FR 22-C.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.

Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st May 1980

No. 10 RCT.4.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. R. Chue, Asstt. Engineer (Civil) of the Central Public Works Department, as Asstt. Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from 2-5-80 (FN) until further orders.

K. L. MALHOTRA,
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.)

CFNTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th May 1980

No. A-19021/2/80.ADV.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Dogra, IPS (1964-Punjab) as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 27th April, 1980 on deputation basis, and until further orders.

The 23rd May 1980

No. A-19035/3/80.ADV.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri T. Sudarsana Rao, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation to officiate as Office Superintendent in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 19th May, 1980 and until further orders.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer(E).
Central Bureau of Investigation.

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi, the 23rd May 1980

No. O.II.1100/78-Estt.—Ref : this Dte. General Notification of even number dated 5th November, 1979.

2. The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Mangala Rajan as Junior Medical Officer in the C. R. P. Force on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 18-10-79 to 16-1-80 forenoon.

K. R. K. PRASAD,
Asstt. Director (Adm.).

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 29th May 1980

No. E-38013(3)/21/79-PERS.—On transfer from Visakhapatnam Shri S. N. P. Sinha assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF UNIT, HEC Ranchi w.e.f. the forenoon of 17th April, 1980.

No. E-38013(3)/24/79-PERS.—On transfer from Bhilai Shri C. Ramaswamy assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, BSL Bokaro w.e.f. the forenoon of the 29th April, 1980.

No. E-16013(2)/1/80-PERS.—On transfer on deputation Shri S. I. Jaffar Ali, IPS (TN :SPS), assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, MPT Madras w.e.f. the forenoon of 28th April, 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE
Inspector-General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 23rd May 1980

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. L. Bahl, Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 24th April, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The Headquarters of Shri Bahl will be at Chandigarh.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Bahl any claim for regular appointment to the grade of Dy. Director of Census Operations. The services rendered by him on *ad-hoc* basis will not count for the pur-

pose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. K. S. Dey, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 31st March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Dr. Dey will be at Calcutta.

3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Dr. Dey any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad-hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Ahuja, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 2nd May, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Ahuja will be at New Delhi.

3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Ahuja any claims for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on ad-hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may

No. 5/3/76-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated the 23rd January 1979 the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of the under-mentioned two officers in the posts mentioned against each of them in the office of the Registrar General, India at New Delhi with their headquarter continue to be at New Delhi for a further period as mentioned against each :—

S. No.	Name of the officer	Name of the post	Period of extension of ad-hoc appointment
1	2	3	4
1.	Dr. R.R. Tripathi	Map Officer	1-7-1979 to 24-9-1979
2.	Shri S.D. Tyagi	Research Officer (Map)	1-7-1979 to 11-7-1979

The 27th May 1980

No. 11/125/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Bhargava, an Officer belonging to the Rajasthan Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 15th May, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Bhargava will be at Jaipur.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India.

SARDAR VALLABHBHAI PATEL
NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252, the 27th May 1980

No. 15015/77-Estt.—On completion of his tenure of deputation with the Centre, Shri S. Krishnamurthy, IPS (Karnataka-1967) relinquished charge of the post of Assistant Director, S. V. P. National Police Academy, Hyderabad w.e.f. 22-5-80 A.N.

B. K. ROY,
Director

be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Y.G. Krishna Murthy, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year with effect from the afternoon of 28th April, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Krishna Murthy will be at Hyderabad.

3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Krishna Murthy any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of census Operations. The service rendered by him on ad-hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/29/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Balukeswar Sahu, an Officer belonging to the Orissa Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Orissa, Cuttack, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 7th May, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Sahu will be at Cuttack.

The 24th May 1980

No. 11/32/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. Satyamoorthi, an officer belonging to the Tamil Nadu Civil Service, as Deputy Director of Census Operation, in the Office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 9th May, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Satyamoorthi will be at Tirunelveli.

No. 5/3/76-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated the 23rd January 1979 the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of the under-mentioned two officers in the posts mentioned against each of them in the office of the Registrar General, India at New Delhi with their headquarter continue to be at New Delhi for a further period as mentioned against each :—

MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 7th June 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by two points to reach 375 (three hundred and seventy five) during the month of April, 1980. Converted to base 1949=100 the index for the month of April, 1980 works out to 456 (four hundred and fifty-six).

A. S. BHARADWAJ,
Joint Director.

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INSURANCE WING

New Delhi, the 16th May 1980

No. 304-IP(1)/48.—WHEREAS, I R. K. Mahajan, Controller of Insurance, am satisfied that the affairs of the society known as Anchor Provident Insurance Company Limited, have been fully wound up.

NOW, THEREFORE, in pursuance of the provisions of sub-section (5) of section 93 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), I hereby declare the said society dissolved.

No. 302-HD(1)/50.—WHEREAS, I, R. K. Mahajan, Controller of Insurance, am satisfied that the affairs of the society known as Bakergunj Insurance (Provident) Limited have been fully wound up.

NOW THEREFORE, in pursuance of the provisions of sub-section (5) of section 93 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), I hereby declare the said society dissolved.

R. K. MAHAJAN,
Controller of Insurance

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, COMMERCE,
WORKS & MISCELLANEOUS**

New Delhi, the 17th May 1980

No. Admin. I/33.—Shri S. Narayanan, an officiating Audit Officer of this organisation is appointed in a substantive permanent capacity in the Audit Officers Cadre with effect from 1-3-1980.

M. S. SARNA,
Director of Audit

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KARNATAKA**

Bangalore, the 9th April 1980

No. ES.I/A4/80-81/37.—The following officiating Accounts Officers of the Office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore have been appointed in a substantive capacity in the grade of Accounts Officers in the same office with effect from the dates noted against their names :—

Sl. No., Name of the Officer & Date from which confirmed

S/Shri

1. R. Srinivasan (1) — 1-1-1979
2. N. Chakravarthy — 1-4-1979
3. K. N. Narasimha Murthy — 12-5-1979
4. K. Jagannathan — 1-11-1979
5. M. R. Venkataraman — 1-11-1979
6. S. Anantha Rao — 1-12-1979
7. B. Hanumanthaiah — 1-12-1979
8. H. S. Ramachandra (1) — 1-1-1980
9. H. S. Viswanath — 1-2-1980
10. V. K. Nanjundayya — 1-2-1980
11. K. S. Venkadaraj — 1-2-1980

This order is subject to the ultimate results of the Writ petition No 4367 of 1978 filed in the Supreme Court of India.

The 8th May 1980

No. ES.I/A4/80-81/148.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Section officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge :—

1. Shri C. Narayananurthy,
2. Shri S. Narasimhan (2)

The promotions are subject to the ultimate results of Writ Petition No 4367 of 1978 filed in the Supreme Court.

M. A. SOUNDARAJAN,
Sr. Deputy Accountant General
(Admin.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II,
WEST BENGAL**

LOCAL AUDIT DEPARTMENT
Calcutta-1, the 18th April 1980

O.O. No. LA/Admn.9.—The Accountant General II, West Bengal has been pleased to appoint on ad hoc and provisional

basis Shri Nikhil Chandra Sen Gupta, a permanent Section Officer to officiate as Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal in purely temporary capacity with effect from the forenoon of 18-4-80 and until further orders.

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rules in Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C. R. Case No. 14818 (W) of 1979.

B. N. DUTTA CHAWDHURY,
Examiner of Local Accounts,
West Bengal

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110022, the 15th May 1980

No. 18421/AN-L.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Kanwal Manjit Angulra from the Indian Defence Accounts Service with effect from the forenoon of 11th February 1980.

K. P. RAO
Addl. Controller General of Defence
Accounts (AN)

**MINISTRY OF DEFENCE
ORDINANCE FACTORY BOARD
INDIAN ORDINANCE FACTORIES SERVICE**

Calcutta, the 15th May 1980

No. 22/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. D.M/DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri K. P. Panda, A.M(Prob) — 31st Jan., 1980.
- (2) Shri Rajesh Ku. Jain, A.M(Prob) — 1st Mar., 1980
- (3) Shri A. K. Chattopadhyay, A.M(Prob) — 1st Mar., 1980.

No. 23/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. A.M/TSO with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri J. N. Verma, Offg. Store-holder — 1st Jan., 1980.
- (2) Shri P. S. Venkateswaran, Foreman — 28th Jan., 1980.

No. 24/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. Addl DGOF/Member with effect from the date shown against him, until further orders :—

Shri M. P. Vaidya, Offg. GM(SG)/level-J. — 31st Mar., 1980.

The 19th May 1980

No. 27/80/G.—The president is pleased to appoint Shri Ramaswami Ramesh, as Asstt. Manager (Prob) w.e.f. 29th Nov., 1979.

V. K. MEHTA,
Asstt. Dir. Genl. Ord. Fys.

**MINISTRY OF COMMFRCE AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF COMMERCE)
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS**

New Delhi, the 20th May 1980

**IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)**

No. 1/2/80-Admn(G)/3155.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Haldar, a permanent officer of the Section Officer's grade of the CSS and Controller of Imports and Exports to officiate in Grade I of that service and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the

Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for a period of three months with effect from 18-2-1980 (forenoon).

2. The above appointment of Shri M. M. Haldar in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports is subject to final decision of the Hon'ble Supreme Court in Writ Petition No. 626-630 of 1979 by S. S. Sharma and others versus Union of India.

C. VENKATARAMAN,
Chief Controller of Imports and Exports.

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 20th May 1980

No A-32013/1/80-Admn II.—The President is pleased to appoint effect from the 3rd April, 1980 and until further order Shri D. Balasubramanian, Deputy Director (Weaving) as Director (Weaving) in the Weavers Service Centre, Varanasi.

DR. N. P. SESHADRI,
Joint Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 7th May 1980

No Jute (A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints, Shri K. K. Banerjee, Administrative Officer Group 'B' as Executive Officer Group 'A' (Gazetted) in the Scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an ad-hoc officiating capacity in this office w.e.f. 5-5-80 (F/N) to 4-11-80 (A/N) or till the post is filled on regular basis which is earlier.

No Jute(A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri G. B. Das, a Permanent Superintendent as Administrative Officer Group 'B' Gazetted in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in an ad-hoc officiating capacity in this office with effect from 5th May, 1980 (F/N) until further order vice Shri K. K. Banerjee promoted as Executive Officer.

P. N CHAKRABORTY,
Dy. Jute Commissioner.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 13th May 1980

No. A-1/1 (1156)/80.—On his reversion to the post of Superintendent (Level II), Shri T. V. Pote, officiating Assistant Director (Grade-II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay, relinquished charge of his post on the forenoon of 1-5-80.

The 26th May 1980

No. A-1/2(360).—The President is pleased to appoint Shri R. V. Pattabhiraman who has been officiating as Director (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on ad-hoc basis with effect from 13-6-1979 to officiate as Director (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate at New Delhi on regular basis with effect from 3-4-80.

The 23rd May 1980

CORRIGENDUM

No 3947B A-19012 (1-RVGN)/79-19A.—In partial modification of this office undermentioned notifications, the pay of the following Assistant Geologists in the Geological Survey of India, will be fixed according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- instead of minimum of the scale as stated therein.

Name
1. Shri Shashank Bhatnagar
2. " Avdh Narayan Singh
6. " Ranuji Kr Biswas

2. Shri K. V. Pattabhiraman on promotion as Director of Supplies on regular basis is placed on probation for two years from 3-4-80 (F/N).

No. A-1/2 (360).—The President is pleased to appoint Shri O. J. Srivastava, who has been officiating as Director (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on ad-hoc basis with effect from 14-6-1979 to officiate as Director (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate at New Delhi on regular basis with effect from 3-4-80

2. Shri O. P. Srivastava on promotion as Director of Supplies on regular basis is placed on probation for two years from 3-4-80 (F/N).

No. A-15/28(626)/77.—The President is pleased to extend the deputation period as OSD (Trg.) of Shri K. N. Sircar, a Gr. 1 Officer of Central Secretarial Services, for a period of 6 months beyond 30-7-80 i.e. upto 30-1-81.

K. KISHORE
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 15th May 1980

No A6/247 (332)/74.—The President has been pleased to appoint Shri V. Srinivasulu, Asstt. Inspecting Officer (Met) in the Jamshedpur Inspectorate to officiate on ad-hoc basis as Ass'tt. Director of Inspection (Met) (Grade III of Indian Inspection Service (Group 'A' Met-Branch) in the same office w.e.f. 10-4-1980 (F/N) and until further orders.

Shri Srinivasulu relinquished charge of the post of AIO (Met) and assumed charge of the post of ADI (Met) in the office of the Director of Inspection (Met), Jamshedpur on 10-4-1980 (F/N).

P. D. SETH,
Dy. Director (Admn)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 20th May 1980

No. 3636 N/A.32013(AO)78-80/19A.—The following Superintendents, Geological Survey of India are appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders :—

Sl No., Name & Date of Appointment

- 1 Shri B. K. Chatterjee—26-3-1980 (F.N.)
- 2. Shri J. K. Sharma—26-3-1980 (F.N.)
- 3 Shri R. Palaniswamy—27-3-1980 (F.N.)

No. 3830B/A-32014(1-Asstt. Geol.)/78-19A.—Shri D. P. Sharma, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India, who is now on deputation with the Govt. of Nagaland is granted proforma promotion to the post of Assistant Geologist in the same Department in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of the 25-1-1979 under the next below rules until further orders.

NOTIFICATION NO. & DATE

- 7616B/2222(SB)/19Ad. tcd 10/11-10-78
- 7695/2222(ANS)/19A " 10/11-10-78
- 7590B/2222(PKS)19A " 10/11-10-78

4. Shri Rathindra Nath Ghosh	8470B/2222(RNG)/19A "	1-12-78
6. " R. Venugopal Nair	8490B/2222(RVN)/19A "	1-12-78
6. " B. V. Srinivasan	8473B/2222(BVS)/19A ..	6-12-78
7. " Mohd. K m I K zim:	8749B/2222(MKK)/19A "	6-12-78

(V. S. Krishnaswamy)
Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th May 1980

No. 19-2/75-Admn.I.—Consequent on the abolition of the post of Assistant Professor of Bio-physics at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research Pondicherry Shri B. Krishnan relinquished charge of the post of Assistant Professor of Bio-physics in the afternoon of 31st March 1978 and assumed charge of the post of Lecturer in Physics, on the same day in the same Institute.

No. A. 12025/11/79(AIIHPH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. K. Chakraborty to the post of Assistant Research Officer (Psychologist) at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of 17th April, 1980, on temporary basis and until further orders.

The 21st May 1980

No. A. 32014/2/79(JIP)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. K. Kulkarni, Jr. Occupational Therapist, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, to the post of Senior Occupational Therapist in the same Institute with effect from the forenoon of 17th April, 1980 on an ad-hoc basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration (O&M)

(STARE I SECTION)

New Delhi, the 24th May 1980

No. A.19012/11/79-SI.—The Director General of Health Services announces with regret the death of Shri S. G. Kulkarni Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot Bombay on 30-3-80.

SHIV DAYAL,
Dy. Director Administration (Store).

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 16th May, 1980

No. F. 3-48/79-Estt.(I).—The ad-hoc appointment of S/Shri S. L. Dhir, K. R. Vij and O. P. Bhasin in the posts of

Superintendent (Grade I) is further continued with effect from 1-5-1980 to 31-8-1980 or till the posts are filled up on regular basis whichever is earlier.

B. N. CHADHA,
Director Administration.

OFFICE OF THE CHIEF EXECUTIVE OFFICER,
LOGGING TRAINING CENTRES PROJECT

Dehra Dun, the 21st May 1980

No. 6-177/76-LTCP.—The services of Shri A. R. Dhutawalia, HPFS-II on deputation in the Logging Training Centres Project, as Logging Instructor, have been replaced at the disposal of the H.P. Govt. w.e.f. 1-5-80 (F.N.).

HARI KANT
Chief Executive Officer.

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MAKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th May 1980

No. A.19025/41/79-A-III.—Consequent on his selection for appointment to the post of Junior Inspecting Officer (I&VP) in the Department of Food, Shri B. D. Bajaj, Asstt. Marketing Officer, relinquished charge of his duties in this Directorate at New Delhi with effect from the forenoon of 1st May 1980.

No. A-19025/21/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Kunwar Pal Singh has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Ahmedabad with effect from the 9th May, 1980 (A.N.) until further orders.

The 26th May 1980

No. A-19025/32/79-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Shri K. Sampat Kumar, has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group III) in this Dte. at Guntur, w.e.f. 12-5-80 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIWAR
Director of Admn.
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora Township, the 14th May 1980

No. NAPP/Adm/I(132)/80 S/5979—Chief Project Engineer Narora Atomic Power Project appoints the following Officers to officiate as Scientific Officers/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the dates mentioned against each until further orders :—

Sl. No.	Name	Present grade	Permanent/QP hpost held	Date of assumption of charge
1	2	3	4	5
1. M.A. Rashid	Scientific Assistant 'C'	.P. Scientific Assistant 'B'		1-2-1980
2. Bhupinder Singh	Draughtsman 'C'	Draughtsman 'A'		1-2-1980
3. J.M. Dutta	Foreman	Q.P. Assistant Foreman		1-2-1980
4. V.H. Narula	Scientific Assistant 'C'	—		1-2-1980
5. K.P. Agarwal	Scientific Assistant 'C'	—		1-2-1980

The 17th May 1980

No. NAPP/Adm/1(92)/80-S/6085.—Consequent on his transfer to Tarapur Atomic Power Station, Tarapur, Shri S. Krishnan, a permanent Assistant Personnel Officer and officiating Administrative Officer-II in this Project has relinquished the charge of the post of Administrative Officer-II on the afternoon of May 3, 1980.

A. D. BHATTIA
Administrative Officer

NUCLFAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 19th May 1980

No. NFC : PAR : 0705/2636.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri V. Venkateswara Rao, Assistant Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II on *ad hoc* basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 9-5-1980 to 16-6-1980, against a leave vacancy.

No. NFC : PAR : 0705/2637.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri C. R. Prabhakaran, Asst. Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer on *ad hoc* basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 2-5-80 to 16-6-1980, against a leave vacancy.

U. VASUDEVA RAO
Senior Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 27th May 1980

No. ADM-8(6)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. N. Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 12-5-1980 to 13-6-1980 vice Shri Mukund Singh, Assistant Personnel Officer granted leave.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 16th May 1980

No. A.32023/1/77/R/6156.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Muthiah Krishnamoorthy, a permanent Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Stenographer Grade-III of

New Delhi, the 23rd May 1980

No. A.32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on an *ad-hoc* basis with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	P. J. Verghese	ACS Hyderabad.	ACS Hyderabad	28-4-80 (FN)
2.	T. M. G. Menon	ACS Hyderabad	ACS Hyderabad	28-4-80 (FN)
3.	C. Madhavan	ACS Rajkot.	ACS Ahmedabad	26-4-80 (FN)
4.	M. D. Kaitra	ACS Bombay	ACS Ahmedabad	29-4-80 (FN)
5.	T. N. Roy Chowdhury	ACS Calcutta	ACS Calcutta	10-4-80 (FN)
6.	N. N. De Sarkar	ACS Calcutta	ACS Calcutta	11-4-80 (FN)
7.	M. Warrier	ACS Calcutta	ACS Calcutta	11-4-80 (FN)
8.	H. P. Nandi	ACS Calcutta	ACS Calcutta	11-4-80 (FN)
9.	S. N. Sen	ACS Calcutta	ACS Calcutta	14-4-80 (FN)
10.	A. K. Banerjee	ACS Gauhati	ACS Gauhati	27-4-80 (FN)

this Centre in an officiating capacity on an *ad hoc* basis as Assistant Administrative Officer for the period from 12-5-80 to 13-6-80, vice Shri R. Narayanan Assistant Administrative Officer proceeded on leave.

S. PADMANABHAN
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

Sriharikota, the 9th May 1980

No. SCF : P&GA : Estt : 1.72.—Consequent on the issue of Office Memorandum No. 2/2(19)/77-1 dated December 13, 1979 by the Department of Space and the options exercised by the employees, the following Assistant Administrative Officers of Shar Centre in the scale of pay of Rs. 550—25—750—EB—30—900 are placed in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from 1st April 1980.

1. Shri N. Sundararajan, Asst. Administrative Officer.
2. Shri T. C. Kurian, Asst. Administrative Officer.

Sd/- ILLEGIBLE
Head, Personnel & Genl. Admn. Division

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695 022, the 15th May 1980

No. VSSC/EST/F/1(17).—The Controller, VSSC hereby appoints Sri. O. S. Narayana Kurup, in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from the forenoon of 19th April, 1980 and until further orders.

P. A. KURIAN
Admin. Officer-II(EST)
for Controller, VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st May 1980

No. A-35018/4/79-EI.—On reversion to his parent office on the expiry of his term of deputation, Shri P. R. Laroiyi relinquished the charge of the office of Accounts Officer, Civil Aviation Department, New Delhi on the forenoon of 1st May, 1980.

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration

The 24th May 1980

No. A.31011/1/77-EC.—In this Department Notification number A.31011/1/77-EC dated 1-4-80, the serial numbers 3 and 16 thereof may be substituted to read as under :—

S. No.	Name	Station of posting
1	2	3
2.	Shri V. K. Khandelwal—Controller of Aeronautical Inspection, Calcutta Airport, Dum Dum, Calcutta.	

J 2 3 4

16. Shri A. Jagdesan—Controller of Aeronautical Inspection, Hyderabad.

No. A.32014/3/79-EC(Pt. III).—Serial No. 9 of this Department Notification No. A.32014/3/79-EC(Pt. III) dated 14-5-80 is substituted to read as under :—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
9.	Shri D. Krishnamurthy	Aero. Comm. Station Bombay	Aero. Comm. Station Bombay.	19-4-80 (FN)

No. A.32014/3/79-EC(Pt. III).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
1.	Shri S. K. Guha	Aeronautical Communication station Calcutta.	Aeronautical Communication Station Calcutta.	14-6-80 (FN)
2.	Shri S. R. D. Barman	Aeronautical Communication station Calcutta.	Aeronautical Communication Station Calcutta.	17-4-80 (FN)

No. A.32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on an ad-hoc basis with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present station of posting	to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
1.	Shri S. V. Cholkar	Aero. Comm. Stn. Bhopal	A.C.S. Ahmedabad	30-4-80 (FN)
2.	Shri S. D'Silva	Aero. Comm. Stn. Bangalore	Aero. Comm. Stn. Hyderabad	16-5-80 (FN)

No. A.38013/1/80-EC.—The undermentioned two officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office on 30-4-1980(AN) on retirement on attaining the age of superannuation :—

Sl. No.	Name & Designation	Station
1	2	3
1.	Shri R. K. Sachdeva, Asstt. Technical Officer.	Controller, Central Stores Depot, New Delhi.
2.	Shri O. P. Tiwari, Asstt. Technical Officer.	Radio Construction & Development Units, New Delhi.

(This Department Notification No. A.38013/1/80-EC, dated 13-5-1980 is hereby cancelled.)

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE Bombay, the May 1980

No. 1/455/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. D. Garg, Technical Assistant, Dehra Dun as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 8-5-1978 to 1-7-1978, against short-term vacancy, purely on ad hoc basis.

The 21st May 1980

No. 1/95/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri I. G. Honakamble as Assistant Engineer, in an officiating capacity in Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 15th February 1980 and until further orders.

2. Shri Honakamble was, at his own written request, released from Overseas Communications Service on the after-

noon of the 4th March, 1980, on repatriation to his parent Department. (Bombay Telephones).

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-
VIDYALAYA

Dehra Dun, the 27th May 1980

No. 16/203/71-Ests-I.—On the expiry of three month notice given by Shri M. L. Mehra, Research Officer, the President, FRI& Colleges, Dehra Dun has permitted him to retire voluntarily from Government service w.e.f. the afternoon of 8-4-1980.

R. N. MOHANTY
Kul Sachiv

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMES

Indore, the 20th May 1980

No. 7/80.—Consequent upon the recommendation of U.P.S.C. vide their letter No. F. 1/12/79-RG, dated 15-9-1979, and our Establishment Order No. 3/80 [C. No. II (31)] 6-Con/79, dated 19-1-1980. Shri A. R. Bose has assumed charge as Superintendent, (Mechanical Engineering) Central Excise, Hqrs. Office, Indore, in the Forenoon of 21-4-1980.

S. K. DHAR
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 27th May 1980

No. 11/80.—Shri Dharmu Gurnani, on being nominated by the U.P.S.C. has been appointed as Superintendent Central Excise Group 'B' (Mechanical Engineering) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at New Delhi and assumed charge of the post on 11-4-1980 (Forenoon).

No. 12/80.—Shri Anjani Kumar Kaushil, on being nominated by the U.P.S.C. has been appointed as Superintendent Central Excise Group 'B' (Expert-Mineral Oil Technology) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Headquarters office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi and assumed charge of the post on 15-4-1980 (Forenoon).

No. 13/80.—Shri Satya Prakash Paliwal, on being nominated by the U.P.S.C., has been appointed as Superintendent Central Excise Group 'B' (Expert-Chemical Engineer) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi and assumed charge of the post on 22-4-1980 (Forenoon).

No. 14/80.—Shri H. K. Rangaswamy lately posted as Junior Analyst in the Statistics & Intelligence (Customs and Central Excise) Directorate, New Delhi on transfer to the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Hyderabad via Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise Order C. No. 1041/41/79 dated 20-2-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' on 1-5-1980 (Forenoon).

K. L. REKHI
Director of Inspection

DIRECTORATE OF GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 22nd May 1980

No. 12/7/74-ECIX(Vol.II).—The President is pleased to confirm the undermentioned officers in the grade of Senior 19—106GI/80

Architects in the C.P.W.D. with effect from the dates noted against their names :—

1. Shri A. A. Ghare—20-3-1976.
2. Shri M. K. Rishi—13-6-1976.
3. Shri Joginder Bahadur—1-11-1976.

No. 33/11/78-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri Sat Pal a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 29-4-80 (F.N.) on the usual term and conditions. His pay will be refixed shortly under the rules.

2. Shri Sat Pal is placed on probation for a period of two years w.e.f. 29-4-80 (F.N.).

K. A. ANANTHANARAYANAN
Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF LAW JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
(COMPANY LAW BOARD)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

New Delhi, the 16th May 1980

*Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
in the matter of M/S Printers Corporation Pvt. Ltd.*

No. Co. Lign 5371-4739.—By an order dated the 27-4-1978 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Printers Corporation Private Limited has been ordered to be wound up.

S. P. VASHISHTHA,
Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of "A.K.V.
Chit Fund & Finance Private Limited".*

Pondicherry, the 29th April 1980

No. 85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of A. K. V. Chit Fund & Finance Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

B. KOTESWARA RAO
Registrar of Companies, Pondicherry.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s
Chandra Electric & Engineering company private Ltd.*

Bangalore, the 24th May 1980

No. 1097/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Chandra Electric & Engineering company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s
Pandavapura Chit Fund Private Ltd.*

Bangalore, the 24th May 1980

No. 28-15/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Pandavapura Chit Fund Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore

In the matter of Companies Act, 1956, and Ekaant Hotels Private Limited

Patna, the 24th May 1980

No. (1210)1/560/80-81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ekaant Hotels Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE
Registrar of Companies,
Bihar, Patna.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Amber Hotels & Restaurants Private Limited

Jaipur, the 22nd May 1980

No. STAT/1493.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Amber Hotels & Restaurant Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. C. GUPTA
Registrar of Companies,
Rajasthan, Jaipur

In the matter of the Companies Act, 1956, and In the matter of M/s The Pioneers Company Private Limited, Raigarh

Gwalior, the 26th May 1980

No. 994/Yadav/2144.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Pioneers Company Private Limited, Raigarh, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company be dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior.

Office of the Commissioner of Income-tax

New Delhi, the 23rd April 1980

INCOME TAX

F. No. JUR-DLI/1/80-81/3279.—In supersession of all previous orders on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in column (2) of the Schedule hereto annexed shall perform their functions in respect of the persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases specified in column (3) of the said Schedule, other than the cases of the persons which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the Income-tax Act, 1961 to any other Income-tax Officer.

This notification shall have effect from 1-5-1980.

SCHEDULE

S. No.	Designation of the Income-tax Officer	Jurisdiction
1	2	3
1.	Income-tax Officer Private Salary Circle, New Delhi.	All Indian employees of all Universities and Educational Institutions other than those run by Delhi Municipal Corporation and New Delhi Municipal Committee.

1	2	3
2.	Income-tax Officer Private Salary Circle-I, -New Delhi.	All cases which have been or may hereafter be assigned u/s. 127 of the I.T. Act, 1961. All Indian employees of the following employers :—
1.	Air Corporations & Air Companies.	
2.	United Nations & Allied Agencies, Foreign Diplomatic Missions, Consulates & Trade Commissioners and all other employees of the Foreign Government and Foundations.	
3.	All India Institute of Medical Science.	
4.	Lady Harding Medical College and Sucheta Kirpani Hospital.	
5.	All Hospital, other than Government Hospitals.	
3.	Income-tax Officer, Private Salary Circle-II, New Delhi.	All cases which have been or may hereafter be assigned u/s. 127 of the I.T. Act, 1961. All Indian employees of :— 1. Reserve Bank of India. 2. All Banks, Both Indian & Foreign, except State Bank of India and its subsidiaries.
4.	Income-tax Officer, Private Salary Circle-III, N. Delhi.	All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T.O. Act, 1961. All Indian Employees of non-Government employers whose names begin with alphabets ('P' to 'Z' both inclusive). All cases which have been or may hereafter be assigned u/s. 127 of the I.T. Act, 1961.
5.	Income-tax Officer, Private Salary Circle-IV, New Delhi.	All Indian employees of non Government employers whose name begin with alphabets 'A' 'B', 'C' & 'D'. All cases which have been or may hereafter be assigned u/s. 127 of the I.T. Act, 1961.
6.	Income-tax Officer, Private Salary Circle-V, New Delhi.	All Indian employees of Government of India Undertakings Autonomous Bodies except the following :— 1. Engineers India Ltd. 2. Life Insurance Corporation of India. 3. Food Corporation of India. 4. Indian Tourism Development Corporation. 5. Delhi Transport Corporation.
7.	Income-tax Officer, Private Salary Circle-VI, New Delhi.	All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961. All Indian employees of the following employers :— 1. All Oil Companies & Corporations. 2. Hindustan Levers Ltd. 3. Employees of the Concord Publishing New papers, Journals and Magazines.

1	2	3	1	2	3
4.	Employees of News Agencies (both Indian & Foreign).		3.	All Schools & Hospitals and other Institutions administered by D.M.C. and N.D.M.C.	
5.	University Grants Commission.		4.	Delhi Electric Supply Undertaking.	
6.	National Council for Educational Research & Training.		5.	Delhi Transport Corporation.	
7.	All employees of non-Government employers whose names begin with the alphabets 'L' & 'M'.	All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.	6.	Escorts Ltd.	All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.
8.	Income-tax Officer, Private Salary Circle-VII, New Delhi.	All Indian Employees of the following employers :—	10.	Income-tax Officer, Private Salary Circle-IX, New Delhi.	All Foreign employees of all employers in Delhi.
		1. Delhi Cloth & General Mills Group.	11.	Income-tax Officer, Private Salary Circle-X, New Delhi.	All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.
		2. Life Insurance Corporation of India.	12.	Income-tax Officer, Private Salary Circle-XI, New Delhi.	All Indian employees of non-Government employers whose names begin with alphabet 'H', 'I', 'J' & 'K'. State Bank of India and its subsidiaries.
		3. Indian Tourism Development Corporation.			All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.
		4. All employees of non-Government employers whose names begin with the alphabets 'E', 'F' & 'G'.			All Indian employees of non-Government employers whose names begin with alphabets 'N' & 'O'.
		All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.			All Indian employees of the following :—
9.	Income-tax Officer, Private Salary Circle-VIII, New Delhi.	All Indian employees of the following employers :—	1.	Engineers India Ltd.	
		1. Delhi Municipal Corporation.	2.	Food Corporation of India.	
		2. New Delhi Municipal Committee.	3.	Delhi Development Authority.	
					All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.

M.W.A. KHAN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-I, New Delhi.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI(1) Smt. Guna Wati, W/o
Shri Dina Nath Khu, R/o
J-5/101-B, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Janak Rani Suri, W/o
Shri Prem Nath Suri &
Shri Ashwani Suri, S/o
Shri Prem Nath Suri, R/o
16/103, Gali No. 4 Joshi Road,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. J-5/101-B, situated at Rajouri Garden, New Delhi. mg. 160 Sq. Yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/9-79/2826.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41 Bighas 6 Biswas situated at Village Hamid Pur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sham Dass
S/o Shri Dhalu Ram
R/o 8808, Shidipura Delhi,
as General attorney of
Shri Parshotam Dass
S/o Shri Hira Nand.

(Transferor)

(2) S/Shri 1 Daya Nand, 2. Dharam Pal &
3. Siri Krishan S/o Sh. Sube Singh
R/o WZ-37, Nangli Jalab,
Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 41 Bighas 6 Biswas of Khasra No. 9/15, 9/16, 9/20, 9/21, 9/22, etc. situated in Village Hamidpur, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ-II/SR-II/9-79/2831.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37 Bighas 6 Biswas Agr. land situated at Hamidpur, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1979

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sham Dass
S/o Shri Dhulu Ram
R/o 8808, Shidipura Delhi,
as General attorney of
Shri Parshotam Dass
S/o Shri Hira Nand.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwani Devi
Wd/o Sh. Sube Singh
R/o WZ-37, Nangli Jalab,
Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 37 Bighas 6 Biswas bearing Khasra Nos. 39/11, 39/20, 29/21, etc. situated in Hamidpur, Delhi

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ram Kishan Dass,
S/o Lala Kanshi Ram
R/o 5216, Kohlapur Road,
Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sumati Parkash Jain S/o Sh. Pyare Lal Jain
R/o 89 Jain Colony (Veer Nagar) G T Road
Delhi

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-II, ROOM NO 107, H-BLOCK
VIKAS NIVAWAN, I P STATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref No IAC/Acq II SR 1/9 79/5751—Whereas, I
R B L AGGARWAL,

being the Competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 5215, 6216, 5217 & 5240 Plot No 12 situated at Block N' Ward No XII, Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No 5215, 6216, 5217 & 5240 Plot No 12 Block N' Ward No XII situated at Kamla Nagar, Delhi-7 land measuring 216 Sq Yds

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

R B L AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. STATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II/9-79/5810.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
House No. WZ-3, situated at Ashoka Park Ext. New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on September, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons, namely:—

(1) Shri Kartar Chand Sharma
S/o Shri Harnam Dass Sharma &
Smt. Tripati Kumari Sharma
W/o Shri Kartar Chand Sharma
R/o WZ-3, Ashoka Park Ext.,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shree Anandpur Trust,
Shree Anandpur, Tehsil Ashok Nagar,
Distt. Guna, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

House No. WZ-3, Ashoka Park Extn., area of vill. Bassai
Darapur, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, II-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/9-79/5776.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G/50 situated at Bali Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on September 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—106GI/80

(1) Shri Harbhajan Singh, S/o
Shri Prem Singh, R/o
11/31, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmeet Gulati, W/o
Shri N. S. Gulati, R/o
8/30, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. House on Plot No. G/50, mg. 200 sq. yds. at Bali Nagar, area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi.

Date : 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/9-79/5799.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-2/80 situated at Rajouri Garden, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Lajwati Devi Wd/o
 Shri Bhagat Ram, R/o
 A-2/80, Rajouri Garden, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) S/Shri Inderjit Oberoi &
 Sarita Oberoi, R/o
 17/1 & 17/2 Subhash Nagar, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. A-2/80 Rajouri Garden, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ved Dutt Wd/o
Shri Prehlad Bhagat Dutt R/o
21 Amar Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Paramjit Kaur Sachdeva, W/o
Shri Ubdesh Singh Sachdeva, R/o
J-11/124, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/9-79/2818.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. WZ-214(F-71) situated at Shiv Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. WZ-124(F-71) Shiv Nagar, N. Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/9-79/5758.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XII/8068 situated at Mohalla Kharion Roshan Ara Road, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. R. Kohli, R/o XII/8068 Mohalla Kharion Roshanara Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Kumar & Smt. Lila Wati R/o D-13 C.C. Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house No. XII/8068 Mohalla Kharian Roshan Ara Road Delhi-73.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H BLOCK
VIKAS BHAWAN, I P STATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq II/SR II/9-79/2824.—Whereas, I,
R B L AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No
Land mg 3 Bighas Kh No 83/10 situated at
Village Palam, New Delhi-45
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt Vimla Chawla
W/o Shri S L Chawla
R/o J 33 South Extn Part-I,
New Delhi
(Transferor)
- (2) 1 Shri II Sarkar S/o Sh Bipin Bihari Sarkar
2 Sh Sandeep Dutta S/o Sh B K Dutta,
3 Sh A K Chakrabarti s/o Sh Ankul Chandra Chakrabarti
4 Smt Chandra Goswami w/o Sh P K Goswami
5 Smt Santa Roy w/o Sh Robin Chandra Roy
6 Smt Manika Biswas w/o Sh S K Biswas
7 Sh Malav Kumar Sarkar s/o Sh H Sarkar
8 Smt Anum Mondal w/o Sh M D Mondal
9 Sh Ashish Maji & 10 Sh Nirmalaya Maji
both Ss/o Shri S Maji
11 Sh Naresh Chandra Thakurta
S/o Late Shri Arun Chandra Thakurta
12 Smt. Pratima Maji w/o Sh H C Maji
R/o Sec 4/597, R K Puram,
New Delhi
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One Agricultural land measuring 3 Bighas Kh. No. 83/10 & situated at Village Palam, New Delhi-45.

R B L AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1552.—Whereas, I,
VIIAY MATHUR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Balaghat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Balaghat on 28th September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Goverdhan Das
S/o Shri Chhaganmal Chhitarka (Agarwal)
R/o Ward No. 19, Balaghat.
(Transferor)
- (2) Shri Hariram
S/o Shri Gehimal Wadhwanji
R/o Ward No. 9, Balaghat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house constructed on plot part of Kh. No. 351/10/B Ward No. 19 Station Road, Balaghat.

VIIAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Goverdhan Das
S/o Shri Chhaganmal Chhitarka (Agarwal)
R/o Ward No. 19, Balaghat.
(Transferor)
- (2) Shri Kanhaiya Lal
S/o Shri Gehimal Wadhwani
R/o Ward No. 9, Balaghat.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No.JAC/ACQ/BPL/80-81/1553.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Balaghat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balaghat on 28th September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of the house constructed on plot part of Kh. No. 351/10/B Ward No. 19 Station Road, Balaghat.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1554.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Land situated at Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Bhopal on 12th December, 1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
is agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) S/Sbr. Jogendu Singh Trilochan Singh Chawla
C/o Messrs. Popular Industries,
Chhola Road, Bhopal

(Transferor)

(2) 1. S/Shri Omprakash Sinha,
2. Gopal Krishan Agarwal and
3 Rakesh Kumar Singh
all S/o Late Shri Sawaldasji Singh
4. Smt. Rambha Devi
W/o Late Shri Sawaldasji Singh
all R/o 59-Laknchapura, Bhopal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 23,436 Sq. ft. situated at Chicklod Road, Jinsi,
Jenangirabad, Bhopal.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1555.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 12th October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Ramkishori Tandon
W/o Late Gourishankar Tandon,
Padav Laxmanpura, Gwalior, Presently R/o
24/6, Tilsa Kothi, Mall Road, Kanpur.
2. Subhaladevi Mehrotra
W/o Shri Jagat Narayanji Mehrotra
R/o 107/234, Nchiu Nagar, Kanpur.
(Transferee)

- (2) Shri Laxmandas Agarwal
S/o Shri Phoolchand Agarwal
R/o Shetole Sahab ka Bada, Jayandraganj,
Lashkar, Gwalior.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 16/816 at Padav, Laxmanpura, Gwalior.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21 -106GI/80

Date : 7-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1556.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 25th September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri 1. Prakash Chandra
2. Vimal Chandra and
3. Subhash Chandra
all R/o Dewas Road, Ujjain.

(Transferor)

(2) S/Shri Gordhandas and Kamalkishore C/o
M/s Brijwasi & Co., Dewas Gate, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 89/1 University Road, Ujjain.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIOPAL, M.P.(1) Smt. Jaswant Kaur
W/o Shri Jaswant Singh
R/o Namak Mandi, Ujjain.

(Transferor)

(2) 1. Shri Mohd. Hussain
S/o Shri Kika Bhai
2. S/Shri Inayat Hussain, 3. Mohsin Ali,
4. Iakiuddin, 5. Safdar Hussain
S/o Shri Mohd. Hussain Bhai
R/o Khara Kua, Bahadurpura Bakhal,
Ujjain.

(Transferee)

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./80-81/1557.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ujjain on 26th September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No.1/173, Indore-Dewas Dudh Talai, Station Road, Ujjain.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Jaswant Kaur
W/o Shri Jaswant Singh
R/o Namak Mandi, Ujjain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No IAC/ACQ/BPL/80 81/1558 —Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing House (part) situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 26th September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House No 1/173, Indore-Dewas Dugh Talai, Station Road, Ujjain.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1559.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 14th November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Shri 1. Balkrishna Rao Shankar Rao
2. Pradeep Kumar Balakrishna Rao
3. Prakash Balakrishna Rao
All R/o H. No. 145, Ward No. 6,
Shah Bazar, Burhanpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Khem Chand
S/o Shri Dulichand Bhagat &
2. Shri Narendra Kumar (minor)
S/o Shri Dulichand
R/o H. No. 1 Ward No. 4,
Pratap Pura, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 145, Ward No. 6, Shah Bazar, Burhanpur.

VIJAY KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

- (1) 1. Shri Shyamal
S/o Shri Jhangalmal
2. Shri Kimatmal
S/o Shri Hazarimal
3. Shri Hukamchand
S/o Shri Kimatmal &
4. Smt. Maina Bai
W/o Shri Jhangalmal

(Transferor)

- (2) Shri Dilbagrai
S/o Shri Pritamal
R/o 3A, Adarsh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC./ACO/BPL/80-81/1560.—Whereas, I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 19th October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house No. 3-A, Adarsh Nagar, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-1980 .

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1561.—Whereas, I,
SATISH CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

House (Part) situated at Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 16th November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shyamal
S/o Shri Jhang lmal
2. Shri Kimatmal
S/o Shri Hazarimal
3. Shri Hukamchand
S/o Shri Kimatmal &
4. Smt. Maina Bai
W/o Shri Jhangmal

(Transferor)

- (2) Shri Narendra Kumar
S/o Shri Pritamal
R/o 3A, Adarsh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 3-A, Adarsh Nagar, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal the 13th May 1980

Rcf No IAC/ACC/BPI/80 81/1562—Whereas, I,

SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No House (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16th November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1 Shri Shyamal
S/o Shri Jhangalmal
2 Shri Kimatmal
S/o Shri Hazurmal
3 Shri Hukumchand
S/o Shri Kimatmal &
4 Smt Mama Bai
W/o Shri Jhangalmal
All R/o 141/2 Battathi Colony, No 2 Indore
(Transferors)

(2) Shri Somnath
S/o Shri Pritamalji
R/o 3A Adarsh Nagar Indore
(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of house No 3A, Adarsh Nagar Indore

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 13-5-1980
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/80-81/1563.—Whereas, I,
SATISH CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore, on 26th October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) 1. Shri Shyamal
S/o Shri Jhangalmal
2. Shri Kumalmal
S/o Shri Hazarimal
3. Shri Hukumchand
S/o Shri Kiroatmal &
4. Smt. Maina Bai
W/o Shri Jhangalmal
all R/o 141/2 Bairathi Colony No. 2, Indore.
(Transferors)

- (2) Shri Jaikishan
S/o Shri Pritamal
R/o 3A, Adarsh Nagar, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house No. 3-A, Adaish Nagar, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—106GI/80

Date : 13-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1564.— Whereas, I,
SATISH CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Sagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri 1. Sambhu Prasad & 2. Vishvanath both S/o Shri Parmanand Pateria R/o Katra Bazar, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Hukumchand S/o Shri Maghanmal Sindhi, R/o Civil Lines, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house No. 83 situated on main road at Katra Bazar, Sagar.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mankuwarbai, W/o
Shri Ramnivasji Bhaiya, R/o
2/5 M.G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shri Chand
S/o Shri Narayandas
R/o 161, Palashikar Colony, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1565.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Indore on 18th October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Shop No. 1 in G.F. of the Municipal House No. 2/5, M.G. Road, (near Kothari Market), Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1566.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 27th October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Dr. Rajyashree Choube
D/o Shri Mahesh Chandra Choube,
R/o Golbazar, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Choube
W/o Shri Rajiv Ratan Choube,
R/o Golbazar, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double Storied Building Corpn. No. 287, 287/1 to 287/3, Victoria Road, South Civil Lines, Jabalpur.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80 8-/1567.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 26th Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahadeo S/o Shri Baijulal & 2 Satyanarayanan S/o Shri Mahadeo, both R/o 46, Bombay Bazar, Mhow.
(Transferor)
- (2) 1 Shri Babulal S/o Murlihdhar
2. Rajendra Kumar S/o Shri Babulal &
3 Radheshyam S/o Shri Babulal all R/o 62,
Maulana Azad Marg (Lohar Path), Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied house bearing No. 42, Maulana Azad Marg, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-8-/1568.—Whereas, I, **SATISH CHANDRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28th Sept., 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Vivekanand Grih Sahakari Sanstha Maryadit, 3, Nandanvan Colony, Indore.
(Transferor)

(2) Shri Pradeep Kumar Krishnarao Hawaldar, C/o Bank of India, Gautampura Branch, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single Storied house bearing No. 42, at Nandanvan Colony, Indore.

**SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.**

Date : 13-5-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1570.—Whereas, I,
SATISH CHANDRA,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs.
 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Indore
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
 1908), in the office of the Registering Officer at
 Indore on 22nd Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shyam Sunder S/o Kishanlal Goyal R/o 13,
 North Hathipala, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. NARBODABAI W/o KISHORILAL GOYAL

(2) Smt. Savitribai W/o Banwarilal &

(3) Smt. Kasumlata W/o Dhannalal Goyal all R/o
 49, Janki Nagar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 36 at Sneh Nagar, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-80

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Bhagwandas S/o Gokulji Nagar,
R/o Bombay-Agra Road, Pulasia, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Surendra Kumar & Narendra Kumar both S/o
Shri Kishandas Agarwal, R/o 3-Hukumchand Marg,
Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1570.—Whereas, I,
SATISH CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
House situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 5th Sept., 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single Storied tinshed house at 19-20/2, Ahilyapura, Indore

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-5-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1751.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Godown situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 3rd Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Shree Bharti Publications Ltd. through Director
Shri Nikhilesh S/o Surendranath Sastry, 151/10,
Imli Bazar, Peergali, Indore.
(Transferor)

(2) Shri Prakashchand S/o Chhotelal Pokharana, R/o
19, Bada Sarafa, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storied Godown No. 151/11 at Imli Bazar, Peer-gali, Indore.

SATISH CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-5-80

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—106GI/80

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1572.—Whereas, I,
SATISH CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13th Sept., 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (1) Dr. Ramkrishna S/o Shankerlal Shukla R/o Village Pathrad Khurd, Teh. Maheshwar Distt Khargone, (Transferor)
 (2) Smt. Sumitra Kaur W/o Darshan Singh Saluja, R/o Village Manpur Teh. Mhow. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied house at 47, Vishnupuri Colony, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Amrit Kaur W/o Gurbachan Singh
R/o 17/1, Navapura, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rukhmanibai W/o Madanlal Sinhal,
136, Devi Ahilya Marg, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1573.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 26th Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3 at Rambag Gali No. 2, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Roman Catholic through Director FR G. E. R/o Bhagwan Colony, Thatipur, Morar.
(Transferor)

(2) Shri Sovaransingh S/o Shri Ujgarsingh,
R/o Village Mai, Distt. Agra
(Now at Bhagwan Colony, Thatipur, Morar)
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1574.—Whereas, I,
SATISH CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 2691B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Morar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storied house at Bhagwan Colony, Thatipur, Morar, Gwalior.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kapooridevi W/o Late Marayan Prasad Singh
R/o Heeng ki Mandi, Agra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1575.—Whereas, I, SATISHCHANDRA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gwalior

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 5th September 1979

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1. Rameshchand S/o Jamunadas Renwal &
2. Vishnukumar S/o Jamunadas Renwal,
R/o Sarafa Bazar, Lashker.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storied house, at 7, Tansen Road (Gaushpura) Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Sharadrao S/o Bhaskhar Rao Munsiraja,
R/o Chawadi Bazar, Lashkar.
(Transferor)
- (2) Shri Omprakash S/o Shyamal Kukreja,
Pichhadi Dyodi, Lashkar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
Bhopal

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1576.—Whereas I,

SATISHCHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 28th September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of the double storied house at 693/6, Chawadi Bazar, Lashkar.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sharadrao S/o Bhaskar Rao Munshiraja,
R/o Chawadi Bazar, Lashkar.
(Transferor)

(2) Shri Dilip Kumar S/o Shyamal Kukreja,
R/o Pichhade Dyodi, Lashkar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1577.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 28th September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of the double storied house at 639/6, Chawadi Bazar, Lashkar.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sharadrao S/o Bhaskar Rao Munshiraja,
R/o Chawadi Bazar, Lashkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ashok Kumar S/o Shyamal Kukreja,
R/O Pichhadi Dyodi, Lashkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1578.—Whereas I,

SATISHCHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 28th Sept. 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(1) of (1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Part of the house at 693/6, Chawadi Bazar, Lashkar.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Baboo Ram Singh Kushwaha, Office Incharge,
Basant Vihar Grah Nirman Sahakari Sanstha
Maryadit, Gwalior.
(Transferor)

(2) Smt. Vimaladevi Jain.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1579.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Lashkar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on Sept. 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 15-B at Seindia Kanya Vidhyalaya, Lashkar.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
24—106GJ/80

Date : 14-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1580.—Whereas I,
SATISHCHANDRA,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 moveable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.
 No. Plot situated at Lashkar
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer
 at Gwalior on Sept. 1979,
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 monies or other assets, which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following
 persons, namely :—

- (1) Shri Baboo Ram Singh Kushwaha, Office Incharge,
 Basant Vihar Grah Nirman Sahakari Sanstha
 Matyadit, Gwalior.
 (Transferor)
- (2) Shri Krishnakumar S/o Mahavir Prasad Gupta,
 R/o Naya Bazar, Lashkar.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publication
 of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
 defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

THE SCHEDULE

Plot area 3997 sq. ft. at Scindia Kanya Vidhyalaya,
 Lashkar.

SATISHCHANDRA
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Baboo Ram Singh Kushwaha, Officer Incharge,
Basant Vihar Grah Nieman Sahakari Sanstha Maryadit,
Gwalior.
(Transferor)
- (2) Shri Ramkumar S/o Mahavir Prasad Gupta,
R/o Naya Bazar, Lashkar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref No IAC/ACQ/BPL/80-81/1581 —Whereas I,
SATISHCHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
No Plot situated at Lashkar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on Sept 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Plot area 3997 sq ft at Scindia Kanya Vidhyalaya, Lashkar

SATISH CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 14-5-1980.

Seal

FORM ITNS

- (1) M/s. Sakkar Grah Nirman Sahakari Sanstha,
Lashkar.
(Transferor)
- (2) Shri Kewalram S/o Shri Kemchand Sindhi,
R/o Sakkar Colony, Lashkar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1582.—Whereas I,
SATISHCHANDRA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-** and bearing
 No. Plot situated at Lashkar, Gwalior,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979
 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open plot No. 52 admeasuring 2658 Sq. ft. at Sindhvi Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SATISHCHANDRA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM FINS

(1) M/s Sakkha Grah Nirman Sahakari Sanstha,
through Shri Ghanshyamdas (Secretary)
Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Digamber S/o Sakhawatrai Jaiswani,
R/o Sarifa Bazar, Lashkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1583.—Whereas, I,
SATISHCHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No: Plot situated at Lashkar, Gwalior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at at Gwalior on 4th Sept. 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 51 admeasuring 2658 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Sakkar Grih Nirman Sahakari Samastha, Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar.

(2) Shri Dalip Kumar S/o Thakurdas Sindhi, R/o Balabi Ka Bazar, Lashkar.

(Transferee)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
Bhopal

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1584.—Whereas, I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open plot No. 49 admeasuring 2658 Sq. ft. at Sindhu Vinay Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Sakkar Grah Nirman Sahakari Sanastha,
Through Shri Ghanshyamdas (Secretary),
Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Prakashchand alias Pritamdas S/o Shri Gulab-
rai, Jaisinghani R/o Angre Ka Bazar, Lashkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/80-81/1585.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 28 admeasuring 1924 Sq. ft. at Sindhu Vinar, Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM FNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL**

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1586.—Whereas I,
SATISHCHANDRA,
being the Competent Authority under **Section 269B** of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Plot situated at Lashkar, Gwalior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto,
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering officer
at Gwalior on 4th Sept. 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration, therefore by more
than fifteen per cent. of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer, as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/Sarkar Grah Nirman Sahakari Sanastha,
Through Shri Ghanshyamdas (Secretary),
Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Nanakram S/o Bhorumal Sindhi,
R/o Naya Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 47 admeasuring 2658 Sq. ft. at Sindh
Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1587.—Whereas I,
SATISHCHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s Sakkar Grah Nirman Sahakari Sanastha, Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar. (Transferor)
- (2) Nanakram & Shyamdas both S/o Shri Balchand Sindhi, R/o Chitnis Ki Gonth, Lashkar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 50 admeasuring 2658 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980,
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—106GI/80

FORM ITNS—

(1) M/s Sakkar Grah Nirman Sahakari Sanastha,
Through Shri Ghanshyamdas (Secretary),
Lashkar.

(Transferor)

(2) Hiralal S/o Melumal Sindhi,
R/o Mau Ka Bazar, Lashkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1588.—Whereas I,
SATISHCHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
No. Plot situated at Lashkar, Gwalior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), the office of the Registering Officer
at Gwalior on 4th Sept. 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in respect
of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 54 admeasuring 2590 sq. ft. at Sindhu
Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Sakkar Grah Nirman Sahakari Sanastha, Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar.

(Transferor)

(2) Arjandas So Chhamandas, R/o Kethwali Gali, Lashkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1589.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot No. 45 admeasuring 3117 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITMS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
Bhopal.**

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1590.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Sakthi Kriti Nirman Sahakari Sanatha, Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Kisandas S/o Shri Bhorumal Makrani, R/o Naya Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 46 admeasuring 284 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Sakkar Grah Nirman Sahakari Sanstha,
through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balram S/o Shri Gorumal Sindhi, R/o Madhoganj, Lashkar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1591.—Whereas, I,
SATISHCHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot situated at Lashkar, Gwalior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 1 admeasuring 2308 Sq. Ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE****BHOPAL**

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1592.—Whereas I,
SATISHCHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot situated at Lashkar, Gwalior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s Sakkar Krih Nirman Sahakari Santha, Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar. (Transferor)
- (1) Thakurdas So Sugnamal Sindhi, R/o Khurjewala Mohalla, Lashkar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open plot No. 36 admeasuring 1749 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1980.
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/(ACQ/BPL/80-81/1593).—Whereas I, SATISHCHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) M/s Sakkar Grah Nirman Sahakari Sanstha Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar.

(Transferor)

(2) Omprakash S/o Hetchand Sindhi, R/o Phadnis ki Gonth, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 34 admeasuring 1749 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—

FORM ITNS

- (1) M/s Sakkar Grah Nirman Sahakari Sanstha through Shri Ghanshyamdas (Secretary) Lashkar. (Transferor)
- (2) Shri Govindram S/o Rojiram Sindhi, R/o Sakkar Colony, Nai Sadak, Lashkar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1594.—Whereas, I,

SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 53 admeasuring 2590 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/8-81/1595.—Whereas, I,
SATISHCHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 52,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore 5th Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Govindram S/o Milkiramji Pahuja, R/o Jairampur Colony, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Shobha Bai W/o Jethanandji, R/o 90, Jairampur Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Part of House No. 179 at Jairampur Colony, Indore.

SATISHCHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—106GI/80

Date : 14-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bishwajeet Sengupta S/o Shri Gurudayal Sengupta R/o 9K Char Imli, Bhopal.
(Transferor)

(2) Shri K. K. Mahto S/o Shri Kishorilal Mahto, R/o E4/130, Arera Colony, Bhopal.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1596.—Whereas, I,

SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12th Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. E-4/130 situated at Arera Colony, Bhopal.

SATISHCHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Pannalal S/o Shri Narainji Mali,
R/o Village Barkheda Teh. Neemuch,
Mandsaur.

(Transferor)

(2) Smt. Jehra Bai W/o Haji Tahir Ali Bohra,
R/o Chotti Sadri, Distt. Chittor (Raj.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1597.—Whereas I,

SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Neemuch
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Neemuch on 7th Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of house situated at Neemuch Sudhar Niwas No. 11, Mama Marg, Neemuch.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1598.—Whereas I,
SATISHCHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Neemuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on 7th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Pannalal S/o Shri Narainji Mali, R/o Village Barkheda Teh. Neemuch, Mandaur.

(Transferor)

(2) Shri Abed Ali S/o Haji Tahir Ali Bohra, Chotti Sadri, Chittorgarh (Raj.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Part of house situated at Neemuch Sudhar Niwas No. 11, Mama Marg, Neemuch.

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1598.—Whereas, I,

SATISHCHANDRA
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 20th Sept. 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act as respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Girwar Singh Thakur S/o Late Shri Dalbhanjan Singh, Retired Principal, R/o 1783, Gupteshwar Road, Jabalpur.
(Transferor)

(2) Shri Ramal S/o Late Shri Bhagwandas Dewan, R/o House No. 1416/7/A, Gupteshwar Road, Madan Mahal Ward, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House situated at 1416/7/A, Gupteshwar Road, Madan Mahal Ward, Jabalpur.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1599.—Whereas, I,
SATISHCHANDRA
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot situated at Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jabalpur on 24th Sept. 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Sou. Rajkumari Kanda W/o Shri M. L. Kanda
- (2) Sanjay Kanda (minor) S/o M. L. Kanda, R/o 1387, Madan Mahal Ward, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Shri Mulakraj Chawla S/o Shri Ramdas Chowla, R/o Madan Mohal Ward, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land at Vil. Maheshpur Kh. No. 29/1 part; 76, 79/1, 81/3; 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97 and 100—Madan Mahal Ward, Jabalpur.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Mukandrao Khankhoja S/o Shri Niwastao Khankhoja, R/o Tilaknagar, Bilaspur.
(Transferor)
- (2) Shri Nandlal S/o Shri Balaji Chouhan, R/o Pali, Teh. Katghora, Distt. Bilaspur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1600.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 11th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land No. 202, situated at Halka No. 110 in Vinoba Nagar, Bilaspur.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Chandrika Prasad S/o Thakur Prasad Srivastava,
R/o Panditarai, Raipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1601.—Whereas I,
SATISHCHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 6th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) (1) Daljeet Singh (2) Rajendra Singh (3) Ramendra Pal Singh and (4) Inderveer Singh all S/o Shri Malik Singh Juneja, R/o Nahaepara, Raipur (M.P.).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 7 & 8 situated at Panderitarai, Halka No. 109, Block No. 2, Ward No. 4, Raipur.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Sharda Bai W/o Boran Singh Baghel,
R/o Village Sargapur, Teh. & Distt. Seoni.
(Transferor)
- (2) Maharshi Institute of Creative Intelligence in India,
Raniwas Vyhor Bagh, Jabalpur through Shri Chaman
Singh Shastri, Vill. Tigras, Distt. Seoni.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1602.—Whereas I,

SATISHCHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Vill. Tigras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Seoni on 13th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land No. 213 at Halka No. 80, Village Tigras, Distt. Seoni.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
27—106GI/80

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Dulari Bai W/o Shri Raghunath Singh Baghel,
R/o Vill. Simria, Teh. & Distt. Sivani.
(Transferor)

(2) Maharshi Institute of Creative Intelligency in India,
Raniwas Vyhor Bagh, Jabalpur through Shri Chaman
Singh Shastri, Incharge Maharshi Ashram,
Vill. Tigra.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1603.—Whereas I,

SATISHCHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Tigra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Seoni on 13th Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land No. 213 at Halka No. 80, Vill. Tigra, Distt. Seoni.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sharda Bai W/o Thakur Shubkaran Singh Baghel, R/o Vil. Tighra, Teh. & Distt. Sivani.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1604.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Tighra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Seoni on 13th Sept. 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Maharshi Institute of Creative Intelligence in India, Baniwan Voyhar Bagh Jabalpur through Shri Chaman Singh Shastri, Vil. Tighra, Distt. Seoni.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land No. 213, at Halka No. 80, Vil. Tighra, Distt. Seoni.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Thakur Shubhkaran Singh S/o Gharan Singh Baghel, R/o Vill. Tighra, Teh. & Distt. Sconi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maharshi Institute of Creative Intelligence in India Baniwas Vayhar Bagh, Jabalpur through Shri Chaman Singh Shastri, Incharge Maharshi Ashram, Vill. Tighra.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1605.—Whereas I,
SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Tighra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sconi on 13th Sept. 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

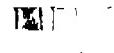
EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land No. 213, at Hlka No. 80, Vill. Tighra, Distt. Sconi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);


SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Rajkumar Jacob S/o Shri John Jacob,
R/o Mission Press Compound,
Civil Lines, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri (1) Methias Edwin Arnold S/o Late Shri
G. Arnold (2) Rajesh Kumar Arnold S/o Shri M. E.
Arnold, both R/o Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1606.—Whereas I,
SATISHCHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jabalpur on 1st Sept. 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house No. 948/4-I & II, situated at Silver Oak Compound,
Napier Town, Jabalpur.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. D. Sourie S/o Late Shri K. L. Goutama
R/o 2 West 5, Patel Road, New Delhi through S.
Attorney Shri J. J. S. Sethi
R/o M. 163/E-7 Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Hadiya W/o Shri Mahesh Chandra
Hariya, R/o 111/E-5 Arera Colony, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1607.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 27th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of uncompleted house No. 111 situated at E-5, Shah-pura, Arera Colony, Bhopal.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Habib Ahmed S/o Late Shri Mohd. Faroq,
R/o Budhapara, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Ranjeet Singh Rathod, S/o Shri Chotte Lal
Rathod, R/o Rathod Chowk, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1608.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 3rd Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2/26, Nazul Block No. 77, Purani Police line, Near Jairam Talkie, Mohdpara Ward, Raipur.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) S/Shri (1) Manjur Khan S/o Gulkhan (2) Akhtar Khan S/o Gulkhan & (3) Jabran Bai W/o Shri Gulkhan all R/o Saranipura, Ratlam.
(Transferor)
- (2) M/s. R. K. Traders.
Manak Chowk, Ratlam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./80-81/1609.—Whereas, I,
SATISHCHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Ratlam

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 25th Sept. 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 1073 situated at Kasba Ratlam,

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5 1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. KULU/11/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House 2½ storeyed Kothi Maharaja, Distt. Kulu situated at Phatti Dhalpur, Kothi Maharaja, Teh. & Distt. Kulu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kulu in Sept., 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
28—106GI/80

(1) Shri Haveli Ram alias Harish S. Chopra
S/o Shri Ruldu Ram Chopra
S/o Sh. Moti Ram Chopra,
r/o Pathenkot at present House No. 2211,
Sector 27C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Lal Chand Prarthi S/o Shri Tek Ram
Resident of Phatti & Kothi Naggar, Teh. &
Distt. Kulu.

(Transferee)

(3) 1. Distt. Public Relation officer, Kulu.
2. Distt Librarian, Kulu.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House 2½ storeyed at Phatti Dhalpur, Kothi Maharaja, Teh. & Distt. Kulu. (The property as mentioned in the sale deed No. 602 of Sept. 79 of the Registering Authority, Kulu.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Karnail Singh S/o Shri Pala Singh,
r/o near Id Ghah Road, Patiala.
(Transferor)

(2) Shri Sukhinder Singh S/o Sh. Narinder Singh,
R/o 27D, Model Town, Patiala.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. PTA/287/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 1 bighas 3½ biswas situated at Lehal, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Patiala in Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot measuring 1 bigha 3½ biswas at Lehal, Patiala. (The Property as mentioned in the sale deed No. 3409 of Sept., 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15 May 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Harj Singh S/o Sh. Kesar Singh
R/o Rasulpur Saidan, Teh. Patiala.
(Transferor)
- (2) Shri Badri Chand S/o Sh. Walajit Ram of Samana,
Shop-cum-Flat No. 31, New Anaj Mandi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. PTA/321/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop-cum-Flat No. 31, situated at New Anaj Mandi, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop-cum-Flat No. 31, New Anaj Mandi, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 3838 of October, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. NBA/141/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 Kanals 4 Marlas situated at Nabha Teh. Nabha Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurdev Kaur wd/o Sh. Harneet Singh r/o Near New Grain Market, Malerkotla Road, Nabha.
(Transferor)
- (2) Smt. Kamlesh Rani w/o Sh. Rajinder Pal, Bhagwan Dass, Surinder Kumar, Narinder Kumar Ashok Kumar S/o Shri Om Prakash, B. K. O., Ramgarh, Nabha.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kanals 4 Marlas at Nabha.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1559 of September, 1979 of the Registering Authority, Nabha)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 May 1980
Seal:

FORM ITNS

(1) Commodor Harish Chander Malhotra
S/o Shri L. C. Malhotra, Resident of D-133,
Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurjinder Singh Nagpal
S/o Shri Jawahar Singh Nagpal,
r/o House No. 131, Sector 23A, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/282/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1539 situated at Sector 36D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential Plot No. 1539, Sector 36D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1665 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15 May 1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 15th May 1980

Ref. No. CHD/222/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential plot No. 1368 situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tajinder Singh Bedi
S/o Shri Raghbir Singh,
r/o 1208, Sector 18C, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Bapna Sain Bhatia S/o Shri Manu Ram,
House No. 242, Subhash Nagar, Rohtak.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1368, Sector 34C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1271 of Sept. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980

Sign :

FORM ITNS

(1) Cap. Subhash Bindra S/o Brig. R. K. S. Bindra,
r/o 1-A, M.B. Club, Lucknow.
(Transferor)

(2) Cap. J. S. Gosal S/o Shri H. S. Gosal,
1/3 Qrs. G.R. C/o 99 APO.
C/o Sh. D. S. Gosal,
H. No. 202-9-C, Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/216/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1046 situated at Sector 36C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1046, Sector 36C, Chandigarh.
(The Property as mentioned in the sale deed No. 1235 of Sept. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15 May 1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohinder Pal Singh S/o Late Capt. Chattar Singh r/o V. Kaulgarh, S. Tehsil Amloh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ranjit Singh S/o Shri Arjan Singh, Lecturer, Khalsa College, Patiala.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. PTA/289/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 8/A, (Measuring 500 sq. yds.) situated at Dhillon Marg, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in Sept., 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8/A, (measuring 500 sq. yds.) at Dhillon Marg, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3426 of Sept. 79 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May, 1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. PTA/288/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 500 sq. yds. (Plot No. 8B) situated at Dhillon Marg, Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in Sept., 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—106GI/80

- (1) Shri Mohinderpal Singh S/o Late Capt Chhatar Singh R/o Kaulgarh, S. Tehsil Amloh. (Transferor)
- (2) Shri Arjan Singh S/o Shri Mangal Singh Gidranwali, Tehsil Fazilka. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8B measuring 500 sq. yds. at Dhillon Marg, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3425 of 9/79 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May, 1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/235/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 3481, Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Balbir Singh Batra s/o Sh. Jassa Ram c/o 26, Raghbir Nagar, New Delhi-27 through his Spl. Power of attorney Smt. Sharan Kaur w/o Sh. Gurdial Singh Dhillon r/o 3552, Sector 35-D, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Smt. Sita Devi w/o Sh. Mohan Lal r/o H. No. 3481, Sector 35-D, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 3481, situated in Sector 35-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1373 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15 May, 1980
Seal :

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/223/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 12 kanals 5 Marlas situated at Manimajra U.T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Dara Singh, Dev Singh and Shamsher Singh ss/o Sh. Bhajan Singh r/o Mani Majra, U.T. Chandigarh.

(Transferor)

(2) (1) Sh. Mohinder Singh s/o Sh. Sham Singh r/o H. No. 1033, Sector 11-A, Chandigarh.

(2) Sh. Jagdev Singh s/o Sh. Mohinder Singh r/o V. Lal Kalan Distt. Ludhiana through Attorney Balraj Singh, r/o 116, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 kanals 5 Marlas situated in Manimajra U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1272 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/224/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 16 Kanals 8 Marlas situated at Vill. Manimajra U.T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Hukam Chand s/o Daulat Ram V. Majri Distt. Ropar. Sh. Angra Dev s/o Sh. Lachhman Dass, r/o Mullanpur Garib Dass, Distt. Ropar. (Transferor)

(2) Sh. Mohinder Singh s/o Sh. Sham Singh, r/o H. No. 1033, Sector 11-A, Chandigarh and Sh. Jagdev Singh s/o Sh. Mohinder Singh r/o V. Lal Kalan Distt. Ludhiana through Sh. Balraj Singh, 116, Sector 8-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 kanals 8 Marlas in Vill. Manimajra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1274 of September 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Amarjit Singh Jajee s/o Sh. Wazir Singh Jajee
r/o Malwa House, behind New Moti Bagh Palace,
Patiala.

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Gupta s/o Sh. D. S. Gupta,
H. No. 3283, Sector 19-D, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/267/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1584, Sector 36-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1584 (measuring 580.94 Sq. yds.) situated Sector 36-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1647 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15 May, 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/387/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 270-L (M.C. No. B-XVIII/730/1) situated at Model Town, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Santosh Sharma W/o Sh. Ved Parkash & Shri Ved Parkash S/o Shri Sita Ram, r/o 270-R, Model Town, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Sunita Rani Jain W/o Sh. Bimal Kumar Jain, 270-L, Model Town, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Kothi No. 270-L, Model Town, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3084 of Sept. 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. SRD/133/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 39 kanals situated at Village Alipur Sondian, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagjit Singh S/o Shri Narinder Singh through his attorney Shri Narinder Singh alias Naranjan Singh, r/o House No. 3305, Sector 23D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Roshan Lal, Prem Chand S/o Shri Hardial & Shri Kuldip Singh S/o Shri Hargobind, R/o Sirhind Mandi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals at V. Alipur Sondian, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2491 of November, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. SRD/130/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 29 kanals 14 marlas situated at Village Alipur Sondian, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Harpal Singh
S/o Shri Taja Singh,
R/o V. Alipur Sondian,
Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Roshan Lal and Prem Chand
S/o Shri Hardial &
Shri Kuldip Singh
S/o Shri Hargobind,
R/o Sirhind Mandi Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Land measuring 20 kanals 14 marlas at Alipur Sondian, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2463 of October 1979 of Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. SRD/131/79-80—WL reas. I,
SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269 B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land measuring 39 kanals situated at
Village Alipur Sondian, Teh Sirhind, Distt. Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sirhind in October, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
30—106GI/80

(1) Shri Jagjit Singh
S/o Shri Narinder Singh
through his attorney
Shri Narinder Singh alias Shri Naranjan Singh,
R/o House No. 3305, Sector 23D,
Chandigarh
(Transferor)

(2) S/Shri Roshan Lal and Prem Chand
S/o Shri Hardial &
Shri Kuldip Singh
S/o Shri Hargobind,
R/o Sirhind Mandi Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals at V. Alipur Sondian, Teh.
Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2464 of
October, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE

BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No DS/16/79-80.—Whereas, I, SUKHEDEV CHAND, Inspecting assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 78 kanals situated at Pathan Majra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dudhan Sudhan in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Labh Singh
S/o Shri Sohan Singh
R/o Majha Khurd alias Pathan Majra,
Teh. Dudhan Sudhan.

(Transferor)

(2) Smt. Darshan Kaur
W/o Shri Labh Singh.
S/Shri Rajinder Singh & Khupinder Singh
S/o Shri Labh Singh
R/o Pathan Majra Teh. Dudhan Sudhan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 78 kanals at Pathan Majra.
(The property as mentioned in sale deed No. 488 of September, 1979 of the Registering Authority, Dudhan Sudhan)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/254/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 3371 situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Gurdit Singh
S/o Shri Harnam Singh,
R/o House No. 111/662, Nanak Nagri,
Moga, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi Singla
W/o Shri Tarsem Chand,
R/o House No. 1678, Sector 33,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3371, Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1516 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Krishan Lal
S/o Shri Tappa Lal
R/o 6/4 Jawahar Nagar, Ludhiana

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chander
S/o Shri Jiwan Das,
R/o 49, New Model Town, Ludhiana

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref No 1DI/373/79 80—Whereas I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Kothi No 49 (M C No B-XVIII-1371) situated at New Model Town, Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept., 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Kothi No 49, (M C No B XVIII-1371) New Model Town Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No 2994 of September 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range Ludhiana

Date 15-5-1980
Seal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/378 79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Plot measuring 233 1/3 sq. yds situated at
Sandeep Nagar Civil Lines, Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the Office of the Registering Officer at
Ludhiana in September, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957,
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Krishna Kumari
W/o Shri Narain Dass
S/o Shri Kedar Nath,
R/o Mandi Kesar Ganj, Ludhiana

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar
S/o Shri Baria Ram
S/o Shri Hari Ram,
R/o Kucha No. 5, Field Ganj, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 233 1/3 sq. yds at Sandeep Nagar, Civil
Lines, Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No. 3039 of
September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/375/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot measuring 400 sq. yds. situated at Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Krishna Kumari
W/o Shri Narain Dass
S/o Shri Kidar Nath,
R/o Mandi Kesar Ganj, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) S/Shri Chander Parkash & Rakesh Kumar
S/o Shri Burra Ram,
R/o Field Ganj, Kucha No. 5, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 400 sq. yds. at Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3017 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTOR ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref No LDH/390/79 80—Whereas, I
SUKHDEV CHAND,
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range Ludhiana
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/-
and bearing No
Land measuring 52 kanals 16 marlas situated
Village Sasrali, Teh. & Distt. Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in September, 1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Mukhtar Singh
/o Shri Sher Singh &
Shri Pura Singh
/o Shri Sohan Singh
P. V. Sasrali Distt. Ludhiana

(Transferor)

(2) Shri Manj Singh Gurmukh Singh
/o Shri Partap Singh
S/o Shri Surjan Singh
R/o V. V. Sepla, Teh. Ludhiana

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 52 kanals 16 marlas at V. Sasrali, Tehsil
Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No 3114 of
September 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269B of the said Act to the following
persons, namely :—

Date 15, 1980
Seal,

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. IDH/351/79-80.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share of the Building No. B-2 1555, situated at Kucha Pt. Des Raj Near Ghanta Ghar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Piara Lal
S/o Shri Mahala Singh
B/o Shri Bhag Mal
R/o 2342 Roopnagar, Ludhiana.

(Transferee)

(2) Shri Satpal Kumar
S/o Shri Ram Lal
R/o 352 Kucha Harnam Dass
near Gurdwara Kalgi Dhar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of Building No. B-2-1555, situated in Kucha Pt. Des Raj Near Ghanta Ghar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No 2858 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref No LDH/352/79 80—Whereas, I,
SUKHDI V CHAND,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act),
 have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1/4th share of Building No B-2 1555, situated at Pt Des Raj Kucha Near Ghanta Ghar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Piara Lal
 S/o Shri Mala Singh
 S/o Shri Bhag Mal
 R/o 2342 Amarpura Ludhiana

(Transferor)

(2) Shri Janak Raj
 S/o Smt. Ram Lal
 S/o Shri Ganga Ram
 R/o 352 Kumar Harnam Dass
 near Gurdwara Kalgi Dhar, Ludhiana

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share of Building No B 2-1555, situated in Kucha Pt Des Raj Near Ghanta Ghar, Ludhiana

(The property as mentioned in the Registered Deed No 2877 of September 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
 Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range, Ludhiana

Date 15-5 1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—
 31—106GI/80

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/558/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share of Building No. B-II-1555, situated at Kucha Pt. Des Raj Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Piara Lal
S/o Shri Mahal Singh
R/o 2342 Mohalla Amarpura, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Shri Ashwani Kumar
S/o Shri Ram Lal
R/o 352 Kumran Road, Kucha Harnam Dass,
Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/4th share of Building No. B-II-1555, situated in Kucha Pt. Des Raj Near Ghanta Ghar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4782 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/484/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

1/4th share of Building No. B-II-1555, situated at
Kucha Pt. Des Raj Ludhiana,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Ludhiana in November, 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(1) Shri Pinja Lal
c/o Lala Singh
R/o 2342 Mohalla Amarpura, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Smt. Maya Devi
W/o Shri Ram Lal
R/o 352 Kamran Road,
Kucha Harnam Dass, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share of Building No. B-II-1555, situated in Kucha Pt. Des Raj Near Ghanta Ghar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4021 of November, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref No. CHD/231/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, inspecting assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential Plot No. 2518 situated at Sector 35C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Air Cdr. Mulk Raj
S/o Shri Lakhmi Dass,
R/o 9-Subroto Park, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Ajit Singh Punnu
S/o Shri Saudagar Singh,
R/o House No. 202, Sector 35A, Chandigarh,
as Karta of H.U.F.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 2518, Sector 35C, Chandigarh.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 1354 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref No LDH/385/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of House No. 212-B-19 measuring 290 Sq yds. situated at Near Khalsa College, Civil Lines, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harcharan Singh
 &/o Shri Dal Singh,
 R/o 801/3, Gaushala Road, Ludhiana
 (Transferor)

(2) Smt Mohinder Kaur
 D/o Shri Bakhtawar Singh
 C/o Shri Bakhtawar Singh
 R/o Vill. Dolon Khurd Teh. Ludhiana.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion of House No 212-B-19 measuring 290 Sq yds. situated at Khalsa College, Civil Lines, Ludhiana

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3064 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980
 Seal :

FORM ITN6

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/230/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 2161, Sector 35C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Maj. Nand Lal Bawa (Retd)
S/o Mr. Charan Singh
R/o Patel Puri, New Market, Chopal,
through Smt. Attorney
Dr. M. P. Gupta
S/o Shri Y. R. Gupta
R/o 3086/20-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Gupta
W/o Dr. M. P. Gupta,
Booth No. 69/Sector 35-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2161, (measuring 482.62 Sq. yds.) situated in Sector 35-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1346 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Randeep O. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 22nd May 1980

Ref. No. AR.II/2836/Sept.79.—Whereas, J.
A. H. TEJALE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 70 CTS No. 798 situated at Vile Parle (W)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-9-1979 Doc. No. S/1605/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sh. Harshad Bhagubhai Patel

(Transferee)

- (3) 1. Shri B. C. Bhandari
 2. Mrs. Uma B. Bhandari
 3. Mrs. Vijaya Hemantkumar
 4. Dr. Hemant Kumar
 5. Mr. Vijaykumar Chintaman Pandit
 6. Mrs. Gunsundai Natabhai Trivedi
 7. Mrs. Devangana Nithth Sheth
 8. Mr. Sureshbhai Ratilal Parikh
 9. Mr. Haribhai Ratilal Parikh
 10. Mrs. Pushpa N. Vakharia
 11. Mr. Chunilal V. Shah
 12. Mr. Arvind Banerjee
 13. Mrs. Jyotsna Shah
 14. Mr. B. K. Patel
- Tenants

(Person in occupation of the property)

(4) Sh. Randeep O. Shah

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1605/79 and registered with the Sub-registrar, Bombay on 26-9-79.

A. H. TEJALE
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 22-5-1980
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION
NOVEMBER, 1980

New Delhi, the 14th June 1980

No. F8/2/80E.I (B).—A combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 11th November, 1980 for admission to the undermentioned courses :—

<i>Name of the Course</i>	<i>Approximate No. of Vacancies</i>
Indian Military Academy, Dehra Dun (71st Course commencing in July, 1981) [Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].	120
Naval Academy, Cochin (Course commencing in July, 1981) (Incl. 20 for Naval Aviation)	55
Officers' Training School Madras (34th course commencing in October, 1981)	160
Air Force Academy AFAC, Coimbatore (Pre-Course Training for 130th F(P) Course commencing in July, 1981) [Includes 10 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Senior Division Air Wing) holders].	

NOTE I : NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holders may also compete for the vacancies in the Naval Academy and Short Service Commission (Non-Technical) Courses, but since there is no reservation of vacancies for them in these courses, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in these Courses. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) examination to reach the Commission's office by 30th June, 1981.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/ 3 academic years in the Senior Division Air Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 12 months on the last date for receipt of application in the Commission's Office.

NOTE II : In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course the un-filled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admissions to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE : THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) *Nationality*

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1964 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not however, be necessary, in the case of candidates who are subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally admitted to the Academy or School, as the case may be, subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) *Age limits, sex and marital status* :—

- (i) For I.M.A., Naval and Air Force Academy: Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1959 and not later than 1st July, 1962 are only eligible.
- (ii) For Officers' Training School—Male candidates (married or un-married) born not earlier than 2nd July 1958 and not later than 1st July, 1962 are only eligible.

NOTE: Date of birth as recorded in Matriculation/Highest Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) *Educational qualifications* :—

- (i) For I.M.A., Naval Academy and Officers' Training School:—Degree of a recognised University or equivalent.
- (ii) For Air Force Academy:—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Commission's office by the following date failing which their candidature will stand cancelled :—

- (i) For admission to I.M.A., Naval and Air Force Academy—on or before the 30th June, 1981.
- (ii) For admission to Officers' Training School—on or before the 30th June, 1981.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to

professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE I: Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

NOTE II: Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

NOTE III: Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.— Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

6. HOW TO APPLY.—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination November, 1980 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area, Headquarters, N.C.C. Directorates, Naval and Air Force Establishments.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in

writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE :—

- (i) From candidates in India 28th July, 1980.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 11th August, 1980.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador, or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photographs should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided thereon.

- (iv) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming remission of fee :—

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a *bona fide* displaced person/repatriate :—

(a) Displaced person from erstwhile East Pakistan :

- (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

- (b) *Repatriates from Sri Lanka :*
High Commission for India in Sri Lanka.
- (c) *Repatriate from Burma :*
Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.
- (D) *By NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holders competing for the vacancies reserved for them in the I.M.A. and Air Force Academy Course.*

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) examination.

9. *REFUND OF FEE*—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
- (ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination May, 1980 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination November, 1980 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st March, 1981.

10. *ACKNOWLEDGMENT OF APPLICATIONS*.—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. *RESULT OF APPLICATION*.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the results of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. *ADMISSION TO THE EXAMINATION*.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. *ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT*.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or

- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may beabetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them.
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

14. *ORIGINAL CERTIFICATE—SUBMISSION OF*.—Candidates who qualify for interview on the results of the written examination will be required to submit original certificates in support of their age and educational qualification etc. to the Army Headquarters, AG's Branch, Directorate of Recruiting soon after the declaration of the results of the written examination.

15. *COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS*.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOJPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. *CHANGE OF ADDRESS*.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES

SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG, 6(SP)(e)(ii) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG 6(SP)(e)(ii), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram New Delhi 110022 and Air Headquarters (PO3), New Delhi in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ/Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles :

- (a) Passport size photographs in white shirt—6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season).
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks.
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain Pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blanco.
- (h) One mosquito net.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in March/April 1981 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in June/July 1981.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written

examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy, Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Graduates Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course, or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy.

22. INTELLIGENCE TEST—INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directorate of Psychology Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection

Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Service Selection Boards.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

23. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS OF PREVIOUS EXAMINATIONS—INFORMATION ABOUT.

With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Combined Defence Services Examination, May 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations upto combined Defence Services Examination held in November, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

R. S. AHLUWALIA
Dy. Secy.

APPENDIX I

(The scheme, standard syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The Competitive examination comprises :—
 - (a) Written examination as shown in para 2 below :
 - (b) Interview for intelligence and personality test (*vide* Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

(a) *For admission to Indian Military Academy*

Subject	Dur-tion	Maximum Marks
1	2	3
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hou	

(b) *For Admission to Naval Academy*

Subject	Time allowed	Maxi-mum marks
1	2	3

Compulsory

1. English 2 Hrs. 100
2. General Knowledge 2 Hrs. 100

	1	2	3
<i>Optional</i>			
*3. Elementary Mathematics or Elementary Physics	2 Hrs.	100	
4. Mathematics or Physics	2 Hrs.	150	Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th Paper and Candidates offering Elementary physics will take Mathematics as their 4th Paper.

(c) *For Admission to Officers Training School*

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100

(d) *For admission to Air Force Academy*

Subject	Duration	Maximum Marks
1	2	3
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100
4. Mathematics or Physics	2 Hours	150

The maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be 300, 450, 200 and 450 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECT WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. In the question papers, wherever necessary questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS

ENGLISH

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanship use of words.

GENERAL KNOWLEDGE

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS

Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$.

Values of sin x, cos x and tan x, for $x=0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° ,

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures, Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygon, histograms, bar chart, pie charts etc.

Measures of central tendency.

ELEMENTARY PHYSICS

(a) *Mensuration*.—Units of measurement; CGS and MKS units. Scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.

(b) *Mechanics of Solids*.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane, Screw and Gears. Friction angle of friction, coefficient of friction. Work, Power and energy, Potential and kinetic energy.

(c) *Properties of fluids*.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of floatation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law, Air pumps.

(d) *Heat*.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles Law, Absolute Zero; Boyles and Charles' Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.

(e) *Light*.—Rectilinear propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction, Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope Microscope, binocular & periscope. Refraction through a prism, dispersion.

(f) *Sound*.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.

(g) *Magnetism & Electricity*.—Laws of Magnetism. Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law, P.D. Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer, Comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating, Electromagnetic induction, Faraday's Laws; Basic AC & DC-generator.

PHYSICS

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; Rotational motion Gravitation. Simple harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity, Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion. Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats; Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; van der Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical

and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons. Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

MATHEMATICS

1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Movire's theorem for rational index and its simple applications.

2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix; inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

3. Analytical Geometry

Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

4. Calculus and Differential Equation

Differential calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal, substangent, subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope: Partial differentiation. Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus—Standard methods of integration. Riemann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integration.

Differential equations—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant co-efficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments. Couples. Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction, equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion

under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics.—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—Binomial distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting form simple application; Poisson distribution,—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics, Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal, t, Chi² and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note :—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any of the two topics.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition, to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning, outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

(Physical Standards or Admission to the Academy/School)

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy or the School. The mere fact that medical examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to anyone. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates are advised in their own interest that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

1. To be passed fit for admission to the Academy/School a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.

2. It will, however, be ensured that—

- (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformations or obesity;
- (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

NOTE 1.—A candidate with a rudimentary cervical rib in whom there are no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

NOTE 2.—X-ray spine will be taken to exclude maldevelopments.

- (c) there is no impediment of speech;
- (d) there is no malformation of the head or deformity from fracture or depression of the bones of the skull;
- (e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis media or evidence of radical or modified radical mastoid operation;

NOTE : A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

- (f) there is no disease of bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;

NOTE : A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum would not be a cause for outright rejection. But such cases will be referred to the Adviser in Otology for examination and opinion.

- (g) there are no enlarged glands in the neck and other parts of the body and that thyroid gland is normal;

NOTE : Scars of operations for the removal of tuberculosis glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding 5 years and the chest is clinically and radiologically clear.

- (h) there is no disease of the throat palate, tonsils or gums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joint;

NOTE : Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsilitis is not a cause for rejection.

- (i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;
- (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;
- (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen;

(l) there is no inguinal hernia or tendency thereto;

NOTE : (1) Inguinal hernia (unoperated) will be a cause for rejection.

(2) Those who have been operated for hernia may be declared medically fit provided—

- (i) One year has elapsed since operation. Documentary proof to this effect is to be produced by the candidate;
- (ii) General tone of the abdominal musculature is good;
- (iii) There has been no recurrence of the hernia or complication thereto concerned with the operation.

(m) there is no hydrocele or definite Varicocele or any other disease or defect of the genital organs;

N.B.—(i) A candidate who has been operated for hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis.

- (ii) Undescended intra abdominal testicle on one side should not be a bar to acceptance provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the undescended testicle. Undescended testis retained in the inguinal canal or the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.
- (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;
- (o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria or Albuminuria will be rejected;
- (p) there is no disease of the skin unless temporary or trivial scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection;
- (q) there is no active latent or congenital venereal disease;
- (r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted;
- (s) there is no squint or morbid condition of the eyes or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence;
- (t) there is no active trachoma or its complication and sequelae.

NOTE—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

3. Standards for Height, Weight and Chest Measurement—

(a) Height—

(i) The height of a candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels, and not on the toes or outer sides of the feet.

He will stand erect without rigidity and with the heels, cavities, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.

(ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cm. (157 cm. for the Navy) except in the case of Goikha, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height in correlation table at (b)(i) below may be reduced by 5.0 cm. The minimum height of naval candidates from MANIPUR, NFFA, MEGHALAYA, TRIPURA, MIZORAM AND NAGALAND may also be reduced by 5 cm and 2 cm. in the case of candidates from I ACCADIVES.

(iii) For Air Force Academy candidates Height—Not less than 162.56 cm. (64") to 190.50 cm (75"). Leg Length—Not less than 99.06 cm (39").

(b) Weight—

(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with underpants only. In recording weight fraction of 1/2 kg. will not be noted. A correlation

table between age, height and average weight is given below for guidance :—

Age last birth day	Height without shoes	Weight		
		Average Minimum	Average Maximum	
Years	Centimetres	Kgs.	Kgs.	
17 to 18	157.5 & under 165.0	43.5	55.0	
	165.0 & under 172.5	48.0	59.5	
	172.5 & under 183.0	52.5	64.0	
	183.0 & upwards	57.0	—	
19	160.0 & under 165.0	44.5	56.0	
	165.0 & under 172.5	49.0	60.5	
	172.5 & under 178.0	53.5	65.0	
	178.0 & under 183.0	58.0	69.5	
	183.0 & upwards	62.5	—	
20 & upwards	160.0 & under 165.0	45.5	56.5	
	165.0 & under 172.5	50.0	61.0	
	172.5 & under 178.0	54.5	66.0	
	178.0 & under 183.0	59.0	70.5	
	183.0 & upwards	63.0	—	

HEIGHT AND WEIGHT STANDARDS

For Navy and Air Force only

Height in Centimetres	Age		
	18 years	20 years	22 years
Weight in Kilograms			
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

(ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table, is therefore, only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (± 6 kg. for the Navy and Air Force) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The overweight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are underweight, the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) *Chest*—The chest should be well developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the

inferior angles of the shoulder blades behind and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the sides. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansion of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cm. thus 84/89 and 86/91 etc.

In recording the measurements, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored : 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one. For Air Force Academy candidates Chest Measurements—Fully expanded chest should not be less than 81.28 cm (32") with 5.08 cm (2") expansion.

"X-Ray" of chest is compulsory.

For Air Force Academy : X-Ray spine of all candidates to be taken to detect the following abnormalities which are considered as causes for rejection :

- Ecoliosis more than 7° by Cobb's method.
- Spina Bifida except at S1 1.
- Unilateral Sacralization of LV 5.
- Scheuerman's Disease, Scheuerman's Nodes, Spondylosis or Spondylolisthesis.
- Any other significant spinal disease.

4. Dental Condition—

It should be ensured that sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

(a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw—

- Central incisor, lateral incisor, canine 1st and 2nd pre-molar and under developed 3rd molar—1 point each.
- 1st and 2nd molar and fully developed 3rd molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

(b) The following teeth in good functional apposition must be presented in each jaw—

- any 4 of the 6 anteriors.
- any 6 of the 10 posteriors.

NOTE—Candidate for direct commission and technical graduates, with well fitting dentures will, however, be accepted for commission.

(c) Candidate suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standard (Army)

Better eye	Worse eye
Distant vision (corrected)	6/6 6/18

Myopia of not more than -3.5 D including astigmatism. Manifest Hypermetropia of not more than +3.5 D including astigmatism.

NOTE 1. Fundus and Media to be healthy and within normal limits.

- No undue degenerative signs of vitreous or choroid retina to be present suggesting progressive myopia.
- Should have good binocular vision, fusion faculty and full field of vision in both eyes.
- There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian.

Binocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

Colour Vision

Candidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3 (Defective State), defined below will be declared Unfit :—

CP-3 (Defective Safe)—Candidates should be able to recognise white signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1.5 metres or read the requisite plates of Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.

Visual Standard (Navy)**Standard I**

(a) Visual Acuity	Better eye Worse eye V-6/6 V-6/9
Distant Vision	Correctable to 6/6

Special requirements :

Normally Cadets/Direct entry officers for all Branches of the Navy will not be tested for Della Casa for Night Vision acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the medical board proceedings :—

I, hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family and I do not suffer from it.

Signature of the candidate

Countersignature of the Medical Officer

colour perception . Standard I MIT (Martin) LANTERN TEST.

Heterophoria

Limits of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed :—

(a) At 6 metres

Exophoria 8 prism dioptres
Esophoria 8 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptre

(b) At 30 cms—

Esophoria 6 prism dioptres
Exophoria 16 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptre

Limits of hypermetropia (under homatropine)

	Better Eyes
Hypermetropia	1.5 dioptres
Simple Hypermetropic	0.75 dioptre
Astigmatism	

Compound Hypermetropic
Astigmatism

The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptres of which not more than 0.75 dioptre may be due to astigmatism.

Worse-Eyes

Hypermetropia	2.5 dioptres
Simple Hypermetropic	1.5 dioptres
Astigmatism	
Compound Hypermetropic	The error in the more hypermetropic meridian must not exceed

dioptres of which not more than 1.0 dioptre may be due to astigmatism.

Myopia not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian

Binocular Vision The Candidate must possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

Visual standard (Air Force)

Visual Acuity—6/6 in one eye and 6/9 in the other correctable to 6/6 with glasses. Fields of vision must be full in each eye.

Colour Vision—Normal.

Note :—Candidates who wear glasses habitually are not eligible. The fundi & media of the eye should be normal. There should not be any active disease of the eyelids.

6. Hearing Standard—

Hearing will be tested by speech test. Where required audiometric records will also be taken.

(a) **Speech test.**—The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 609.5 cm. in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) **Audiometric record.**—The candidate will have no loss of hearing in either ear at frequencies 128 to 4096 cycles per second. Audiometry reading between plus 10 and minus 10. (Not applicable to Navy).

Hearing Standard (Air Force)

Should be able to hear forced whisper from a distance of 610 cm (20 feet) with each ear separately (other being closed).

Note : The candidates tympanic membrane of both ears should be normal and freely mobile denoting the patency of eustachion tubes. There should not be any sign of chronic or active S.O.M.

Urine : Should be free from sugar and Albumen. ECG (Electro Cardiogram) is compulsory and must be within normal limits.

Routine basal EEG. All candidates for Air Force Academy will be subjected to EEG examination. Those with specific abnormalities will be rejected.

Note : A candidate for Air Force Academy must be free from any active or latent, acute or chronic medical or surgical disability or infections. Cardiovascular, respiratory, urogenital, nervous and other systems of the body should be normal.

APPENDIX III**(Brief Particulars of service etc.)****(A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.****1. Before the candidate joins the Indian Military Academy—**

(a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;

(b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and, other assets and income from all source are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidates finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

- (a) Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00
- (b) For items of clothing and equipment.—Rs. 800.00
Total : Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them :—

Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00.

5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy :—

(1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition, to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpanded portion of this allowance will be—

- (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
- (b) if he is not granted a commission; refunded to the state.

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered

from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government, be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training :

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

(i) PAY

Rank	Pay scale	Rank	Pay scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut	750—799	Lt. Colonel (Time Scale)	. 1900 fixed
Leiut	830—950	Colonel	. 1950—2175
Captain	1100—1500	Brigadier	. 2200—2400
Major	1450—1800	Ma General	. 2500—125/2— 2750
Lt. Colonel (By 1750—1950 selection)		Lt. General	. 3000 p.m.

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance : Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- (e) Outfit Allowance—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

by time scale

Lt.	2 years of Commissioned Service.
Capt.	6 years of Commissioned Service
Major	13 years of Commissioned Service
Lt. Col. from Major (if not promoted by Selection)	25 years of Commissioned Service

by selection

Lt. Col.	16 years of Commissioned Service
Col.	20 years of Commissioned Service
Brigadier	23 years of Commissioned Service
Major Gen.	25 years of Commissioned Service
Lt Gn.	28 years of Commissioned Service
Gen.	No restriction.

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :

Captain	3 years
Major	5 years
Lt. Colonel	6½ years
Colonel	8½ years
Brigadier	12 years
Major General	20 years
Lt. General	25 years

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.

1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.

(1) Candidates not applying for government financial aid :

(i) Pocket allowance for five months — Rs. 45·00 per month	Rs. 225·00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460·00
Total	Rs. 685·00

(2) Candidates applying for Government financial aid :

(i) Pocket allowance for two months — Rs. 45·00 per month	Rs. 90·00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460·00
Total	Rs. 550·00

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under :—

(a) Cadets Training including afloat training for 6 months	1 year
(b) Midshipmen afloat Training	6 months
(c) Acting Sub-lieutenant Technical Courses	12 months
(d) Sub-lieutenants	

A minimum period of 6 months at sea is essential to obtain a watch-keeping certificate.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treat-

ment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expense while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 450 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will, with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi :

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance at aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 500 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipman they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance, they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—

(a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

3. PAY AND ALLOWANCES**(a) PAY**

Rank	Pay Scale
	General Service
Midshipman	Rs. 560
As. Sub Lieut.	Rs. 750
Sub. Lieut	Rs. 830—870
Lieut.	Rs. 1100—1450
Lieut. Cdr.	Rs. 1450—1800
Commander (By Selection)	Rs. 1750—1950
Commander (By time Scale)	Rs. 1900 fixed
Captain	Rs. 1950—2400 (Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain).
Rear Admiral	Rs. 2500—125/2—2750
Vice Admiral	Rs. 3000

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances :—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible to—
 - (i) married officers serving in non-family station;
 - (ii) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.
- (v) Free ration for the periods they remain in the ships away from the base ports.

NOTE I :—In addition certain special concessions like hard-lying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.

NOTE II :—Officers can volunteer for Service in Submarine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION**(a) By time scale**

Midshipmen to Ag. Sub. Lieut.	1/2 year
Ag. Sub. Lieut to Sub. Lieut.	1 year
Sub. Lieut. to Lieut.	3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeiture of seniority).
Lieut. to Lieut. Cdr.	8 years seniority as Lieut.
Lieut. Cdr. to Cdr (if not promoted by selection)	24 years (reckonable commissioned service)

(b) By selection

Lieut. Cdr. to Cdr.	2-8 years seniority as Lieut Cdr.
Cdr. to Capt.	4 years seniority as Cdr.

Capt. to Rear Admiral and above No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

NOTE.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS.

1. Before the candidate joins the Officers Training School, Madras—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.

3. While the cost of training, including accommodation books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pockets expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar-hiking, etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 450 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for ten months at Rs. 55.00 per month	Rs. 550.00
(b) For items of clothing and equipment.	Rs. 500.00

Total Rs. 1050.00

Out of the amount mentioned above, the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ cost of training, missing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.

7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt from the date of successful completion of training.

10. Terms and conditions of Service

(a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commissions are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army.

Rates of pay for 2/Lt and Lieut. are :—

Second Lieut.	Rs. 750—790 p.m.
Lieut.	Rs. 830—950 p.m.
Plus other allowances as laid down for regular officers	

(e) Leave : For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol I—Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 ibid.

(f) Termination of Commission : An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) If his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or Course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) Pensionary benefits

(i) These are under consideration.

(ii) SSC officers on expiry of their five years' term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

(h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years' Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) *Miscellaneous* : All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

(D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

1. Selection.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e., Direct Entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).

(a) *Direct Entry*.—Selection is made through a written examination conducted by the commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interview.

(b) *NCC Entry*.—Application from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ. Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interview.

2. *Detailing for Training*.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.

3. *Training*.—The approximate duration of training for Flying branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 1575/- p.m. which includes flying pay of Rs. 375/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

5. Pay and Allowances

Substantive Rank	Flying Branch Rs.
Plt Offr	825-865
Fg Offr	910-1030
Flt Lt	1150-1550

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 50/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates :—

Wg Cdr and below	Rs. 375.00 p.m.
Gp Capt and Air Comdc	Rs. 333.33 p.m.
Air Vice Marshal and above	Rs. 300.00 p.m.

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay/grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70/- and 100/- and grants are Rs. 6,000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/-, and Rs. 1,600/-.

Expatriation Allowance.—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troops.

Separation Allowance : Married Officers posted to Units Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 70/- p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 1400/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess : Rs. 1,200/- for renewal after every seven years.

Camp Kit.—Free issue at the time of commissioning.

6. Leave and Leave Travel Concessions

Annual Leave.—60 days a year.

Casual Leave.—20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 965 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave, once every year, on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1600 kms, for the forward and return journeys both inclusive.

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60% of the fare for self wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. PENSIONARY BENEFITS

Retiring Rank (Substantive)	Minimum length of qualifying Service	Standard rate of Retiring Pen- sion	Rs.	p.m
Plt Offr./Fg Offr.	20 years	525	..	
Flt Lt.	20 ..	750	..	
Sqn Ldr.	22 ..	875	..	
Wg Cdr (Time Scale)	26 ..	900	..	
Wg Cdr (Selective)	24 ..	950	..	
Gp Capt.	26 ..	1100	..	
Air Cmde	28 ..	1125	..	
Air Vice Marshal	30 ..	1275	..	
Air Marshal	30 ..	1375	..	
Air Chief Marshal	30 ..	1700	..	

8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President as under :—

- (a) For 10 years service—Rs. 12,000/- less 1½ month's pay of rank last held.
- (b) For every additional year—Rs. 1200/- & month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to ¼th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 16½ times of the emoluments not exceeding Rs. 30,000/- is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows :—

- (a) Two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) Six months pay, if death occurs after the first year, but before completion of five years;
- (c) Minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri _____ son of Shri _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

2. Shri _____ and/or his family
ordinarily reside(s) in village/town* _____ of _____
District/Division* of the State/Union Territory of _____
Signature.....
**Designation.....
State, Union Territory*.....
(with seal of office)

Place.....
Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

* Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates :

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
- †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called on 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

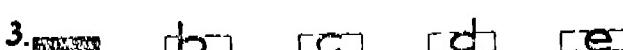
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet (specimen enclosed) number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is important that—

1. You bring and use only good quality HB Pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. You ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip board or a hard board or a card board on which nothing should be written. This may be useful for marking the answers in the Answer Sheet as it will provide an even surface, in case the surface of your desk is not smooth. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and

wait till the invigilator collects the Test Booklet, answer sheet and sheet for rough work from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asoka era.

2. In a parliamentary form of Government,
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
 - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to :
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual class room work.
 - (d) allow choice in the educational programme.

4. The nearest planet to the Sun is :
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes flood.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.